आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रात:नागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 01 अंक : 198 रांची, सोमवार, 01 जुलाई, 2024 (आषाढ़ कृष्ण 10, संवत 2081), पृष्ठ- 12, मूल्य- 3 रुपये email : jharkhandwanitaudyog@gmail.com

पीएम मोदी ने 'मन की बात' में देश को किया संबोधित

चुनाव परिणाम, ओलंपिक खेलों का जिक्र व की मां से जुड़ी अपील

एजेंसियां, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में देश को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के शुरुआत में पिछले दिनों हुए लोकसभा चुनाव का जिक्र किया। नरेंद्र मोदी ने कहा, "मैं आज देशवासियों को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 2024 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ। मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रकिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं।"

इसके बाद पीएम मोदी ने आज के दिन के इतिहास पर बात करते हुए 'हूल दिवस' पर बात की। उन्होंने कहा, "आज 30 जून का ये दिन बहुत ही अहम है। इस दिन को हमारे आदिवासी भाई-बहन 'हूल दिवस' के रूप में मनाते हैं। यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है, जिन्होंने विदेशी शासकों के अत्याचार का पुरजोर विरोध किया था।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि वीर सिद्धो-कान्हू ने हजारों संथाली साथियों को एकजुट करके अंग्रेजों का जी-जान से मुकाबला किया। तब झारखंड के संथाल परगना में हमारे आदिवासी भाई-बहनों ने विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठा लिया था।

'तुर्कमेनिस्तान में रवींद्रनाथ टैगोर को सम्मान'

'मन की बात' में नरेंद्र मोदी ने आगे तुर्कमेनिस्तान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तुर्कमेनिस्तान में इस साल मई में वहां के राष्ट्रीय कवि की 300वीं जन्म-जयंती मनाई गई। इस अवसर पर तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति ने दुनिया के 24 प्रसिद्ध कवियों की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इनमें से एक प्रतिमा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी की भी है। ये गुरुदेव का सम्मान है, भारत का सम्मान है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जून के महीने में दो कैरेबियाई देश सूरीनाम और **Saint Vincent and the Grenadines** ने अपने **Indian heritage** को पूरे जोश और उत्साह के साथ सेलिब्रेट किया। सूरीनाम में हिन्दुस्तानी समुदाय हर साल 5 जून को **Indian Arrival Day** और प्रवासी दिन के रूप में मनाता है। यहां तो हिन्दी के साथ ही भोजपुरी भी खूब बोली जाती है। नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि इस महीने पूरी दुनिया ने 10वें योग दिवस को भरपूर उत्साह और उमंग के साथ मनाया है। मैं भी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित योग कार्यक्रम में शामिल हुआ था। कश्मीर में युवाओं के साथ-साथ बहनों-बेटियों ने भी योग दिवस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जैसे-जैसे योग दिवस का आयोजन आगे बढ़ रहा है, नए-नए रिकॉर्ड्स बन रहे हैं।

इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मां का जिक्र करते हुए एक पेड़ लगाने की बात कही। उन्होंने कहा, "अगर मैं आपसे पूछूं कि दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता कौन सा होता है तो आप जरूर कहेंगे- मां। हम सबके जीवन में 'मां' का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां हर दुख सहकर भी अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। हर मां अपने बच्चे पर हर स्नेह लुटाती है। जन्मदात्री मां का ये प्यार हम सब पर एक कर्ज की तरह होता है, जिसे कोई चुका नहीं सकता।"

उन्होंने आगे कहा कि हम मां को कुछ दे तो सकते नहीं, लेकिन और कुछ कर सकते हैं क्या? इसी सोच में से इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है- 'एक पेड़ मां के नाम।' मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है।

'कुवैत में हिंदी में रेडियो कार्यक्रम'

पीएम मोदी ने कहा कि कुवैत सरकार ने अपने नेशनल रेडियो पर एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया है और वो भी हिन्दी में। 'कुवैत रेडियो' पर हर रविवार को इसका प्रसारण आधे घंटे के लिए किया जाता है। इसमें भारतीय संस्कृति के अलग-अलग रंग शामिल होते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारी फिल्में और कला जगत से जुड़ी चर्चाएं कुवैत भारतीय समुदाय के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। मुझे तो यहां तक बताया गया है कि कुवैत के स्थानीय लोग भी इसमें खूब दिलचस्पी ले रहे हैं। मैं कुवैत की सरकार और वहां के लोगों का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने ये शानदार पहल की है।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

सीबीएसई: 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा साल में दो बार होगी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय अगले सत्र 2025-26 में सीबीएसई का नया पैटर्न लागू करने की तैयारी में जुट गया है। 10वीं और 12वीं की पहली बोर्ड परीक्षा जनवरी 2026 में होगी। इसी सत्र की दूसरी परीक्षा अप्रैल माह में होगी। छात्रों के पास दोनों परीक्षा में शामिल होने का विकल्प होगा। छात्र किसी भी एक परीक्षा में बैठकर परीक्षा दे सकते हैं। जो छात्र दोनों परीक्षा में शामिल होंगे। वह बेहतर प्रदर्शन के साथ रिजल्ट ला सकेंगे। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा विभाग और देशभर के 10000 से अधिक प्रिंसिपल और शिक्षकों के साथ ऑनलाइन और फिजिकल रायशुमारी की थी। उसके बाद यह निर्णय लिया गया है। एक ही सत्र की दो परीक्षा आयोजित होने से दूसरी परीक्षा में अपने परीक्षा परिणाम को छात्र-छात्राएं बेहतर बना पाएंगी।

रवींद्र जडेजा ने भी टी 20 से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारत ने जैसे ही टी20 वर्ल्ड कप-2024 का खिताब अपने नाम किया वैसे ही दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास का ऐलान कर दिया। इसके बाद रोहित शर्मा ने भी टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। अब इस फेहरिस्त में रवींद्र जडेजा का नाम भी जुड़ गया है। जडेजा ने रविवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए अपने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने की जानकारी दी।

आइज से लागू होवी तीन गो नवा कानून

पेज 12 पर

चंपाई सोरेन और हेमंत सोरेन ने वीर शहीदों को किया नमन, दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हूल दिवस पर समाज और राज्य को मजबूत बनाने का लें संकल्प : सीएम

प्रात: नागपुरी प्रतिनिधि, साहिबगंज

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि 1855 में आज ही के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। मुख्यमंत्री रविवार को हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिदो-कान्हू की पावन धरती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्वजों के संघर्ष और शहादत से आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है।

शेष पेज 08 पर

396 योजनाओं की दी सौगात

इस दौरान मुख्यमंत्री ने 29026.745 लाख रुपये की कुल 396 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसमें 11284.854 लाख रुपये की 165 योजनाओं का उद्घाटन और 17741.731 लाख रुपये की 231 योजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कुल 37212 लाभुकों के बीच 9289.745 लाख रुपये की परिसंपत्तियां बांटी।

अपनी अस्मिता और पहचान को खोने नहीं देंगे : हेमंत

पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को हूल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि हम वर्षों से हूल दिवस मनाते चले आ रहे हैं। आज इस अवसर पर संकल्प लेकर राज्य के विकास में जो भी चुनौतियां सामने आएगी उसका मुकाबला पूरी ताकत के साथ किया जाएगा। हमें अपने हक और अधिकार को हर हाल में लेना है और इसके खिलाफ साजिश रचने वालों को जवाब देना है। हमें जल-जंगल और जमीन को हर हाल में बचाना है। क्योंकि, इसी की खातिर हमारे पूर्वजों ने बलिदान दी थी। हम अपनी अस्मिता और पहचान को किसी कीमत पर मिटने नहीं देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में हमने झारखंड में बदलाव लाने का काम किया है। अब सरकार हेडक्वार्टर से नहीं, बल्कि गांव से चलती है। हमारी योजनाएं धरातल पर उतरती हैं, जिसका लाभ समाज का अंतिम पंक्ति का व्यक्ति भी उठा रहा है। युवाओं को रोजगार देने के क्षेत्र में भी सरकार कई कदम उठाए हैं। झारखंड की संपदा पर पहला हक झारखंड वासियों का है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है।

चंपाई का एलान: झारखंड में 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को हर माह 1,000 रुपये देगी सरकार

- मुख्यमंत्री ने लोगों से की अपील, नशे से दूर रहें, समाज हो रहा खोखला

सरायकेला। रविवार को सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर प्रखंड के कुमडीह एवं राजनगर में अखिल आखड़ा कुमडीह व टीएसीएस गामदेसाई की ओर से हूल दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन शामिल हुए।मौके पर उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार विकास को लेकर गंभीर है। 21 से 50 साल की बहन-बेटियों को स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपये दिये जायेंगे। आठ लाख से कम वार्षिक आय वाले लगभग 45 लाख महिलाओं को योजना का लाभ दिया जायेगा। इसके लिए अगले माह से शिविर लगाया जायेगा। यहां महिलाएं आवेदन करें।

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फुलो-झानो ने 1855 में अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ी थी। इस लड़ाई के बाद संताल परगना बना और एसपीटी एक्ट लागू हुआ। आज देश भर में हूल दिवस मनाया जा रहा है। हमें शहीदों के सपनों को साकार करना है। झारखंड की सत्ता हमारे हाथों में है, हमें अपने राज्य को सजाना और संवारना है।

सीएम ने कहा कि झारखंड सरकार विकास की नयी गाथा लिख रही है।

शेष पेज 08 पर

राजधानी रांची में सेक्स रैकेट का खुलासा

होटल रॉयल रेसिडेंसी में छापा नौ लड़कियां, होटल मालिक व मैनेजर को किया गिरफ्तार

प्रात: नागपुरी संवाददाता, रांची

राजधानी रांची में हाल के दिनों जिस्मफरोशी का अवैध धंधा फल-फूल रहा है। इसे लेकर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। रविवार को चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड गुरुद्वारा गली में विशेष अभियान चलाया गया. इस दौरान छापेमारी में पुलिस ने होटल रॉयल रेसिडेंसी से नौ लड़कियां, होटल के मालिक परमीत सिंह उर्फ प्रिंस तथा मैनेजर मिथुन गोराईं को गिरफ्तार किया है।

इनमें अधिकतर लड़कियां पश्चिम बंगाल के हुगली और कोलकाता की रहनेवाली हैं। एक लड़की जमशेदपुर की है। पुलिस को इनके मोबाइल से कैश के लेन-देन की जानकारी मिली है। इससे पहले होटल में पुलिस के पहुंचते ही पीछे के दरवाजे से कई ग्राहक भाग निकले। पुलिस ने होटल से रजिस्टर, कई मोबाइल, आपत्तिजनक सामान, सीसीटीवी का डीवीआर जब्त किया है।

मालूम हो कि कुछ दिनों पहले लालपुर थाना क्षेत्र के बैंबू स्पा में छापेमारी कर थाइलैंड की तीन महिलाओं के साथ एक दर्जन लड़कियों को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद बरियातू क्षेत्र से तीन बांग्लादेशी लड़कियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस द्वारा लगातार सेक्स रैकेट के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है.। पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आयी है कि राजधानी में चल रहे सेक्स रैकेट का बंगाल से कनेक्शन है। पिछले दिनों हुई कार्रवाई में कुल 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

होटलों का भी इस सेक्स रैकेट से कनेक्शन है. इसी आधार पर कई होटलों के खिलाफ पुलिस द्वारा पूर्व में कार्रवाई की गयी है। सिटी डीएसपी केवी रमण ने बताया कि सूचना मिली थी कि होटल में गलत काम हो रहा है। इसके बाद सिटी एसपी राज कुमार मेहता के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर होटल रॉयल रेसिडेंसी में छापेमारी की गयी।

पलामू में 50 लाख रुपये के गहने लेकर उच्चके फरार, घटना सीसीटीवी में कैद

प्रात: नागपुरी प्रतिनिधि, पलामू

पलामू के छतरपुर थाना परिसर से महज 300 फीट की दूरी पर स्थित मुख्य बाजार में स्थित बृज बिहारी सोनी की ज्वेलर्स दुकान से उच्चके ने 50 लाख के सोना और चांदी के जेवर उड़ा ले गये। घटना रविवार की देर शाम करीब 7:45 बजे की बतायी जाती है। सूचना मिलने पर पुलिस का गश्ती दल घटना स्थल पर पहुंची।

सीसीटीवी में चोरी करते दिखे बदमाश : सीसीटीवी के माध्यम से

युवक को थैला लेकर जाते देखा गया। जानकारी के अनुसार प्रतिष्ठा के मलिक बृज बिहारी सोनी दुकान बंद कर शटर लगाने की तैयारी कर रहे थे। जेवर से भरे थैला को दुकान के दरवाजे के पास रखकर बाइक की डिक्की में सब्जी रखने गये थे।

शेष पेज 08 पर

बेतला नेशनल पार्क में आज से पर्यटकों की एंट्री बंद

प्रात: नागपुरी प्रतिनिधि, पलामू

झारखंड के प्रसिद्ध बेतला नेशनल पार्क में पर्यटकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) के निर्देश पर पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। इसके साथ बेतला नेशनल पार्क की सुरक्षा-व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। बरसात के कारण एक जुलाई से तीन महीने के लिए हर साल पलामू टाइगर रिजर्व में नो एंट्री लगा दी जाती है।अब 30 सितंबर तक बेतला नेशनल पार्क का भ्रमण पर्यटक नहीं कर सकेंगे। पार्क में

उनके प्रवेश पर पूरी तरह से रोक रहेगी। एक अक्टूबर से बेतला नेशनल पार्क पर्यटकों के लिए फिर से खोला जाएगा।

इस संबंध में रविवार को बेतला नेशनल पार्क के रेंजर शंकर पासवान ने बताया कि वन्य प्राणियों के प्रजनन काल को देखते हुए हर साल मानसून के सीजन में पलामू और लातेहार जिले की सीमा पर स्थित पलामू टाइगर रिजर्व, जिसे बेतला नेशनल पार्क भी कहते हैं, को बंद कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि पार्क बंद होने के बाद जंगल की सुरक्षा और बढ़ा दी जाएगी। पेट्रोलिंग तेज होगी। जगह-जगह पर बनाये गये वाच टावर को भी सक्रिय कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सभी वनकर्मियों को इसके लिए विशेष दिशा-निर्देश दिया गया है। नेशनल पार्क के बंद होने के किसी भी तरह की कोई आपराधिक गतिविधि नहीं हो, इसके लिए भी पूरी सुरक्षा व्यवस्था-मजबूत की गयी है। उन्होंने बताया कि विभागीय अधिकारियों के निर्देश पर जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए कई आवश्यक उपाय किये जा रहे हैं।

शेष पेज 08 पर

देश के 30वें सेना प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी

एजेंसियां, नई दिल्ली

देश के 30वें सेना प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को कार्य भार संभाल लिया। उन्होंने चार दशकों से अधिक राष्ट्र सेवा करने के बाद रविवार को सेवानिवृत्त हुए थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे से कार्यभार संभाला। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है। साथ ही तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां और भी स्पष्ट होती जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी इसी साल 15 फरवरी को उप सेना प्रमुख नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वह 1 फरवरी, 2022 को सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बनाए गए थे। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के छात्र रहे हैं। उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में नियुक्त किया गया था।

- कार्यभार संभाला
- युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियों से निपटना होगा
- सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की समझ रखते हैं जनरल द्विवेदी

उन्होंने ऑपरेशन रक्षक के दौरान चौकीबल में एक बटालियन की कमान संभाली थी, जो ऑपरेशन राइनो के दौरान मणिपुर में असम राइफल्स का एक सेक्टर था। उन्होंने असम में इंस्पेक्टर जनरल, असम राइफल्स के रूप में भी कार्य किया है। वह भारतीय सैन्य अकादमी में एक प्रशिक्षक के रूप में तैनात रहे हैं। वह सेशेल्स सरकार में सैन्य अताशे और पैदल सेना के महानिदेशक के रूप में तैनात रहे हैं। उन्हें फरवरी, 2020 में IX कोर का कमांडर और अप्रैल, 2021 में सेना स्टाफ (सूचना प्रणाली और समन्वय) के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था।

उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है, तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते चरित्र के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां अधिक स्पष्ट होती जा रही हैं।

शेष पेज 08 पर

वेंकैया नायडू पर तीन पुस्तकों का पीएम ने किया विमोचन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विमोचन किया। अन्वया कन्वेंशन सेंटर, गाचीबोवली तेलंगाना में नायडू की 75वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नायडू को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीवनी और दो अन्य पुस्तकें लोगों को सही दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्हें स्वयं उनसे साथ में काम करने के दौरान प्रेरणा मिली है।

शेष पेज 08 पर

गिरिडीह में निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिरा

प्रात: नागपुरी प्रतिनिधि, गिरिडीह

झारखंड के गिरिडीह में एक निर्माणाधीन पुल मॉनसून की पहली ही बारिश में ध्वस्त हो गया। इसपर मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सरकार पर हमला बोला है। कहा कि, अरगा नदी पर पुल का गिरना सरकार के भ्रष्टाचार का एक और काला अध्याय है।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

वृद्ध महिला का शव बरामद

बुढ़मू। रविवार को बुढ़मू थाना पुलिस ने प्रखंड के नाऊज गांव निवासी ललकु मुंडा के अर्ध निर्मित मकान से एक वृद्ध महिला का शव बरामद किया है? जानकारी के अनुसार गांव के कुछ ग्रामीणो को उस घर के पास दुर्गंध मिला घर में जा कर देख तो एक महिला का शव पड़ा हुआ है। तत्काल बुढ़मू थाना पुलिस को सुचना दिया गया। पुलिस शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार मृतिका पिछले दस बारह दिनों से गांव के अगल बगल घूमती देखी जा रही थी। तथा वह विक्षिप्त थी।

घर से मोटरसाइकिल की हुई चोरी

राहे। थाना क्षेत्र के धोबी मोहल्ला से शनिवार रात हीरो ग्लैमर मोटरसाइकिल जे एच 01 सी वाई 1866 की चोरी हुई है। इस संबंध में वाहन मालिक संजय बैठा बताया कि शनिवार शाम को घर के आंगन में मोटरसाइकिल रखी थी। सुबह आंगन से मोटरसाइकिल गायब मिली। इस संबंध में राहे थाना में सूचना दी गई है।

बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति की बैठक

खूंटी। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति की बैठक की रविवार को समिति के उपाध्यक्ष रमेश मांझी की अध्यक्षता में हुई बैठक में 22 जुलाई से शुरू होनेवाले श्रावणी मेले को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि बाबा आमेश्वर धाम परिसर में 22 जुलाई से 19 अगस्त तक श्रवणी मेले का आयोंजन होगा। इस दौरान बाबा के भक्तों की सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था कों लेकर विमर्श किया गया। ज्ञात हो कि बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में हर साल सावन में एक महीने तक श्रावणी मेले का आयोजन किया जाता है,जिसमें न सिर्फ झारखंड के बल्कि छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश, बिहार और बंगाल के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में बाबा भोलनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं।

जनकल्याण समर्पण संस्थान ने वीरों को किया नमन

अनगड़ा। सिकिदिरी जनकल्याण समर्पण संस्थान के ढेलवाखुट्टा स्थित कार्यालय में अंग्रेजी हुकूमत के अन्याय व अत्याचार के विरुद्ध हुल क्रांति का आह्वान करने वाले महान क्रांतिकारी सिद्धो कान्हु के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर संस्थान के अध्यक्ष सुजीत कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के प्रथम विद्रोह की शुरूवात करने वाले अदम्य साहस शौर्य के पर्याय अमर शहीद वीर सिद्धो कान्हु के बलिदान का देश सदैव ऋणी रहेगा। संचालन महासचिव सत्यपाल राउत ने किया।

हाथी ने वृद्धा को कुचलकर मार डाला

संवाददाता

खूंटी। तोरपा, कर्रा, रनिया सहित अन्य प्रखंडों में जंगली हाथियों का खूनी खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। गजराजों ने रविवार को अहले सुबह लगभग पांच बजे रनिया थाना क्षेत्र के डिम्बुकेल बड़का टोली गांव में सलोनी गुड़िया (76) को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया।

घटना के संबंध में बताया गया कि सलोनी घर के बाहर आंगन की साफ-सफाई कर रही थी। उसी दौरान गोंडरा जंगल की ओर से पहुंचे एक हाथी ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वहीं उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर रनिया थाना पुलिस, वन विभाग के कर्मी और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे और पूरी घटना की जानकारी सलोनी के परिजनों से ली। रनिया थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया। वन विभाग द्वारा पीड़ित परिवार को 15 हजार रुपये की तत्काल मदद दी गई। साथ ही हाथियों को भगाने के उपकरण भी ग्रामीणों को सौंपे गये। जंगली हाथी के हमले के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

चार दशकों से जारी है जंगली हाथियों का आतंक

खूंटी जिले के कर्रा, खूंटी, तोरपा, रनिया और मुरहू इन सभी छह प्रखंडों के ग्रामीण इलाकों मे पिछले चार दशकों से जंगली हाथियों का आतंक जारी है। इस दौरान सैकड़ों लोग उनकी चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। लाखों रुपये की फसल और दुकान-मकान तोड़े गये। सैकड़ों लोग अब भी घायल होने का दंश झेल रहे हैं। जंगली हाथियों के आतंक से स्थायी रूप से निजात दिलाने की मांग को लेकर ग्रामीण सड़क जाम, रेल रोको, सड़क जाम, घेराव जैसे कई आंदोलन कर चुके हैं, पर इस समस्या का निराकरण अब तक नहीं हो सका है। इससे ग्रामीणों में रोष है।

तोरपा में विश्व हिंदू परिषद के वर्ग प्रशिक्षण का आयोजन

संवाददाता

खूंटी। तोरपा एनएचपीसी मंदिर प्रांगण में रविवार को विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री कल्याण श्यामल और उमेश मांझी के मार्ग दर्शन में वर्ग प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। चार घंटे तक चले वर्ग प्रशिक्षण में धर्म और मंत्रोच्चार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।मौके पर जयघोष, उद्घोष और पूजा-पाठ के बारे में विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विहिप के प्रखंड अध्यक्ष एमपी सिंह ने की। बैठक में विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष विरेंद्र साहू, बजरंग दल संयोजक मोहित जयसवाल, उमेश मांझी, ज्योति देवी, संगीता मिश्रा, मंगला देवी, अमृता देवी आदि उपस्थित थीं।

कैंट मंडल में सुनी गई प्रधानमंत्री के मन की बात, रोपे गए फलदार पौधे

संवाददाता

रामगढ़ ।प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सुने जाने वाले मन की बात कार्यक्रम को 30 जून को पूरे रामगढ़ कैंट मंडल में सभी बूथों पर भाजपा कार्यकताओं ने सुना। इस क्रम में बूथ नंबर 50 के अध्यक्ष सत्यजीत चौधरी की अध्यक्षता में वरिष्ठ भाजपा नेता सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू के आवासीय कार्यालय पर वार्ड नंबर छः अंतर्गत आने वाले सभी नौ बूथ क्रमशः 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55 के अध्यक्षों की उपस्थिति में मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में कुंटू बाबू एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। मन की बात कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात उपस्थित सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में कुंटू बाबू ने अपनी माताजी की याद में आम के दो फलदार पौधे लगाए ' उन्होंने कहा की अपनी माताजी के नाम पर पौधा लगाने का संदर्भ उस पौधे से अपनत्व और भावनात्मक जुड़ाव को जागृत करने का एक तरीका है जिससे लोग पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें और उसे वृक्ष बनने में सहयोग करें ।साथ ही पूरे देश को भी वृक्ष की उपयोगिता और जरूरत का एक संदेश जाए। वहीं, कैंट मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव ने बताया की प्रधानमंत्री नरेंद्र माफी के मन के बात कार्यक्रम को सभी आठ मंडलों में सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आईटी सेल प्रभारी प्रवीण कुमार सोनू,अजीत गुप्ता संजय श्रीवास्तव,अभिषेक चौधरी,सुरेंद्र शर्मा,मनोज साव,अरविंद सिंह,मणिशंकर ठाकुर आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधिक सेवा सह सशक्तीकरण शिविर का आयोजन

लापुंग। लापुंग में रविवार को विधिक सेवा -सह- सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जिला से आये ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एकता सक्सेना एवम नुमान खान आजम, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी उषा मिंज प्रखण्ड प्रमुख कंचन उरांव तथा अन्य पदाधिकारियो ने भाग लिया। इस दौरान विभिन्न पंचायतो से आये ग्रामीणों को उनके अधिकार के बारे बताया गया। विधिक सेवा कैसे आम लोगो को कानूनी सहायता करता है उसके बारे में जानकारी दी गयी। उसके बाद विभिन्न योजनाओं के लाभुको के बीच परिसम्पत्तियों का वितरण किया गया। मौके पर प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी मो इम्तेयाज, ब्लॉक कोडिनेटर आवास कोर्डिनेटर ऋषिनन्दन, सविता सांगा, सहकारिता पदाधिकारी विनोद नारायण झा, सांख्यकी पदाधिकारी निर्मल कचयप, रोजगार सेवक एवम सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पंजाबी हिन्दू बिरादरी की त्रिवार्षिक आम चुनाव संपन्न

पुनः अध्यक्ष बनाये गये एससी वासुदेव व महासचिव महेश मारवाह

संवाददाता

रामगढ़। पंजाबी हिन्दू बिरादरी की 38वीं वार्षिक आम सभा शनिवार की देर शाम झंडा चौक के माता वैष्णों देवी मंदिर स्थित बिरादरी हॉल में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष एससी वासुदेव और संचालन महासचिव महेश मारवाह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री वासुदेव ने बिरादरी की भूमिका को और अधिक कारगर बनाने के लिए अधिक से अधिक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर जोर दिया। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान किए जाने वाले संभावित कार्यक्रमों की रुप-रेखा से सभा को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष अधिक से अधिक सामाजिक कार्यक्रम किए जाने की योजना बनाई गई है। सभा के दूसरे सत्र में पंजाबी हिन्दू बिरादरी का चुनाव बिरादरी के वरिष्ठ सदस्य रमण मेहरा की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से किया गया। जिनका सहयोग बलवंत राय मारवाह ने किया। जिसमें सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष सुरत चन्द्र वासुदेव, उपाध्यक्ष मनजीत साहनी, महासचिव महेश मारवाह, सहसचिव नरेश चन्द्र मारवाह, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार खोसला को बनाया गया। बिरादरी के महासचिव महेश मारवाह ने सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वित्तीय वर्ष सत्र 2023-24 में संपन्न हुए सभी सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों की सफलता को सशक्त एकता एवं सदस्यों की सक्रियता का परिणाम बताया। उन्होंने एक वर्ष के दौरान किए गए विकास कार्यों की जानकारी एवं भावी विकास योजनाओं की रूपरेखा से सदस्यों को अवगत कराया। उन्होंने अपने संबोधन में सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी टीम पर जिस प्रकार आपने विश्वास जताते हुए पिछले 14 वर्षों से हमें बिरादरी की सेवा करने का मौका दिया है, हम उस विश्वास को कायम रखते हुए अगले तीन साल बिरादरी की सेवा और अधिक तत्परता से करेंगे। वहीं बिरादरी के कोषाध्यक्ष सुशील कुमार खोसला ने पिछले एक वर्ष के दौरान हुए आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। इधर चुनाव समिति के अध्यक्ष रमण मेहरा ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 38 वर्षों से आप सभी सदस्यों ने एकजुटता दिखाते हुए सर्वसम्मति से बिरादरी का आम चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया है। मौके पर मुख्य रूप से सुभाष चन्द्र मारवाह, ओमकार मल्होत्रा, सुरेन्द्र सोबती, प्रवीण शर्मा, संजीव चड्ढा, राजीव चड्ढा, कैलाश शर्मा, मनीष मारवाह, नितिन कपूर, जितेंद्र कैंथ, पवन मारवाह, विशाल वासुदेव, निशांत जैन, अशोक सोबती, विशाल मारवाह, अनिल छाबड़ा आदि मौजूद थे।

आजसू बुद्धिजीवी मंच की पंचायतस्तरीय बैठक संपन्न

संवाददाता

राहे। आजसू बुद्धिजीवी मंच की बी नावाडीह पंचायत कमिटी के द्वारा उत्क्रमित उच्च विद्यालय नावाडीह के प्रांगण में एक बैठक आयोजित की गयी। बैठक के प्रारंभ में हूल दिवस के अवसर पर अमर शहीद सिदो-कान्हू की चित्र पर माल्यार्पण किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आजसू बुद्धिजीवी मंच के केंद्रीय अध्यक्ष डोमन सिंह मुंडा ने कहा कि युवा शक्ति को सामर्थवान बनाकर ही इस राज्य का भला किया जा सकता है। विशिष्ट अतिथि केंद्रीय प्रधान महासचिव डॉ मुकुंद चंद्र मेहता ने संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड को आदर्श और विकसित राज्य बनाने के लिए संगठन को और धारदार बनाना होगा, तभी हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

मंच के केंद्रीय सचिव लंबोदर महतो ने कहा कि वोट किसे दे रहे हैं, उसका मूल्यांकन करें। समाज को कौन सही दिशा दे सकता है, उसका मूल्यांकन कर उसपर विश्वास जताने की जरूरत है। मंच के केंद्रीय सचिव लोहरा महतो ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य प्रत्येक बूथ में आजसू पार्टी की सभी इकाइयों को समन्वय बना कर कार्य करने की जरूरत है। आजसू के राहे प्रखंड प्रभारी संजय सिद्धार्थ ने कहा, आज ही के पावन दिन में हूल क्रांति की शुरूआत हुई थी। आजसू के क्रांति की उपज सुदेश बाबू के नेतृत्व में सिल्ली विधानसभा में विकास की नई परिभाषा लिखी गई।आजसू सिल्ली में, पार्टी के रूप में नहीं परिवार के रूप में काम करती है। झूठ और भ्रम की राजनीति से निकलना होगा। प्रखंड अध्यक्ष जलेश्वर महतो ने कहा, संगठन को और धारदार बनाने की जरूरत है। आने वाला 6 महीना चुनौतीपूर्ण होने वाला है। राहे प्रखंड अध्यक्ष रंगबहादुर महतो ने कहा बुद्धिजीवी मंच मार्गदर्शक के रूप में पार्टी नेतृत्व को दिशा देने का करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के केंद्रीय सचिव लोहरा महतो, सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष विजय चंद्र महतो जी, एवम पंचायत अध्यक्ष अमर महतो का उल्लेखनीय योगदान रहा। उपरोक्त के अलावा बैठक को चुन्नूलाल हजाम, पार्थो महतो, बुचाराम महतो, सोहराई मुखियार, पार्वती देवी, फागुराम महतो, देवेंद्र महतो आदि वक्ताओं ने संबोधित किए। सभा की अध्यक्षता नकुल बाबू एवं संचालन अमर महतो ने किया। धन्यवाद ज्ञापन भोजोहारी महतो के द्वारा किया गया।

प्रखंडस्तरीय मेगा लीगल इंप्रूवमेंट कैंप का आयोजन

- 96 लाख की परिसंपत्ति का वितरण

संवाददाता

सोनाहातू/राहे। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची की तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के द्वारा राहे और सोनाहातू प्रखंड में प्रखंडस्तरीय मेगा लीगल इंप्रूवमेंट कैंप का आयोजन किया गया। सोनाहातू प्रखंड सभागार में आयोजित कैंप में 96 लाख की परिसंपत्ति का वितरण किया गया। लाभुकों के बीच अबुआ आवास की दूसरी किस्त, मजदूरों को जॉब कार्ड का वितरण पत्र, 15वीं वित्त आयोग से योजना की स्वीकृति, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र की स्वीकृति, सारथी योजना में दाखिला की स्वीकृति, एसएलपीएस के अंतर्गत धन बीज का वितरण और महिला समूह को ऋण का वितरण, छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण, केसीसी ऋण वितरण, पेंशन स्वीकृति प्रमाण पत्र ,महिला टीम के बीच जर्सी का वितरण, महिलाओं के बीच पोषाहार का वितरण, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लाभुकों की स्वीकृति प्रमाण पत्र, इसके अलावा सामान्य स्वास्थ्य जांच और मोतियाबिंद जांच भी की गयी। नोडल अफसर के रूप में सरतक शर्मा, प्रमुख विक्टोरिया देवी ,बीडीओ खगेश कुमार,चिकित्सा प्रभारी डॉ जयराम शर्मा,बीएसओ वसंत कुमार महतो,पंचायत सचिव सहित ग्रामीण मौजूद थे। इधर राहे प्रखंड में नोडल अफसर अमित गुप्ता की उपस्थिति में 155 लाभुकों के बीच परीसंपत्ति का वितरण किया गया।

चैता महासमिति के 14 लोगों ने किया रक्तदान

खूंटी। जिले में खून की कमी को दूर करने और लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेवा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा समुदाय के साथ मिलकर चलाए जा रहे अभियान से प्रभावित होकर खूंटी जिला चैता महासमिति के 14 सदस्यों ने रविवार को ब्लड बैंक खूंटी में स्वेच्छा से रक्तदान किया।मौके पर सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि खूंटी में खून की जितनी आवश्यकता होती है, उसके अनुपात में यहां के ब्लड बैंक में खून जमा नहीं हो पाता। इसका सबसे बड़ा कारण लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता की कमी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि रक्तदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाने से लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और जल्द ही खूंटी में खून की कमी दूर हो जाएगी। मौके पर विधायक प्रतिनिधि काशीनाथ महतो, ब्लड बैंक की प्रभारी डॉ वीनू वंदना, सुभाष चंद्र गुप्ता आदि शामिल थे।

विद्यार्थी परिषद रांची विभाग के सह संयोजक बने खूंटी के कमलेश महतो

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। अपने स्थापना काल 09 जुलाई 1949 से ही देश प्रथम के भाव से पूरे देश में कार्य कर रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड के चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग का समापन रविवार को जमशेदपुर समाप्त हो गया। मौके पर झारखंड के विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं को संगठन का दायित्वों की घोषणा की गई। खूंटी जिले के कमलेश महतो को रांची विभाग का विभाग सह संयोजक बनाया गया। खूंटी जिला संगठन में भी कुछ फेरबदल किया गया। अभाविप के जिला प्रमुख डॉ चंद्रकिशोर भगत तथा खूंटी के जिला संयोजक प्रकाश टूटी को बनाया गया। गुड्डू राय, उत्कर्ष तिवारी, पवन कुमार, अमित कुमार महतो आदि कार्यकताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामना दी है।

हूल दिवस पर वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

उरीमारी । विस्थापित समिति द्वारा उरीमारी चेक पोस्ट के समीप विस्थापित नेता सह अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम के केंद्रीय सचिव दसई मांझी के नेतृत्व में हूल दिवस मनाया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि सीसीएल बरका सयाल प्रक्षेत्र के महाप्रबंधक अजय सिंह, विशिष्ट अतिथि उरीमारी परियोजना पदाधिकारी दिलीप कुमार, बिरसा परियोजना पदाधिकारी डी शिवादास, डीएवी उरीमारी के प्राचार्य उत्तम कुमार राय के द्वारा सर्वप्रथम सिद्धू कान्हू की आदमकद प्रतिमा का माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर मुख्य अतिथि सीसीएल बरका-सयाल महाप्रबंधक अजय सिंह ने कहा कि संथाल हूल दिवस का मतलब होता है ह्यह्यसंथाल विद्रोहह्यह्य। यह दिवस संथाली जनजाति के महान क्रान्तिकारी सिद्धू मुर्मू और कान्हू जयंती के रूप में मनाया जाता है। सिद्धू ,कान्हू जो एक महान स्वतंत्रता सेनानी और आदिवासी क्रान्तिकारी थे। उन्होंने संथाल जनजाति के लिए आवाज उठाई और उनके अधिकारों की रक्षा की। उन्होंने भ्रष्टाचार, अत्याचार और आदिवासी असुरक्षितता के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि संथाल हूल दिवस महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की एक महत्वपूर्ण घटना थी। जिसने आदिवासी समुदायों की आवाज को मजबूती दी और भारतीय आजादी के लिए संघर्ष का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बना। यह विद्रोह संथाल जनजाति की सामरिक क्षमता, वीरता, और संघर्ष आदर्श के लिए भी जाना जाता है। विस्थापित नेता सह अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम के केंद्रीय सचिव दसई मांझी ने कहा कि आंदोलन की शुरूआत 30 जून 1855 को 400 गांवों के करीब 50 हजार आदिवासी भोगनाडीह गांव पहुंचे और आंदोलन की शुरूआत हुई। इसी सभा में यह घोषणा कर दी गई कि वे अब मालगुजारी नहीं देंगे। इसके बाद अंग्रेजों ने सिद्धू, कान्हू, चांद तथा भैरव इन चारों भाइयों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जिस दरोगा को चारों भाइयों को गिरफ्तार करने के लिए वहां भेजा गया था संथालियों ने उसकी गर्दन काट कर हत्या कर दी। इस दौरान सरकारी अधिकारियों में भी इस आंदोलन को लेकर भय पैदा हो गया था। उन्होंने कहा कि आंदोलन को दबाने के लिए अंग्रेजों ने इस इलाके में सेना भेज दी और जमकर आदिवासियों की गिरफ्तारियां की गईं और विद्रोहियों पर गोलियां बरसने लगीं। आंदोलनकारियों को नियंत्रित करने के लिए मार्शल लॉ लगा दिया गया। आंदोलनकारियों की गिरफ्तारी के लिए अंग्रेज सरकार ने पुरस्कारों की भी घोषणा की थी। बहराइच में अंग्रेजों और आंदोलनकारियों की लड़ाई में चांद और भैरव शहीद हो गए। इस युद्ध में करीब 20 हजार आदिवासियों ने अपनी जान दी थी। सिद्धू और कान्हू के करीबी साथियों को पैसे का लालच देकर दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया गया और फिर 26 जुलाई को दोनों भाइयों को भोगनाडीह गांव में खुलेआम एक पेड़ पर टांगकर फांसी की सजा दे दी गई।

आदिवासी संघर्ष मोर्चा और झारखंड राज्य किसान सभा ने राहे में मनाया हूल दिवस

राहे। आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने रविवार को प्रखंड के बेहराबेड़ा गांव में हूल दिवस मनाया। कार्यक्रम में शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेताओ ने कहा कि केंद्र की सरकार लेखिका अरुंधती राय, डॉ. शेख शौकत हुसैन पर यूएपीए के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति देकर यही संदेश देना चाहते हैं कि भले गठबंधन की सरकार है, पर प्राकृतिक संसाधनों की कॉरपोरेट लूट, आदिवासियों पर दमन व मानवाधिकार के हनन पर आवाज बुलंद करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। माले जिला सचिव जगमोहन महतो ने कहा कि मोदी सरकार औपनिवेशिक काल के कानून में संशोधन कर लाए गए नए क्रिमिनल कोड से नागरिक स्वतंत्राओं और अधिकारों का हनन करना व सरकारी दमन बढ़ाना है। औपनिवेशिक काल से ज्यादा खतरनाक कानून देश में थोपने के खिलाफ फिर हूल-उलगुलान की संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिलीप मांझी, दामोदर प्रजापति, राजकिशोर लोहरा, डोमन सिंह मुण्डा, मनीराम महतो, राजू मुण्डा, पंकज मुण्डा, जगरनाथ मुण्डा, कार्तिक मुण्डा, जितमोहन मुण्डा शामिल रहे। इधर झारखंड राज्य किसान सभा ने नूरू और ढुगरुडीह गांव में हूल दिवस मनाया और जंगल ,जमीन की रक्षा एवं पलायन,विस्थापन के खिलाफ संघर्ष तेज करने का संकल्प लिया। मुख्य वक्ता झारखंड राज्य किसान सभा के अध्यक्ष सफल महतो ने कहा कि हूल क्रांति अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहले जन क्रांति था। आज पुन कॉपोर्रेट व्यवस्था के खिलाफ हूल क्रांति की आवश्यकता है। मौके पर शंकर मुंडा, शोभाराम मुंडा, जगन्नाथ गुंडा, संजय मुंडा, मनसा मुंडा, बिरसा मुंडा, श्रीकांत कुमार मुंडा आदि मौजूद थे।

मनुष्य जीवन अनमोल है, इसे परमात्मा की भक्ति में ही लगायें: बहन सुधाजी

खूंटी। संत निरंकारी सत्संग भवन हुटार खूंटी में रविवार को संयोजक स्तरीय महिला संत समागम का आयोजन किया गया। घंटों चले इस कार्यक्रम में खूंटी, रांची, बुंडू, खलारी, सिल्ली, नामकुम, रातू, नगड़ी, गुमला, लोहरदगा आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शामिल हुई बहनों ने आध्यात्मिक विचारों, गीतों और कविता के माध्यम से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त किया। गुरु गद्दी में विराजमान बहन सुधाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आज महिलाएं सिर्फ घरों और समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अध्यात्म में भी बढ़-चढ़ कर भागीदारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आत्मा रूपी इस शरीर को जब परमात्मा रूपी पति मिल जाता है, तो जीवन की अवस्था सहज हो जाती है। फिर वह हर पल अध्यात्म से अपना जीवन-यापन करती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन अनमोल है, इसे हम परमात्मा की भक्ति में लगायें। रांची जोन की संयोजिका बहन चंपा भाटिया ने भी महिलाओं के सामर्थ्य, शक्ति और भक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं को इस कलयुग में भी मीरा और सबरी(भीलनी) जैसी भक्ति करनी है, जिससे उनका जीवन धन्य हो। उन्होंने महिला समागम के इस आयोजन के लिए सेवा दल के अथक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में मोबाइल की लत से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए कहा गया कि नुकसानदेही मोबाइल की लत को त्याग कर परमात्मा के साथ संबंध स्थापित करना चाहिए।

संक्षिप्त

लायंस क्लब ऑफ रांची कैपिटल ने अनाथाश्रम में मनाया स्थापना समारोह

रांची। लायंस क्लब ऑफ रांची कैपिटल के 24वें स्थापना समोराह का आयोजन निवारणपुर स्थित आदिम जाति अनाथाश्रम में किया गया। इसमें मनोज गोयल को अध्यक्ष, अनूप अग्रवाल को सचिव और सुशील सिंह को कोषाध्यक्ष, नए पदधारी और निदेशक मंडल की टीम को प्रकाश अरोरा ने शपथ दिलाई। कार्यक्रम की शुरूआत आश्रम के बच्चों को दोपहर का भोजन कराकर की गई। पूर्व अध्यक्ष पंकज मिढा ने कहा कि लायंस क्लब समाजिक कार्यों के लिए जाना जाता है। नए सत्र का आगाज आश्रम के बच्चों के लिए क्लब द्वारा स्पोर्ट्स किट एवं स्कूल बैग उपलब्ध कराकर किया गया। आने वाले समय में टीम कैपिटल अपने सामाजिक कर्तव्यों का निर्वाह करती रहेगी।

पारम्परिक विधि-विधान के साथ मनायी आषाढ़ी पूजा

रांची : रविवार को कांके रोड स्थिति कठहरग गोन्दा मौज के अन्तर्गत डहुटोली हतमा, टिकली टोला, बंगला टोली, कठहर गोन्दा, मिशन गली इत्यादि मोहल्ले के सरना आदिवासी महिलाएं,पुरुष सैकड़ो की संख्या में अपने परम्पारिक वेशभूषा में नजर आये। कांके रोड सरना समिति के सलाकार प्रकाश टोप्पो ने बताया की आदिवासी समाज खेती बारी में जुड़ गई है अच्छी वर्षा हो और गांव घर परिवार में शांति हो,शुखहाली हो यही कामना करते हुवे आषाढ़ी पुजा किया जाता है। मौके पर रूपी पहान, रोशन लकड़ा, दुर्गा टोप्पो, विश्वेर टोप्पो, महावीर तिर्की, करमा खलखो, राजेश लिंडा, सतिश खलखो, मंगल टोप्पो, बंधन टोप्पो, कुन्दन पहान इत्यादि मौजूद थे।

डालसा ने टीम गठित कर पीड़ित परिवार को पहुंचायी विधिक सहायता

रांची : 22.06.2024 की अखबार में छपी खबर 12 वर्ष की दिव्यांग के साथ गैंगरेप की घटना के मामले पर माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा श्री सुजित नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया था तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची को यह आदेश दिया हैं कि वह तत्काल पीड़ित तथा पीड़ित के परिवार से मिलकर आवश्यक सहायता प्रदान करें। इस निर्देश के आलोक में माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची, श्री दिवाकर पांडे ने डालसा सचिव को अविलम्ब एक टीम गठित कर पीड़ित तथा पीड़िता के परिवार को विधिक सहायता प्रदान करने का आदेश दिया। इस आदेश के आलोक में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची श्री कमलेश बेहरा ने एक टीम गठित किया, जिसमें पीएलवी अनिता देवी और सम्पा दास को नियुक्त किया गया है। श्री कमलेश बेहरा, सचिव डालसा, पीएलवी अनिता देवी व सम्पा दास ने पीड़ित के परिवार से रिम्स में मुलाकात किया और डालसा द्वारा दी। जानेवाली नि:शुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के द्वारा पीड़िता के परिवार को मुकदमा हेतु सहायता दी जायेगी एवं पीड़िता को विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची की ओर से प्रो-बोनो अधिवक्ता सुश्री ममता श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया है। साथ ही पीड़िता का समुचित ईलाज, रांची रिम्स अस्पताल से कराया जा रहा है। डालसा, रांची की ओर से झारखंड पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत पीड़िता के लिए मुआवजा की प्रक्रिया आगे बढ़ा दी गयी है। माननीय कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा के निदेर्शानुसार डालसा सचिव स्वयं पीड़िता एवं उसकी मां से मिलकर अंतरिम मुआवजा के रूप में 20 हजार रुपए का चेक पीड़िता के मां को प्रदान किया। इसके अलावा सरकार की कल्याणकारी योजना के तहत पीड़िता की मां को विधवा पेंशन की प्रक्रिया को भी आगे बढ़ा दिया गया तथा उन्हें आगे और भी सरकारी योजनाओं से डालसा के सहयोग से जोड़ा जायेगा। ज्ञात हो कि कुछ असमाजिक तत्वों के द्वारा कुछ दिन पहले 12 वर्ष नाबालिग के साथ दुश्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने मनाया हूल दिवस

विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं को दिया टास्क

संवाददाता

रांची। कांके प्रखंड के चुट्टू रिंग रोड में हूल दिवस 30 जून को मनाया गया। इसकी अध्यक्षता झामुमो कांके प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी ने की। इस अवसर पर मौजूद लोगों ने झारखंड के वीर शहीदों को नमन किया।

कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष फरीद खान ने कहा हूल दिवस अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उठने वाली आवाज का प्रतीक है। सिद्धू कान्हु, चांद भैरव, फूलो झानो जैसे झारखंड के वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंका था। इस आंदोलन ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दिया था।

कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव की समीक्षा की गयी। प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकताओं को तैयार रहने व संगठन मजबूती की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का घर घर तक प्रसार-प्रचार करने पर जोर दिया।

मौके पर सुजीत कुजूर, धर्मेंद्र सिंह, प्रदीप मिर्धा, रतन अनमोल सांचा, हनीफ अंसारी, शेख सहाबुद्दीन, फलीन्द्र मुंडा, बसंत महतो, सबीबुल रहमान, रंथु उरांव, जैनुल अंसारी, दीनानाथ लकड़ा, मोहन उरांव, कलीम खान, फारुक अंसारी सहित अन्य, शामिल थे।

रांची के शहीद स्मारक में मना हूल दिवस

रविवार को स्वतंत्रता के लिए जंगे आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अमर बलिदानी सिध्दू, कानू की स्मृति में आयोजित हुल दिवस रांची के शहीद स्मारक में प्रातः 10 बजे मनाई गयी, जिसमें शहीदों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए वक्ताओं ने विस्तृत वर्णन किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद स्मारक समिति रांची के सचिव डा राम प्रवेश, विमल किशोर, वीरेन्द्र सिंह, मनोज तिवारी, चितरंजन लाल नाथ शाहदेव, आदित्य मोनू, रवि दत्त, किशन अग्रवाल, बासिल किड़ो, डा भरत कुमार ठाकुर, पशुपति नाथ सिंह, सुबोध कुमार, शंकर आजाद, सूर्यनारायणं प्रसाद, दिलीप कुमार वर्मा सहित अन्य सदस्यों ने शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में आगामी स्वतंत्रता दिवस के राजकीय समारोह की तैयारियों पर चर्चा हुई जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश के मुख्यमंत्री शामिल होकर वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानीयों को श्रद्धांजलि अर्पित कर 1957 से परंपरा का निर्वहन करते हैं, समिति के सदस्यों ने शहीद स्मारक के मंच में शेड निर्माण के लिए चर्चा किया।

हूल दिवस के अवसर पर बबलू मुंडा ने किया सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण

रविवार को हूल दिवस के अवसर पर केन्द्रीय सरना समिति एवं चडरी सरना समिति के द्वारा केंद्रीय अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा की अगुवाई में कांके रोड स्थित सिद्धू कान्हू पार्क में सिद्धू कान्हू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सिद्धू कान्हू एवं झारखंड के सभी वीर सपूतों को याद किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा ने कहा कि संथाल हूल का नेतृत्व भोगनाडीह निवासी चुन्नी मांझी के चार पुत्रो ने किया। उनके नाम थे सिद्धू, कान्हू, चांद,और भैरव था। 30 जून 1855 को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से विद्रोह शुरू हुआ था। इस मौके पर सिद्धू ने नारा दिया था, करो या मरो, अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो। सिद्धू ,कान्हू, चांद,भैरव अंग्रेजों के खून से शौर्य गाथा लिखने वाले नायक है। इन चारों भाइयों ने संथाल विद्रोह में सक्रिय भूमिका निभाई थी। मुख्य पहान श्री जगलाल पहान ने कहा कि 30 जून 1855 को मौजूदा साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में वीर सिद्धू कान्हू और चांद भैरव के नेतृत्व में 400 गांव के लगभग 50000 लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत से आमने-सामने की जंग का ऐलान किया था एवं मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का जोर शोर से एलान किया था। चडरी सरना समिति के प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा ने कहा कि सिद्धू कानू संथाल विद्रोह 1855 से 1856 के नेता थे जो पूर्वी भारत के वर्तमान झारखंड में ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता और भ्रष्ट उच्च जाती की जिम्मेदारी व्यवस्था दोनों के खिलाफ मूल निवासियों का विद्रोह था। चडरी सरना समिति के मुख्य सलाहकार एवं झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा ने कहा कि अंग्रेजों के शोषण व महाजनों के अत्याचार से तंग आकर सिद्धू कानू के नेतृत्व में 30 जून 1855 को लोगों ने तत्कालीन अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ विद्रोह हूल किया था। इसमें संथाल परगना के दुमका देवघर गोड्डा पाकुड़ पश्चिम बंगाल भागलपुर समेत उन क्षेत्रों के 50000 से अधिक लोगों लोग शामिल हुए थे। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पहान, शोभा कच्छप, विसवास उरांव, सुरेंद्र लिंडा,कुमोद कुमार वर्मा, संजय नायक, शक्ति सोनी, सुधीर मंडल, अर्पित कच्छप, विक्की मुंडा, विकास उरांव, शंकर लिंडा, अंकुश कच्छप, विशाल तिर्की, आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने लगाया रक्तदान शिविर

संवाददाता

रांची। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा रक्तदान पखवाड़ा के अंतर्गत लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है। इस क्रम में 30 जून को कांके रोड और सर्कुलर रोड स्थित न्यूक्लियस मॉल में शिविर लगाया गया। ये शिविर मॉल के ऑनर विष्णु अग्रवाल के सहयोग एवं सदर अस्पताल के सौजन्य से लगा।

मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने बताया कि दोनों शिविर में 17 यूनिट ब्लड संग्रह किया गया। मौके पर सभी रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट दिया गया। रक्तदान प्रभारी रोजी खंडेलवाल ने पूरे कार्यक्रम को लाइनअप किया। आगे भी शाखा रक्तदान शिविर लगाने की कोशिश करेगी।

मीडिया प्रभारी के मुताबिक कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष विनीता सिंघानिया, सचिव शुभा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष, रक्तदान प्रभारी रोजी खंडेलवाल, रितु पोद्दार, कोमल पोद्दार का सहयोग रहा।

सीसीएल : सभी क्षेत्रों में आज से बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य

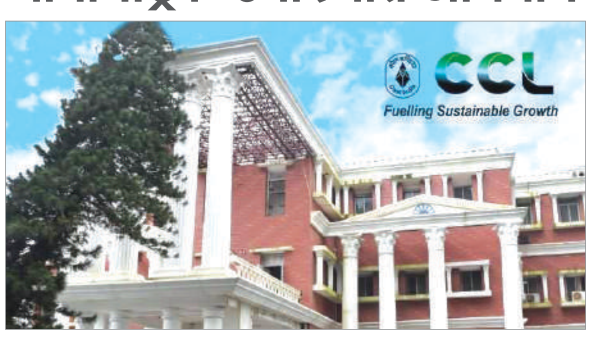

रांची। कोल इंडिया की सहायक कंपनी सीसीएल के सभी क्षेत्रों में कल यानी 1 जुलाई से बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य कर दिया गया है। उपस्थिति को पेरोल से जोड़ने की तारीख भी तय कर दी गई है। इसकी जानकारी मैनेजर (पी/आईआर) एआरए लकड़ा ने दी है।

श्री लकड़ा ने इस संबंध में सभी महाप्रबंधक/प्रमुख, सीएमएस, जीएनएच पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि सक्षम प्राधिकार के निर्देश के अनुसार 1 जुलाई, 2024 से सीसीएल के सभी क्षेत्रों में बायोमेट्रिक उपस्थिति का कार्यान्वयन अनिवार्य रूप से किया जाना है।

पत्र में कहा गया है कि बायोमेट्रिक उपस्थिति को पेरोल के साथ 1 अगस्त, 2024 से जोड़ा जाना है। उपरोक्त समय-सीमा के कार्यान्वयन के लिए अपने संबंधित क्षेत्रों/इकाई में आवश्यक कार्रवाई करें।

जानकारी हो कि कई यूनियन नेताओं ने कुछ क्षेत्रों में आधारभूत संरचना उपलब्ध नहीं होने का हवाला देते हुए बायोमेट्रिक उपस्थिति से छूट देने की मांग की गई थी। उनका कहना था कि यहां कर्मी काफी दूर-दूर से आते हैं। ऐसे में जल्दबाजी में कोई अनहोनी हो सकती है।

झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष बने दीपक कुमार अग्रवाल

एसोसिएशन की विशेष वार्षिक आम बैठक में नई टीम की घोषणा

संवाददाता

रांची। झारखंड स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की विशेष वार्षिक आम बैठक 30 जून को स्थानीय होटल में हुई। इसमें सत्र 2024-27 के लिए एसोसिएशन की कार्यकारणी सदस्यों की घोषणा की गई। चुनाव पदाधिकारी झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष शिवेंदु दुबे ने नई टीम की घोषणा की। स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष दीपक कुमार अग्रवाल (रांची) बनाए गए है।

इसके अलावा संगठन के उपाध्यक्ष स्मिता आनंद (गोड्डा), सीडी सिंह (रामगढ़) और आशीष झा (देवघर), महासचिव वरुण कुमार (दुमका), कोषाध्यक्ष विपुल कुमार (सिमडेगा), संयुक्त सचिव सरोज कुमार यादव (जामताड़ा), आशीष बनर्जी (राँची), कार्यकारणी सदस्यों में एनएन मल्लिक (जमशेदपुर), अभिषेक कुमार पांडेय (धनबाद), मुकेश कुमार (गिरिडीह), अमित पाठक

(हजारीबाग) को चुना गया है।

सीए सौरभ टेकरीवाल को ऑडिटर बनाया गया। दो माह के अंदर अन्य जिलों में भी नई कमिटी बनाने का निर्णय लिया गया। जिस जिले में स्क्वैश कोर्ट बने हुए है, वहां पर गतिविधियों को बढ़ाने पर सहमति बनी। जहां स्क्वैश कोर्ट नहीं बना है, वहां बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सीईओ वरुण कुमार ने एसोसिएशन की गतिविधियों की जानकारी सदस्यों को दी।

मौके पर नए अध्यक्ष ने कहा कि एसोसिएशन का काम कागज पर नहीं, बल्कि धरातल पर दिखेगा। एसोसिशन को मिलजुल कर आगे बढ़ाएंगे। बैठक में एसोसिएशन के सचिव डॉ बीके मिश्रा के निधन पर एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

रांची की आध्या बुधिया को इस्लामाबाद पाकिस्तान में एशियाई जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप गर्ल्स अंडर-13 में गोल्ड मिलने पर बधाई दी गई। आध्या के रांची आने के बाद उन्हें सम्मानित करने का भी निर्णय लिया गया। इस बैठक में रांची, जमशेदपुर, देवघर, दुमका, साहेबगंज सहित लगभग 19 जिलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग के आदेश को ठेंगा दिखा रहे हैं सप्लायर, शिक्षक त्रस्त

प्रखंड मुख्यालय से पुस्तक स्कूल पहुंचाने का संघ ने किया विरोध

रांची। शिक्षा विभाग के आदेश को सप्लांयर ठेंगा दिखा रहे हैं। विभाग ने सप्लायर को पुस्तभकें स्कूल तक पहुंचाने का स्पष्ट निर्देश दिया है। आदेश को दरकिनार कर पुस्तकें जीईपीसी सप्लायर के माध्यम से सभी प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी केंद्र में भेज रहा है। शिक्षकों से कहा जा रहा है कि यहां से किताबें स्कूल ले जाएं। इससे वे त्रस्त हैं। इसका अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने विरोध किया है। सरकार प्रदेश के प्राथमिक और मध्य विद्यालय में छात्रों को पठन पठान के लिए निःशुल्क पुस्तक उपलब्ध करा रही है। सप्लायर ये पुस्तकें सभी प्रखंड मुख्यालय स्थित बीआरसी केंद्र पहुंचा रहे हैं। बीआरसी मुख्यालय से लगभग 30 से 40 किलोमीटर दूर विद्यालय के प्रभारी शिक्षक अपने खर्च पर पुस्तक का उठावकर स्कूल ले जा रहे हैं। पुस्तक स्कूल पहुंचने का खर्च भी बीआरसी वहन नहीं कर रहा है। सप्लायर को स्कूल तक पुस्तकें पहुंचनी हैं। सप्लायर को ठेका पुस्तकक स्कूल तक पहुंचाने का ही मिला है। हालांकि वे किताब बीआरसी मुख्यालय में पहुंचाकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं।

शिक्षा विभाग एक तरफ खूब ढोल पीटता है कि हम प्राथमिक विद्यालय में क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा देने के लिए कटिबद्ध है। हालांकि जब पुस्तक देने की बात आती है, तब यह बात हवा हवाई हो जाता है। प्रखंड कार्यालय कहता है कि जो किताब है, ले जाएं। छपाई करने वाले की पुस्तक विद्यालय तक पहुंचाने की जिम्मेवारी रहती है, लेकिन प्रखंड कार्यालय में पुस्तकों का भंडारण किया जाता है। परिणाम यह होता है कि कई बार क्लाास छोड़कर शिक्षक किताब उठाने स्कूल से कोसों दूर से प्रखंड मुख्यालय आते हैं। वहां जाने के बाद भी कभी दो क्लास, तो कभी एक क्लास की पुस्तक मिलती है। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि बीआरसी मुख्यालय से पुस्तक उठाव करने का शिक्षकों ने घोर विरोध किया है। उन्होंयने कहा कि शिक्षक बंधुवा मजदूर नहीं हैं। स्कूल से कोसो दूर से शिक्षक कैसे पुस्तक उठाव करे। पुस्तक ले जाने का खर्च कौन उठाएगा। संघ की स्पष्ट मांग है कि पुस्तक विद्यालय तक पहुंचाएं जाएं, क्योंकि विभागीय आदेश स्कूल तक किताब पहुंचाने का है।

स्थापना दिवस सप्ताह पर 'विकसित भारत' के लिए दौड़े चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

संवाददाता

रांची। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की स्थापना 1 जुलाई, 1949 को हुई थी। स्थापना दिवस और उससे पूर्व स्थापना सप्ताह पर पूरे देशभर में सीए इंस्टीट्यूट कई सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस क्रम में इंस्टीट्यूट की रांची शाखा ने 30 जून को बेड़ो के मेहरु गांव में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण किया। साथ ही, गांव के 200 बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री भी वितरित किया।

रविवार की सुबह पूरे भारत में स्थित आईसीएआई की शाखाओं के साथ रांची के मोरहाबादी मैदान में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा भारत को विकसित बनाने के लक्ष्य को लेकर ह्यसीए रन फॉर विकसित भारतह्ल आयोजित किया गया। इसमें 60 से ज्यादा पुरुष और महिला चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में सीए शेखर सुमन विजेता और सीए हरेन्दर यादव उपविजेता बने। महिला वर्ग में सीए ऋचा अरोड़ा विजेता और सीए रुचिका पोद्दार उपविजेता बनी। रीजनल काउंसिल सदस्य सीए मनीषा बियानी ने विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम इंस्टीट्यूट की रांची शाखा की चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने कहा कि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को पूरे समाज में काफी प्रतिष्ठा से देखा जाता है। इस कारण ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन से समाज में अच्छा सन्देश जाता है। लोगों का ध्यान इन सामाजिक और आर्थिक विषयों पर आकर्षित होता है। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में 101 फलदार और अन्य तरह के पौधे लगाए गए हैं।

सीए श्रद्धा बगला ने बताया कि 1 जुलाई को सीए स्थापना दिवस के अवसर पर आईसीएआई भवन में झंडोतोलन होगा। इसके बाद सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक रक्तदान शिविर और हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया है। इन कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ सीए विधार्थियों को भाग लेने का आग्रह किया।

पौधरोपण और पठन पाठन सामग्री वितरण कार्यक्रम में संयोजक सीए नीलेश पटेल, सीए रन फॉर विकसित भारत कार्यक्रम में संयोजक सीए रिंकू खेमका और सीए विनय विभाकर का महत्वपूर्ण योगदान था।

इन कार्यक्रमों में इंस्टीट्यूट की रांची शाखा के कोषध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया, कार्यकारिणी सदस्य सीए निशांत मोदी, पूर्व अध्यक्ष सीए पंकज मक्कड़, सीए प्रवीण शर्मा, सीए सुभद्रा कुमारी, सीए अंजना अग्रवाल सहित काफी संख्या में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स उपस्थित थे।

समारोह में 40 संस्थाओं ने रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को किया सम्मानित

संवाददाता

रांची। नई दिशा के तत्वावधान और लालपुर व्यवसाय समिति के सौजन्य से एक होटल में सम्मान समारोह का आयोजन 30 जून को किया गया। सम्मान समारोह में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ का स्वागत एवं अभिनंदन 40 संस्था ओं ने किया। स्वागत भाषण लालपुर व्यवसाय समिति के अध्यक्ष निरंजन शर्मा ने दिया।

कार्यक्रम संयोजक मुकेश काबरा ने कहा रांची के सांसद को रक्षा राज्य मंत्री का विशिष्ट स्थान मिलना पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। सम्मान समारोह में रांची गौशाला न्यास समिति, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला

सम्मेलन, जेसीआई उड़ान, रांची गुजराती संघ, राउंड टेबल, कॉसमॉस क्लब, झारखंड थोक वस्त्र विक्रेता संघ, रांची जिला दुर्गा पूजा समिति, झारखंड टिंबर ट्रेडर्स एसोसिएशन, रांची कैटल फीड,लायंस क्लब, वसुधा कल्याण सहित 40 से भी अधिक सामाजिक, व्यवसायिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने संजय सेठ का पुष्प गुच्छ, प्रतीक चिन्ह एवं साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

सम्मान समारोह में हजारीबाग, धनबाद, झरिया, गुमला सहित कई जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सांसद संजय सेठ ने कहा कि ईश्वर जब तक जीवन दिया है, तब तक निःस्वार्थ भाव से समाज का कार्य करता रहूंगा। कल भी कार्यकर्ता था, आज भी हूं और कल भी कार्यकर्ता रूप में कार्य करता रहूंगा। मेरे आचरण एवं व्यवहार रहन-सहन में मंत्री पद कभी हावी नहीं होगा। कहा कि रांची की सभी रेल योजनाओं का कार्य एवं विस्तार शीघ्र पूरा कराया जाएगा।

कार्यक्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि सम्मान समारोह को सफल बनाने में नई दिशा के मुकेश काबरा, निरंजन शर्मा, अमित चौधरी, मनीष लोधा,श्रीराम शर्मा, मनोज कुमार, विष्णु प्रसाद, संजय सर्राफ, मनोज गुप्ता ने प्रमुख भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में संजीव विजयवर्गीय, चंद्रकांत रायपत, ऐश्वर्य सेठ, अशोक चौधरी, वासुदेव भल्ला, रतन जालान, शिव बिरला, अशोक पुरोहित, मनोज काबरा, मनोज कल्याणी, नरेश बंका, प्रमोद अग्रवाल, आनंद जालान, नीरज भट्ट, संजय जयसवाल, संजय पोद्दार, अविनाश कुमार, मनोज खेतान, शशांक भारद्वाज, नीरा बथवाल, मधु सर्राफ, रीना सुरेखा, नीरज चौधरी, मनीष साहू, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त

विभिन्न पंचायतों में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

हजारीबाग : जिले में सामाजिक कार्यों में एक अलग पहचान स्थापित करते नजर आ रही है सेवा सहयोग समिति, समिति के द्वारा निरंतर रूप से जनता जनार्दन की सेवा की जा रही है इसी सेवा के बीच सदर विधानसभा क्षेत्र के कटकमदाग के प्राथमिक मध्य विद्यालय, नवादा में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शिविर का उद्घाटन समिति के अध्यक्ष व युवा समाजसेवी हर्ष अजमेरा के द्वारा किया गया, इस अवसर पर पंचायत के मुखिया सहित कई जनप्रतिनिधि गण मौजूद रहे। शिविर के दौरान शिविर के दौरान बीपी, शुगर, पल्स एवं वजन का जांच निशुल्क किया गया वहीं मरीजों को निशुल्क दवाई उपलब्ध कराई गई। शिविर के दौरान शिविर में जिले के प्रसिद्ध जनरल फिजिशियन के द्वारा मरीजों का इलाज किया गया वहीं नेत्र रोग के विशेषज्ञ मरीज को बेहतर सलाह देते हुए उनके नेत्र की जांच किया।बता दे की कटकमदाग के विभिन्न पंचायत में पिछले 18 दिनों से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया था, सभी पंचायत से करीब 500 से भी अधिक मरीजों ने अपना जांच करवाया, इस बीच महिलाओं एवं बुजुर्गों ने जांच शिविर में बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाई, शिविर आरोग्यम अस्पताल के विशेष सहयोग से लगाया गया था।

बारिश से किसानों के चेहरे पर आयी खुशी

मेदिनीनगर : पलामू झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे पर रौनक लौट आई है। दो दिनों से हो रही बारिश ने अब रफ्तार पकड़ ली है। बारिश ने धान की बिचड़े तैयार करने के लिए व्याकुल किसानों को काफी राहत दी है। आसमान में उमड़ते काले बादलों से झमाझम हुई बारिश के बाद कई दिनों की तपिश और उमस भरी गर्मी से जहां लोगो को राहत मिली है वहीं धान के बिचड़े तैयार करने वाले किसानों के चेहरे पर भी मुस्कुराहट लौट आई है। किसानों को बारिश का साथ मिलने से धान की बिचड़े करने में तेजी आ गई है। वही धान की बिचड़े तैयार करने का लक्ष्य कृषि विभाग ने निर्धारित किया है। अब तक बीस प्रतिशत तक धान की बिचड़े तैयार हो गई है। अगर तीन-चार दिनों तक और मौसम का साथ किसानों को मिला, तो धान की बिचड़े तैयार करने का आंकड़ा तेजी से बढ़ेगा। किसानों ने बताया कि खेतों में पानी नहीं रहने के कारण धान के बिचड़े में तेजी नहीं आ रही थी। थोड़े बहुत किसानों ने मोटर पंप की सहायता से बिचड़े तैयार किए है।

सड़क दुर्घटना में दो लोग गम्भीर रूप से घायल

गुमला : घाघरा प्रखंड मुख्यालय के नेतरहाट रोड नगड़ी ढलान के समीप सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल है। ग्रामीणों के द्वारा घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए गुमला रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार टेंपो में सवार होकर चिरोडीह बिशुनपुर निवासी प्रभु मुंडा व करदेव खेरवार घाघरा से बिशुनपुर की ओर जा रहे थे इसी दौरान नगड़ी ढलान के समीप अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे टेंपो खेत में घुस गया जिससे यह घटना घटी। यहां बता दें कि टेंपो में सवार दोनों लोग नशे में धुत थे तीखा मोड में अनियंत्रित हुआ और यह घटना घटी। घटना के बाद थानेदार तरुण कुमार घटनास्थल पहुंच दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में कर थाना ले आए है।

वज्रपात से महिला घायल दो गाय की गयी जान

लातेहार : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अन्तर्गत सीरम पंचायत में शनिवार की देर रात वज्रपात की चपेट में आने से एक वृद्ध महिला घायल हो गई। महिला का नाम मासोमात पति स्वर्गीय निर्मल भगत है। वही दूसरी ओर सीरम बांडीदरा टोला के बीरेंद्र टाना भगत के 2 गाय भी वज्रपात की चपेट में आकर मारी गई। दोनों गाए गाभिन थी। इससे उन्हें हजारों की रुपए की क्षति हो गई।

बारिश की बूंदों से मिली गर्मी से राहत

संवाददाता

लातेहार : जिले में मानसून की दस्तक होते ही शनिवार की दोपहर से रविवार की दोपहर तक झमाझम बारिश जारी रही। इस दौरान मौसम ने अचानक करवट ली। तेज हवाओं एवं मेघ गर्जन के साथ जिला मुख्यालय समेत कई प्रखंडों में झमाझम बारिश हुई। मौसम बदलने और बारिश के आगमन से जिले वासियों ने राहत की सांस ली है। इस बारिश से जहां चिलचिलाती गर्मी से राहत मिली वहीं किसानों के चेहरे भी खिल उठे। इस वर्ष जून माह में लातेहार प्रखंड में 31.8 मिमी, चंदवा में 4.0 मिमी, बालूमाथ में 7.8 मिमी, हेरहंज मे 23.0 मिमी, बरवाडीह में 28.2 मिमी, गारु मे 47.0 मिमी, सरयू मे 6.0 मिमी, महुआडांड़ मे 25.8 मिमी बारिश हुई।इस वर्ष जून माह में बरियातू प्रखंड में सबसे सर्वाधिक बारिश हुई है, जो कि 49.0 मिमी है। जून मे औसतन 24.7 मिमी बारिश हुई। जबकि सामान्य वर्षापात 152.4 मिमी दर्ज किया गया था। मनिका में वर्षापात यंत्र खराब रहने के कारण इस महीने का रिकॉर्ड दर्ज नहीं किया जा सका है। इधर बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। रविवार को जिला मुख्यालय का तापमान गिरकर 25 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जबकि अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इधर जिले का किसान रामेश्वर उरांव, राम कुमार उरांव, महेश सिंह, पंकज यादव, आदि किसानो का कहना है कि पिछले 2 वर्षों मे जिले में अच्छी बारिश नहीं हो पाई है, परंतु इस बार उम्मीद लगाई जा रही है कि, इस बार बारिश अच्छी रहेगी। किसानो ने कहा कि मानसून आने के कारण हमलोग काफी खुश हैं। लगातार इसी तरह का बारिश हुई तो पैदावार अच्छा होगा। दो वर्षों बाद जून माह में इतनी अच्छी बारिश होना अच्छी खेती होने का संकेत बता रहा है। अच्छी बारिश होने के साथ ही किसान खेत की तैयारी में भी जुट गए हैं। किसान मक्का, अरहर, बादाम, उरद, बराई समेत अन्य खरीफ फसलों की बुआई के लिए खेत तैयार करने में जुट गये हैं। किसानों का मानना है कि अगर इसी तरह मानसून ने साथ दिया तो बेहतर खेती होगी। किसान धान की बिगड़ा को भी तैयार करने में भी लगे हुए है।

सशक्तीकरण शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना

संवाददाता

मेदिनीनगर : झालसा के निदेशानुसार डालसा पलामू के द्वारा रविवार को सदर प्रखंड के सभागार में विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वितीय अखिलेश कुमार व अन्य न्यायिक पाधिकारियों ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का किया। इस मौके पर जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वितीय अखिलेश कुमार ने कहा कि सशक्तिकरण शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगो का जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है । उन्होंने कहा कि स्वरोजगार से अपना ही नहीं बल्कि अन्य लोगों का जीवन स्तर में सुधार हो सकता है। इसी उद्देश्य से अवकाश के दिन में भी सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमलोगों का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा लोगों तक विधिक जानकारी पहुंचाने की है। उन्होंने कहा की जानकारी के अभाव में ही हम अपने अधिकार से वंचित होते हैं। अन्याय के विरुद्ध हमें आवाज उठाना होगा। उन्होंने कहा कि प्राधिकार के द्वारा न सिर्फ लोगों को विधिक रूप से सशक्त किया जा रहा है बल्कि सरकारी योजनाओं की जानकारी गांव गांव तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएलभी दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को विधिक रूप से सशक्त कर रहे हैं। और उनकी सहायता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार व राज्य सरकार की योजनाएं सुदूरवर्ती इलाके तक पहुंचे इसके लिए अब डालसा भी सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि बालिका स्वालंबन के तहत व बालिका समृद्धि योजना के तहत भी बालिकाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं के लिए बहुत सारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिससे महिलाएं आत्म निर्भर हो रही है। उन्होंने कहा कि भारत कल्याणकारी राज्य है। झारखंड में खनिज संपदा काफी है फिर भी गरीबी रेखा से निचे रहने वाले लोग ज्यादा हैं। हमें समाज के कमजोर वर्ग के लिए भी कुछ करना होगा। जब तक समाज की अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सही तरीके से नहीं मिल पाएगा। तब तक सशक्तिकरण शिविर का उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता । इस मौके पर मनरेगा से जॉब कार्ड, जेएसएलपीएस से महिला समूह को स्वीकृत ऋण ,शिक्षा विभाग से छात्रों को पुस्तक, साइकिल, बाल विकास परियोजना से गोद भराई हल, मुह जुठी ,कृषि विभाग से केसीसी ऋण व मूंगफली का बीज का वितरण किया गया,अबुआ आवास योजना, बृद्धावस्था पेंशन, का लाभ, बतक के चूजा का बितरण आदि से लोगों को लाभान्वित किया गया। इस मौके पर जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पंचम श्वेता ढींगरा, अष्ठम आयशा खान, संजय सिंह यादव,सिविल जज सीनियर डिवीजन, सी जे एम आनंद सिंह, ए सी जे एम संदीप निशित बारा, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव, एस डी जे एम कमल प्रकाश, सिविल जज सीनियर डिविजन परमानंद उपाध्याय, निशिकांत, शिखा अग्रवाल, रीतू कुजूर,मजिस्ट्रेट रोजलिना बारा, समीरा खान, रश्मि चंदेल, लीगल एड डिफेन्स काउंसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह ,डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, असिस्टेंट उत्तम कुमार, वीर विक्रम वक्स राय, पुष्कर राज, सदर बीडीओ, अभिषेक पांडेय, सी ओ अमरदीप बल्होत्रा, संजीव सिंह सुनील कुमार, नितेश कुमार रवि, समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

सांसद ने पौधरोपण कर दिया संदेश

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद सह हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) के अध्यक्ष मनीष जायसवाल लोकसभा सत्र के दो दिवसीय अवकाश के दौरान दिल्ली से सीधे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र पंहुचे जहां शनिवार की शाम से लेकर रविवार की शाम तक अपने सांसद सेवा कार्यालय में लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए और जरूरतमंदों को हरसंभव सहयोग पंहुचा। इसी रविवार की सुबह उन्होंने स्व. संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर जायजा लिया। सांसद मनीष जायसवाल ने यहां चल रहें कार्य यथा ग्राउंड में मिट्टी भराई, ग्राउंड का विस्तारीकरण कार्य, पवेलियन में ग्रील लगाने का कार्य, पेयजल की उचित उपलब्धता और व्यवस्था से संबंधित कार्य का निरीक्षण कर बारीकी से जानकारी प्राप्त किया।

352 परीक्षार्थियों ने दी मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा, 248 अनुपस्थित

संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार एवं झारखंड अधिविद्य परिषद रांची के द्वारा रविवार को संचालित मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना परीक्षा शहर के बालिका उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो गई। बता दें कि इसे लेकर शहर के बालिका उच्च विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया था। इस संबंध में केंद्र अधीक्षक प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि कुल 600 परीक्षार्थियों में 352 परीक्षार्थी ही शामिल हो सके। जबकि खराब मौसम और बारिश के कारण 248 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। बताया गया कि प्रखंड क्षेत्र के सियारभूंका, अररूआ कला, कन्या मवि हरिहरगंज, ढाब कला आदि स्कूलों में अध्ययनरत वर्ग आठ के छात्र छात्राओं ने बौद्धिक और शैक्षिक योग्यता परीक्षा में हिस्सा लिया। इस दौरान परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों ने खुशी का इजहार किया।

डॉक्टरी के पेशे में सेवा भावना सर्वोपरि : विनीता

संवाददाता

झुमरी तिलैया : मारवाड़ी युवा मंच की प्रेरणा शाखा के तत्वाधान में रमेश गोयल सेवा संस्थान एवं आनंद लोक अस्पताल के सहयोग से ब्लॉक रोड में चलती फिरती अस्पताल मोबाईल मेडिकल वैन के जरिये दस रुपए में ओपीडी, 20 रुपए में पैथोलॉजी, ईसीजी, एक्सरे, आंखों का जांच करीब 250 लोगों का किया गया। सुबह से ही जरूरतमंद मरीज एक कप चाय की कीमत के बराबर मेडिकल जांच कराई। इसमें सबसे अधिक नेत्र व दंत रोग से संबधित मरीज थे। एक जुलाई को डॉक्टर्स डे को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, मयुम का मानना है कि धरती के भगवान की बढ़ती चुनौतियों के बीच न हम थकेंगे न हम झुकेंगे जिंदगी देश के नाम करेंगे और सेवा भाव की ललक बिलकुल भी कम नहीं हुई है। इधर, कार्यक्रम का शुभारंभ मारवाड़ी युवा मंच की प्रांतीय मंडल 1 कि उपाध्यक्ष विनीता सिंघानिया, सहायक मंत्री श्रेया केडिया ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर विनीता सिंघानिया ने कहा कि डॉक्टरी के पेशे में सेवा भावना सर्वोपरि है। डॉक्टर धरती के भगवान के रूप में कार्य कर रहे हैं,मानव जीवन में जब भी संकट होता है। तो लोग डॉक्टर के पास ही पहुंचते हैं। इस अवसर पर सहायक मंत्री श्रेया केडिया ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में मयुम अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारम्भ

संवाददाता

गुमला : रविवार को झारखंड शिक्षा परियोजना गुमला द्वारा जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता आरंभ किया गया जिसका शुभारंभ उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलित कर किया गया। मौके पर उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की एवं उनका मनोबल बढ़ाया उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे ईमानदारी और लगन के साथ खेलने की बात कही , उन्होंने कहा कि यह मौका है अपने प्रतिभा को दिखाने का, जिला स्तरीय विजेता टीम 2 जुलाई को राज्य स्तर पर होने वाले प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उपायुक्त ने कहा कि हार एवं जीत खेल का हिस्सा है जो भी टीम जीत हासिल नहीं कर पाएगी वे अपने हार से सिख लेंगे एवं आगे और बेहतर करने के लिए मेहनत करेंगे। सभी खिलाड़ी अपने आप में बेहतर हैं। संत इग्नेसियस उच्च विद्यालय तथा संत पैट्रिक विद्यालय परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में जिला के सभी प्रखंड स्तर की अंडर 17 बालिका एवं बालक तथा अंडर 15 बालक वर्ग की टीम भाग ले रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी नूर आलम खां के नेतृत्व में शिक्षा विभाग के कर्मियों एवम साधनसेवियों द्वारा संचालित इस प्रतियोगिता का कल 01 जुलाई को पुरस्कार वितरण के साथ समापन किया जाएगा।

पर्यावरण के लिए शहरी जीवन शैली खतरनाक : संतोष झा

संवाददाता

गुमला : सेव योर लाइफ संस्था के सचिव संतोष झा ने कहा कि शहरी जीवन शैली पर्यावरण के लिए बहुत ही खतरनाक है। शहरी जीवन शैली के मुख्य घटक एयर कंडीशन एवं रेफ्रिजरेटर से उत्पन्न होने वाले ग्रीनहाउस प्रभाव पर्यावरण संतुलन के लिए बहुत ही घातक हैं। इससे निकलने वाले रेफ्रिजरेंट ओजोन परत को तोड़ता है इस बात का अंदाज इससे लगा सकते हैं कि 6 महीने यदि लगातार एक कार चलाया जाए तो उतना ही ग्रीनहाउस प्रभाव होगा जितना एक किलो रेफ्रिजरेंट उत्सर्जन से और 1 टन का एक ए सी 1 साल में लगभग 8.278 टन ग्रीन हाउस प्रभाव उत्सर्जित करता है इस आधार पर आप अनुमान लगा सकते हैं कि शहरी क्षेत्र में जिस गति से रेफ्रिजरेटर

और एयर कंडीशन का प्रयोग बढ़ता जा रहा है वह जलवायु परिवर्तन को किस हद तक प्रभावित कर रहा है अतः सरकार ग्रामीण जनता को जिस प्रकार वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करती है और उनके जमीन का अप्रत्यक्ष प्रयोग पर्यावरण संतुलन के लिए कर रही है बदले में उसे कोई पारितोषिक तो छोड़िए शाबाशी भी नहीं देती उसी प्रकार सरकार को चाहिए कि मतदान में नुकसान के भय से ऊपर उठकर एसी ,रेफ्रिजरेटर ,जल दोहन के लिए प्रयोग होने वाले मोटर आदि सरकारी अनुमति के बिना लगाने पर रोक लगाए वहीं दूसरी ओर वृक्षों की कटाई दुकानों में लकड़ी के जलावन पर पूर्ण प्रतिबंध आदि पर्यावरण संरक्षण कानून बनाए, और इसके उपयोग पर बिजली बिल के अतिरिक्त मोटर वाहन पर लगने वाले पॉल्यूशन टैक्स के जैसा रेफ्रिजरेंट टैक्स लगाएं। जब तक ऐसे प्रावधान नहीं लगाए जाएंगे तब तक जलवायु परिवर्तन की तीव्रता पर रोक नहीं लगाई जा सकती, क्योंकि आज लगने वाला पौधा को पेड़ बनने में कम से कम 10 वर्ष लगेंगे तब तक पर्यावरण के लिहाज से बहुत देर हो जाएगी। आमजन को भी चाहिए कि अपने छत के ऊपर लता वाले पौधे लगाएं।

हूल दिवस को संघर्ष दिवस के रूप में मनाये आम अवाम : रूचिर तिवारी

संवाददाता

मेदिनीनगर : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह डाल्टनगंज चैनपुर भंडरिया के भावी विधायक उम्मीदवार रूचिर कुमार तिवारी ने हूल दिवस के अवसर पर सिंदो - कांदो,फुलो -झारो के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण किया।मोके पर जिला सचिव श्री तिवारी ने कहा कि आज अमर शहीदो की जयंती है सिंदो -कांदो ने अपने चट्टानी ऐकता एवं हौसला के बदौलत अंग्रेजी हुकूमत के नींव को हिला कर रख दिया। इन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के साथ साथ जमींदारी प्रथा, सुदखोरी, महाजनी, एवं जल जंगल जमीन के बचाओ के नारा के साथ संघर्ष को तेज कर आन्दोलन कर लोगों को एकजुट कर उलगुलान किया और हजारों अंग्रेजों को मौत के घाट उजाड़ दिया। जिसके चलते अंग्रेजों ने सिंदो - कांदो सहित सभी भाई बहन को फांसी पर लटकाया। इससे पहले सिंदो -कांदो अमर रहे, इन्कलाब जिंदाबाद, शहीदों तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे जैसे नारा लगाया। आज की सरकार शहीदों के अरमानों को कुचलने का काम कर रही है। इसके बाद सभी साथियों ने शहीदों के प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित किया।

समाज के सुधार व उत्थान के लिए महिलाओं का आगे आना बेहद जरूरी : निशा

संवाददाता

हजारीबाग : जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन 'जीतो' लेडीज विंग हजारीबाग की ओर से शहर के विनायक होटल के सभागार में दो दिवसीय 6 और 7 जुलाई को उड़ान 2.0 लाइफस्टाइल एग्जिबिशन का आयोजन किया जायेगा। इसको लेकर जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन 'जीतो' लेडीज विंग ने दो दिवसीय ' उड़ान 2.0' लाइफस्टाइल एग्जिबिशन के आयोजन को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया। सर्वप्रथम णमोकार महामंत्र का जाप किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निशा जायसवाल का जीतो के सभी पदाधिकारियों के द्वारा स्वागत किया गया । जीतो की अध्यक्ष दीपिका जैन ने सर्वप्रथम भगवान महावीर को नमन करते हुए प्रेस व मीडिया एवं सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि पिछले साल ' उड़ान' के सफलतापूर्वक आयोजन के साथ इस बार भी उड़ान 2.0 का आयोजन किया जा रहा है । दो दिवसीय चलने वाले इस फैशन एग्जीबिशन में फैशन, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक्स, हैंड मेड आइटम्स, फैशन कपड़ों के 50 से अधिक स्टॉल लगाए जायेंगे। वहीं 10 स्टॉल्स खाने पीने की चीजों के लगाए जायेंगे। इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने एवं इसका लाभ उठाने की बात को कही। वहीं बताया कि स्टॉल को लगाने के लिए रांची, रामगढ़, कोडरमा

कोलकाता, हजारीबाग व अन्य स्थानों से लोग आ रहे हैं। मुख्य अतिथि निशा जायसवाल ने जीतो के सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कही कि जीतो लेडीज विंग बहुत ही अच्छा कार्य कर रही हैं। मैं जब से जीतो को जानी और इनके कार्यों को समझी तब से मुझे काफी खुशी महसूस हुई की महिलाएं समाज में कई अच्छे अच्छे कार्यों में अपनी सहभागिता निभा कर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हो रही हैं । हमारा समाज भी महिलाओं से ही पूर्णत जुड़ा हुआ है जहां महिलाएं अच्छा करती है वहां समाज खुद ब खुद अच्छा हो जाता है । अगर समाज में कुछ अच्छा करना है तो सुधार करना है तो महिलाओं को आगे आना होगा ।वहीं जीतो परिवार को बधाई और शुभकामनाएं दी । वहीं उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन करते कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए जीतो की सचिव अंतिमा जैन ने बताया कि इस आयोजन में एक से एक 50 से अधिक स्टॉल लगाए जायेंगे । सभी स्टॉल देखने लायक होंगे, जहां पारंपरिक परिधानों, फैशन, ज्वेलरी, राखी, क्रॉकरी, बच्चों के कपड़े, कुर्ती, लहंगा, फूड स्टॉल इत्यादि का प्रदर्शन बहुत ही शानदार जानदार किया जायेगा। स्वास्थ्य संबंधित भी कई स्टॉल लगाए जायेंगे। हजारीबाग में इस तरह का आयोजन दूसरा बार होना है और इसमें जीतो लेडीस विंग की सभी मेंबर कार्यक्रम में चार चांद लगाएंगे। हजारीबाग के सभी वर्ग के लोग इस एग्जीबिशन को देखने के लिए आएं ,जीतो परिवार की ओर से सभी का स्वागत है । इसमें हजारीबाग के काफी सारे गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी। वहीं मंच संचालन शिल्पी जैन छावड़ा के द्वारा किया गया । मौके पर जीतो के सदस्यों जिसमे चेयरपर्सन दिपिका जैन, सचिव अंतिमा जैन, कोषाध्यक्ष रजनी जैन, कन्वीनर रुचि अरुण जैन, कोकन्वीनर प्रीति लिप्का जैन, प्रोजेक्ट हेड शिल्पी जैन, पायल सेठी, संगीता छाबड़ा, प्रियंका जैन एवं सभी जीतो मेंबर का योगदान पोस्टर लॉन्चिंग कार्यक्रम को सफल बनाने में रहा। इस प्रेस वार्ता कार्यक्रम के आयोजन में जीतो विंग हजारीबाग के मीडिया प्रभारी विजय जैन लुहाडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त

कार ने युवक को रौंदा, इलाज के दौरान मौत

बोकारो । रांची-बोकारो मुख्य मार्ग (एनएच 23) पर लुकैया स्थित पेट्रोल पंप के समीप सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात की है। जानकारी के अनुसार चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम पोपलो के खोदनाटांड़ निवासी गुरुचरण महतो का पुत्र अनिल कुमार महतो (33) जैनामोड़ से काम कर लुकैया स्थित अपने ससुराल जा रहा था। इसी क्रम में लुकैया के पास सवारी गाड़ी से उतरा और जैसे ही सड़क पार करने लगा। इसी दौरान रांची से बोकारो की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे अनिल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके माथे पर गंभीर चोट के निशान थे। घटना के बाद कार लेकर चालक फरार हो गया। घटना के बाद 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पेटरवार में भर्ती किया गया। जहां इलाज के दौरान अनिल की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पेटरवार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रविवार को अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट से पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया।

बंद आवास का ताला तोड़कर एक लाख की चोरी

बोकारो । जिले के चंद्रपुरा स्थित डीवीसी आवासीय कॉलोनी के पाइप साइड में देवी कुमारी, पति स्व.कुंदन सिंह के बंद आवास का ताला तोड़कर चोरी की घटना हुई है। गृहस्वामी के अनुसार 15 हजार नकदी समेत 1 लाख के जेवरात की चोरी होने की बात बताई जा रही है। गृहस्वामी देवी ने बताया कि 27 जून को पति का वार्षिक बरखी कर्म के बाद परिवार के लोग घर में ताला लगा कर अपने एक रिश्तेदार के घर बिहार चले गए थे।

शिक्षक संघ ने विश्वविजेता भारतीय टीम को दी बधाई

बोकारो। झारखंड प्लस 2 शिक्षक संघ, जिला इकाई बोकारो ने जिलास्तरीय ऑनलाइन बैठक का आयोजन कर विजेता भारतीय टीम को बधाई दी। बधाई बैठक की अध्यक्षता कर रहे संघ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार सिंह ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के टीम भावना की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने टीम की जीत को युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य एवं वैज्ञानिक सोच को बढ़ाने वाला कदम करार दिया। बैठक का संचालन करते हुए संघ के सचिव डॉ. अवनीश कुमार झा ने भारतीय टीम की अद्भुत खेल क्षमता की प्रशंसा की तथा सभी ग्यारह खिलाड़ियों के संपूर्ण प्रयास की सराहना की। बैठक में संघ के उपाध्यक्ष डॉ. शशिकांत पाण्डेय, संयुक्त सचिव डॉ.शक्ति पद महतो एवं राजेश कुमार विश्वकर्मा, जिला संगठन के प्रवक्ता - सह - मीडिया प्रभारी गौरव कुमार दुबे, जिला संघ के सदस्य वाणिज्य के पीजीटी शिक्षक जय प्रकाश रजक, प्रांतीय गुणात्मक शिक्षा समिति सदस्य धनंजय कुमार, मुकेश कुमार गुप्ता एवं शक्ति सिंह ने भी अपने विचार रखे।

बरुआघाट डैम में नहाने गये चार युवक डूबे, ग्रामीणों ने बचाई जान

संवाददाता

बोकारो । बोकारो के दामोदर नदी में रविवार सुबह बरुआघाट (दामोदर नदी) में अचानक जलस्तर बढ़ने से नहाने के दौरान चार युवक बह गए। चारों मझधार में फंसकर डूबने लगा। युवकों को डूबता देख आसपास नहा रहे सैलानी मदद के लिए चिल्लाने लगे। इस बीच स्थानीय युवक राजेन्द्र हांसदा, अभिषेक सोरेन, सुजीत सोरेन ने नदी में छलांग लगाई। मझधार में फंसे चारों युवकों को किनारे लगाया।

इस घटना में तीन युवकों की स्थिति थोड़ी खराब हो गई थी। एक के सर पर नदी के पत्थर से चोट भी लगी थी। हालांकि, ग्रामीणों ने तीन युवकों के पेट में गया पानी को निकाला। दो को मुंह से सांस देकर सांसें डाली, घटना की सूचना पर हरला थाना पुलिस टीम पहुंची। दो युवकों की स्थिति को देखते हुए, एम्बुलेंस से सदर अस्पताल भेजा गया। जहां से सभी अपने-अपने घर लौट गए। बताया जाता है कि दो युवक चास के किसी हॉस्टल में रह कर पढ़ाई कर रहे है। जबकि दो अन्य चंद्रपुरा के दुग्दा थाना क्षेत्र के निवासी थी।

डैम का फाटक खुलने से बढ़ गया है जलस्तर

बोकारो जिला के हरला थाना क्षेत्र अंतर्गत पचौरा गांव स्थित बरुआघाट इन दिनों सैलानियों की सबसे फेवरेट जगह के रूप में उभरी है। गर्मी से राहत पाने के लिए भारी संख्या में सैलानियों की भीड़ इस घाट में नहाने के लिए उमड़ रही है। लेकिन मौसम ने मिजाज बदल दिया है। मानसून सर पे सवार है। ऐसे में अचानक नदी का जलस्तर बढ़ना कोई बढ़ी बात नहीं है। ऐसी हालत में बरुआघाट सहित नदी में नहाने वालों को सावधानी बरतने की जरूरत है। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि हर वर्ष इस तरह की घटना होती है। जब अचानक दामोदर नदी का जलस्तर बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि तेनुघाट डैम का फाटक खुलने से दामोदर नदी का जलस्तर बढ़ता है। ऐसे में जिला प्रशासन को इसपर पहल करना चाहिए।

बरुआघाट पर सुरक्षा को लेकर कोई पहल नहीं

गर्मी से राहत पाने के लिए जिस प्रकार इस साल बरुआघाट में बोकारो, धनबाद, गिरीडीह जिला सीमा क्षेत्र के लोगों की उमड़ पड़ी है। ऐसे में जिला प्रशासन मूक-बधिर बन बैठे रहा। जबकि बरुआघाट फॉल के समीप फिसलन भरी चट्टान है। पूरी नदी पत्थरों से भरी है। जिला प्रशासन को बरुआघाट का मुआयना कर, सुरक्षा व्यवस्था के लिए पचौरा के ग्रामीणों के साथ कमेटी बनानी चाहिए थी। पानी में डूबने, चोट लगने आदि स्थिति से निपटने के लिए विशेष व्यवस्था करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। अब जब मानसून का दौर है, को देखते हुए जिला प्रशासन समय पर नहीं जगी, तो कभी भी यहां कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

विस्थापितों व बेरोजगारों की समस्याओं के निदान के लिए कमेटी का हुआ गठन

संवाददाता

गोमिया (बोकारो) । गोमिया प्रखंड के होसिर यूथ सेंटर में रविवार को बोकारो जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी एवं समाजसेवी चितरंजन साव की अध्यक्षता में ओएनजीसी कंपनी द्वारा विस्थापितों एवं रैयतो की बैठक रखी गई, जिसमें सैकड़ो ग्रामीणों ने भाग लिया।

बैठक में प्रखंडस्तरीय एक कमेटी का निर्माण किया गया और ओएनजीसी द्वारा प्रभावित लोगों के लिए उचित मुआवजा एवं शिक्षित युवाओं को रोजगार से कैसे जोड़ा जाए इस पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में सीएसआर मद के तहत प्रभावित क्षेत्र का विकास करने की मांग की गई। समाजसेवी चितरंजन साव ने ओएनजीसी कंपनी को चेतावनी देते हुए कहा कि शिक्षित युवाओं को रोजगार एवं प्रभावितों को उचित मुआवजा नहीं देती है तो आने वाले समय में कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा।

बैठक में जिप अध्यक्षा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनका आवेदन लिया। उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में जो भी समस्याएं हैं, उनका तत्काल निवारण किया जाएगा। बोकारो डीसी के समक्ष रखकर उनकी समस्याओं के जल्द समाधान का भरोसा उन्होंने दिलाया। मौके पर मिथुन चंद्रवंशी, विद्यानंद प्रसाद, रंजीत कुमार, करण कुमार, समाजसेवी मोहम्मद असूल, रंजीत कुमार, करण रविदास, रविदास दुलार साव, शुभम प्रसाद, राहुल सिंह, राहुल सिंह, गोल्डी कुमार, सूर्यप्रकाश चौधरी, प्रकाश राम, राजेंद्र साहू, दुखलाल प्रजापति, गुलाबचंद्र प्रजापति तथा कई ग्रामीण उपस्थित है।

पांच साल से नहीं हुई मेनरोड के नाले की साफ-सफाई, बीमारी का खतरा

संवाददाता

बोकारो : तुपकाडीह बाजार के व्यवसायियों एवं ग्रामीणों ने मेनरोड के किनारे बने पक्के ड्रेन के सफाई की मांग जरीडीह ब्लॉक प्रशासन से की है। बाजार समिति के अध्यक्ष अशोक महतो ने बताया कि वर्ष 2019 के बाद ड्रेन की सफाई नहीं हुई है। दूर गांव से आने वाले खरीददार और सब्जी बिक्रेताओं के कारण ड्रेन गंदगी से भर गया है तथा दुर्गन्ध के कारण बाजारवासियों का दुकान में रहना मुश्किल हो रहा है। अख्तर हुसैन, उमेश महतो, सुनील वर्णवाल, अरविन्द महतो, भोला वर्णवाल आदि ने बताया कि जल्द ही ड्रेन साफ नहीं हुआ तो बरसात में दुकान चलाना मुश्किल हो जायेगा। इधर, खुटरी मुखिया लीलावती देवी ने कहा कि नाली के पुनः निर्माण और सफाई के लिए जल्द ही आम सभा कर बीडीओ से फंड मांगकर काम करने का प्रयास करेंगे।

जमीन-विवाद में हुई मारपीट, दो घायल

बोकारो। जिले के बेरमो थाना क्षेत्र अंतर्गत ढोरी बस्ती रेहवाघाट में जमीन विवाद को लेकर दो लोगों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें दोनों घायल हो गए। जानकारी पाकर बेरमो थाना पुलिस पहुंची और जानकारी ली। पहले पक्ष के रेहवाघाट निवासी द्वारिका महतो ने बताया कि उक्त जमीन का तेनुघाट व्यवहार न्यायालय द्वारा मालिकाना हक मिलने के बाद शनिवार को घोरना (घेराबंदी) दे रहे थे। इस दौरान राम अवतार गिरि नामक व्यक्ति ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ आकर जमीन को अपना बताते हुए मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया और स्थानीय अस्पताल में जाकर अपना इलाज कराया। वहीं दूसरे पक्ष के रामअवतार गिरि ने कहा कि जमीन का मामला न्यायालय में है।

साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी आयोजित

कवि बुद्धिनाथ झा ने मैथिली में रचित ऊं महाभारत का युद्ध प्रसंग सुनाया

संवाददाता

बोकारो। चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचनागोष्ठी शनिवार की शाम वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा के चीरा चास स्थित आवास अंजनी अपार्टमेंट में हुई। मैथिली में ऊं महाभारत महाकाव्य के रचयिता बुद्धिनाथ झा की अध्यक्षता व साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा के संचालन में आयोजित इस रचनागोष्ठी में अरुण पाठक, राजीव कंठ, शंभु झा, शैलजा झा, विश्वनाथ झा आदि ने मानवीय संवेदना, धर्म परायणता, रीति, व्यवहार, लोकाचार से संबंधित रचनाओं का पाठ कर सबको आकर्षित किया।

रचनागोष्ठी की शुरूआत ओंकार शंकर झा, हिमांशु शंकर झा व आराध्या द्वारा प्रस्तुत ईश वंदना से हुई। तत्पश्चात कवयित्री शैलजा झा ने मैथिली में 'कादो-माटि', 'स्त्रीधन', 'ठहक्काक गाछ', कवि राजीव कंठ ने 'सभ सं पैघ काज' व 'बाल्टी', शंभु झा ने साहित्यलोक की रचनागोष्ठी से संबंधित अपने अनुभव व 'नन्दुबबा', अमन कुमार झा ने कहानी 'मोलभाव' व 'कहबाक अछि जे', अरुण पाठक ने अपनी हिन्दी कविता 'पत्रकारिता' सुनाकर सबकी वाहवाही ली। अध्यक्षीय काव्य पाठ करते हुए बुद्धिनाथ झा ने अपनी रचना :ऊं महाभारत' महाकाव्य से युद्ध प्रसंग से अश्वथामा व द्रोणाचार्य से संबंधित काव्य पाठ सुनाकर सबकी प्रशंसा पायी।

कवि अरुण पाठक ने कहा कि यह बोकारो वासियों के लिए बहुत ही गौरव की बात है कि यहां बुद्धिनाथ झा जी जैसे महान साहित्यकार हैं, जिन्होंने मैथिली भाषा में तीन खंडों में 'ऊं महाभारत' महाकाव्य की रचना की है। यह महान ग्रंथ उन्हें सदैव विशिष्ट रचनाकार के रूप में स्थापित रखेगा।कवयित्री शैलजा झा ने कहा कि श्री बुद्धिनाथ झा बोकारो सहित संपूर्ण मिथिला वासियों के लिए गौरव हैं। अमन कुमार झा, राजीव कंठ व अधिवक्ता विश्वनाथ झा ने भी श्री बुद्धिनाथ झा को मिथिला की धरोहर बताया।

इस मॉनसून लोगों में पौधे बांटकर जागरूक करेगा संस्थान

- अधिकाधिक पौधरोपण व नई वाटिका के निर्माण का भी निर्णय

संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्थित पर्यावरण-मित्र आश्रम में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान की बैठक में रविवार को आयोजित की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से इस वर्ष मानसून में संस्थान के सदस्यों द्वारा ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण एवं आमजन को पौधों का वितरण कर उन्हें वृक्षारोपण करने हेतु प्रोत्साहित किए जाने का निर्णय लिया गया। संस्थान द्वारा माता शीलवंती स्मृति वाटिका का निर्माण किया जाएगा, जिसमें संस्थान के सभी सदस्यों सहित आमजन को भी अपनी मां की स्मृति में एक एक पौधा लगाने हेतु आग्रह किया जाएगा। मां की याद में पौधारोपण करने वालों को संस्थान द्वारा पौधा प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा मुकुल ने कहा कि वृक्षारोपण के प्रति आमजन में जागृति पैदा करने हेतु पर्यावरण-मित्र रथ द्वारा प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा जगह-जगह छोटी छोटी सभाओं के माध्यम से सबोंको यह समझाया जाएगा कि वृक्षों के बगैर हमारा अस्तित्व ही मिट जाएगा, क्योंकि ऑक्सीजन इन्हीं से मिलता है और बिना ऑक्सीजन हम पल दो पल भी जिंदा नहीं रह सकते हैं। साथ ही पेड़ ही वर्षा के भी कारक हैं। प्रदूषण, ताप और जहरीली गैसों से हमारी रक्षा तो करते ही हैं साथ ही फल, फूल और अनेकों औषधियां भी इनसे प्राप्त होती हैं। वृक्ष लगाना और उन्हें बचाना सबों का दायित्व है।

बैठक में संस्थान के महासचिव शशिभूषण ओझा 'मुकुल', सचिव अधिवक्ता रमण कुमार ठाकुर, सहसचिव अभय कुमार गोलू, सहसचिव विजय त्रिपाठी, दिनेश सिंह, शंकर यादव, सरोज तिवारी, रवींद्र राय, शत्रुघ्न सिंह, जितेंद्र कुमार, तपन पाढ्या, अनिल कुमार, अरुण उपाध्याय सहित कई पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे ।

आज चास रोटरी की नई टीम संभालेगी पदभार

बोकारो । रोटरी सत्र 24-25 के लिए रोटरी क्लब चास की नई टीम 1 जुलाई से पदभार ग्रहण कर लेगी। रोटरी क्लब चास के सत्र 24-25 के लिए बिनोद चोपड़ा, अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सचिव एवं धनेश बंका को कोषाध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा एवं सचिव मुकेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि रोटरी क्लब चास, समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक अपने सेवा कार्यों से पहुंच बनाएगी। बिनोद चोपड़ा ने कहा कि रोटरी क्लब चास बोकारो की अग्रणी सामाजिक संस्था है, इसके स्वरूप को और व्यापक किया जाएगा।

बीएसएल में 266 अधिकारी हुए प्रोन्नत

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में सहायक प्रबंधक, प्रबंधक, परामर्शदाता और वरीय प्रबंधक स्तर के कुल 266 अधिकारियों को प्रोन्नति दी गई है। सूत्रों के अनुसार ई-1 से ई-2, ई-4 से ई-5 स्तर के अधिकारियों को प्रमोशन मिला है। इनमें सहायक प्रबंधक को प्रबंधक, प्रबंधक को वरीय प्रबंधक, परामर्शदाता को वरीय परामर्शदाता, वरीय प्रबंधक को सहायक महाप्रबंधक तथा वरीय परामर्शदाता को मुख्य परामर्शदाता के रूप में प्रोन्नति मिला है। यह प्रोन्नति 30 जून 2024 से प्रभावी हो चुकी है। इस प्रोन्नति में बोकारो स्टील ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव अजय कुमार पांडेय वरीय प्रबंधक (वित्त एवं लेखा) से सहायक महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) के रूप में प्रोन्नत किए गए हैं। श्री पांडेय को अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी ने प्रोन्नति पत्र प्रदान किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनके साथ-साथ प्रोन्नति किए गए सभी अफसरों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पिछले 6 वर्षों में इस बार बोकारो में सबसे कम 66.8 मिमी हुई बारिश

डीके वत्स

बोकारो मौसम की बेरुखी इस साल सबसे ज्यादा देखी जा रही है। एक तरफ जहां पूरे मई-जून में गर्मी अपने परवान पर रही, वहीं मानसून भी अब दगा देने लगा है। इस साल झारखंड में 60 फीसदी कम बारिश हुई और बोकारो के लिए तो यह महीना एक प्रकार से सुखाड़ का ही रहा। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि पिछले छह वर्षों में यहां इस साल सबसे कम बारिश दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 के जून महीने में 93.1 तथा 2020 में 198 मिलीमीटर बारिश हुई थी। 2021 में विगत 6 वर्षों में बारिश की स्थिति सबसे बेहतर रही। उस साल जून महीने में जिले में कुल 294 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई थी। उसके बाद 2022 में फिर गिरावट आई जब बारिश का आंकड़ा 130.8 मिलीमीटर दर्ज किया गया। बीते वर्ष 2023 में भी स्थिति अच्छी नहीं रही। 88.2 मिलीमीटर बारिश हुई थी। जबकि इस साल 2024 के 1 जून से लेकर 30 जून तक की अवधि में मात्र 66.5 मिलीमीटर ही बारिश दर्ज की गई है।

जलवायु परिवर्तन ने बिगाड़ा मौसम का समीकरण

गर्मी ने भी इस साल तोड़ा पांच वर्षों का रिकॉर्ड

गौरतलब है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम ने इस बार ऐसी करवट ली है कि बारिश ही नहीं, गर्मी का तरीका भी बदल चुका है। पिछले पांच वर्षों में बोकारो जिले में इस साल मई-जून का महीना अब तक सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया। वर्ष 2020 से लेकर 2023 तक मई-जून महीने में अधिकतम तापमान 43.1 के ऊपर नहीं गया। लेकिन, इस साल जून में बोकारो का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से भी पार चला गया था।

जुलाई महीने में आएगी तेजी

अभिषेक आनंद ने बताया कि मानसून जून में देर से अब आने लगा है और 1 से 15 अक्टूबर तक रहता है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों के मॉनसून को पैटर्न को देखे तो सिर्फ दो साल मॉनसून ने 15 जून के आसपास झारखंड में प्रवेश किया है, जबकि बाकी आठ सालों में यह जून के आखिरी सप्ताह में प्रवेश किया है। झारखंड में आमतौर पर मॉनसून जुलाई के महीने में तेजी पकड़ता है। उन्होंने कहा कि इस बार भी मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक शुरुआत में मॉनसून कमजोर रहेगा। उसके बाद जुलाई से यह तेजी पकड़ेगा और अक्टूबर तक बारिश होगी।

क्लाइमेट चेंज ने बदल दिया मॉनसून का पैटर्न : अभिषेक आनंद

मौसम विज्ञान केन्द्र, रांची के निदेशक अभिषेक आनंद ने एक खास बातचीत में बताया कि दरअसल, मानसून इस बार मुख्यतः विलंब से आया है। इस बार बोकारो सहित पूरे झारखंड में बारिश कम होने तथा मानसून में देरी का कारण क्लाइमेट चेंज (जलवायु परिवर्तन) है। इसके कारण मानसून का पैटर्न बदल गया है। लगातार बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का ही दुष्परिणाम है कि मौसम का मिजाज लगातार बदलता जा रहा है और हम प्रकृति का कोपभाजन बन रहे हैं। ग्लोबल फैक्टर के साथ-साथ लोकल फैक्टर भी इसमें बढ़ोतरी का कारण बन रहे हैं।

किसान भी तरसे अच्छी बारिश को, बदलना होगा धनरोपनी का तरीका

झारखंड में इस बार कम बारिश के कारण किसान भी काफी चिंतित हैं। वे अच्छी बारिश को तरस गए हैं। धान की बुआई वे कैसे करें, समझ नहीं आ रहा। 30 जून से पहले धान की बुआई करने का समय ठीक माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ सालों से ऐसा होता नहीं दिख रहा। अभिषेक आनंद का कहना है कि जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा है, वे डीएसआर विधि से धान की बुआई कर सकते हैं, पर जिस तरीके से लगातार दो साल से मॉनसून की स्थिति रही है, इस बार किसानों के पास सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। किसानों को अब इसके मुताबिक धनरोपनी के पैटर्न में बदलाव करना होगा।

जानिए... इस महीने कब कितनी बारिश

2 जून-	13.2 मिमी
6 जून-	8.2 मिमी
7 जून-	2.0 मिमी
17 जून-	1.8 मिमी
19 जून-	0.6 मिमी
20 जून-	3.4 मिमी
21 जून-	1.0 मिमी
23 जून-	2.4 मिमी
26 जून-	2.2 मिमी
28 जून-	4.2 मिमी

वर्षवार बारिश का आंकड़ा

वर्ष	वषार्पात
2019 -	93.1 मिमी
2020-	198 मिमी
2021-	294 मिमी
2022-	130.8 मिमी
2024-	66.8 मिमी

सामान्य से 60 मिमी कम हुई वर्षा

मौसम विज्ञान केंद्र, रांची की ओर से जारी वेदर बुलेटिन के अनुसार बोकारो में जून का यह आंकड़ा सामान्य वषार्पात 166.6 मिलीमीटर से 60 मिलीमीटर कम रिकॉर्ड किया गया। बोकारो में इस बार जून महीने में 2 तारीख को 13.2 मिमी, 6 को 8.2 मिमी, 7 जून को 2 मिमी, 17 जून को 1.8 मिमी, 19 जून को 0.6 मिमी, 20 जून को 3.4 मिमी, 21 जून को 1.0 मिमी, 23 जून को 2.4 मिमी, 26 जून को 2.2 मिमी और 28 जून को 4.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। रविवार 30 जून की शाम गरज के साथ थोड़ी बहुत बारिश हुई, लेकिन वैसी राहत नहीं मिली, जिसकी उम्मीद थी। लिहाजा, उमस भरी गर्मी झेलने को लगातार विवश हैं। वैसे मौसम विभाग ने 1 से 7 जुलाई तक की अवधि में बोकारो सहित पूरे झारखंड में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना जताई है।

नीट पेपर से लेकर छतों तक लीक ही लीक

राकेश अचल

देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए।

हम जब बच्चे थे तब जिस लीक के बारे में जानते थे,वो आजकल के पेपर लीक और छत लीक से एकदम अलग थी । अंग्रेजी की लीक और हिंदी की लीक में जमीन -आसमान का अंतर होता है। अंग्रेजी की लीक को हमारे यहां हिंदी में ही नहीं बल्कि बुंदेलखंडी में भी टपकना या चूना कहते है ।हमारे यहां लीक का दूसरा अर्थ पगडण्डी भी होता है और एक अर्थ सिर में पड़ने वाले जुओं के बच्चे भी होते हैं। ये सफेद रंग के होते हैं। कहावत है कि-

लीक लीक कायर चले और लीक चले कपूत,
लीक छोड़ तीन ही चलें शायर, सिंह , सपूत।

आज दुर्भाग्य से कहिये या सौभाग्य से लीक यानि लीकेज एक राष्ट्रीय समस्या है । सड़क से लेकर संसद तक इस लीक की चर्चा हो रही है। लेकिन संसद में लीक पर चर्चा की इजाजत देने के बजाय बहस की मांग करने वाले विपक्ष के नेता का माइक तक बंद किया जाने लगा है। अर्थात अभिव्यति की स्वतंत्रता या अधिकार का गला घोंटा जा रहा है। गला घोंटना एक जुलाई से लागू होने वाली भारतीय न्याय संहिता के तहत तहत किस धारा में अपराध होता है ये अभी मुझे पता नहीं ,क्योंकि मैंने जो संहिता अपने पाठ्यक्रम में पढ़ी थी वो भारतीय दंड संहिता थी।

सबसे पहले अयोध्या में नव निर्मित राम मंदिर की छत से होने वाली लीकेज की बात की जाये । चूंकि हम अयोध्या से सैकड़ों किमी दूर बैठे हैं इसलिए हमें सच्चाई का पता नहीं है, लेकिन जो तस्वीरें वायरल हुई हैं उनकी बिना पर हम कह रहे हैं कि राम जी के मंदिर की छत लीक हो रही है । लेकिन मंदिर के ट्रस्टी कह रहे हैं कि -ये अफवाह है। अब हम तस्वीरों को सही मानें या ट्रस्टियों की बात को ये भी हमें पता नहीं है कि इन दोनों में से कौन सा साक्ष्य नए साक्ष्य संहिता की किस धारा के तहत आता है ?

वैसे अयोध्या में राम मंदिर के लीकेज से पहले यहां भाजपा की छत में भी लीकेज हुआ है और राम जी ने इसकी सजा भाजपा को यानी मंदिर निर्माण करने वाली राष्ट्रहितैषी पार्टी को चुनाव हारकर दे दी है। ये बात और है की भाजपा इस सजा को भी राम जी का प्रसाद और अनुकम्पा मानती है। ये भाजपा की और चम्पत राय की दरियादिली है। आजकल की अदावत की राजनीति में दरियादिली की सख्त जरूरत है। विपक्ष ने भी लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में मतदान न कराकर दरियादिली का मुजाहिरा किया ही है।

अयोध्या से यदि आप दिल्ली आएं तो यहां अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गाँधी हवाई अड्डे पर टर्मिनल -1 की छत लीक हो रही है और पार्किंग की छत तो टपक ही गयी। मेरा मानना है कि इसके लिए इंदिरा गाँधी ही जिम्मेदार निकलेंगी । यदि उनके नाम की वजाय ये हवाई अड्डा किसी भाजपा नेता के नाम पर होता तो शायद न छत लीक होती और न छत टपकती। वैसे पीने के पानी को लेकर हाय ! हाय !! कर रही पूरी दिल्ली ही इस समय लीक हो रही है । आम आदमी से लेकर खास आदमियों के घर में पानी घुस चुका है । सड़कें यमुना की सगी बहनों की तरह सड़कों पर बह रही है। किसी की क्या मजाल की कोई इस पानी को रोक सके । पानी को रोकने के लिए तो कोई स्विच भी नहीं होता अन्यथा सरकार ओम बिरला ने जिस तरह से राहुल गांधी की बोलती बंद कर दी ठीक उसी तरह पानी की बोलती भी बंद करा देती।

लीकेज और टपका-टपकी केवल दिल्ली का ही मसला नहीं है। हमारे मध्यप्रदेश में जहां डबल इंजिन की सरकार है वहां भी जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च एक कर के ऊपर आ गिरा। कार का कचूमर निकल गया ठीक उसी तरह जिस तरह देश की जनता का कचूमर पिछले एक दशक से निकल रहा है और जनता है कि मुस्कराये जा रही है ,फिर से पुरानी सरकार को सत्तारूढ़ देखकर। अब जबलपुर में हवाई अड्डे का पोर्च टपकने के लिए हमारे पहलवान मुख्यमंत्री डॉमोहन यादव को तो जिम्मेदार ठहराया नहीं जा सकता । इसके लिए तो पूर्व के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को ही दोषी माना जाना चाहिए ,लेकिन कर-चोर मौसेरे भाई होते है। कौन -किसे जिम्मेदार ठहराए इसको लेकर भी विवाद खड़ा हो सकता है।

अब आइये बिहार चलते हैं। यहां नालंदा विश्व विद्यालय को नव जीवन दिया गया है। यहां से ही नीट का पेपर लीक हुआ है जो हमारी मोशा सरकार के गले की हड्डी बन गया है। चूंकि बिहार सरकार की बैशाखी पर मोशा की सरकार टिकी है इसलिए नीट पेपर लीक को लेकर सरकार संसद में बहस करने से कन्नी काट रही है। कन्नी होती ही काटने के लिए है। बिहार में पेपर ही लीक नहीं होते बल्कि पूरे के पूरे पुल ही बह जाते है। अभी तक तीन-चार पुल तो बह चुके हैं। अब भाजपा और जेडीयू के बीच जो नया पुल बना है वो कितने दिन टिकेगा इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता। माननीय गारंटी महोदय भी नहीं। बिहार का और गारंटी का कोई रिश्ता नहीं है। बिहार न नीतीश कुमार की गारंटी दे सकता है और न तेजस्वी यादव की। चिराग पासवान हों या जीतन माझी। कोई भी गारंटी देने का खतरा मोल नहीं ले सकते। पता नहीं कब,किसे ,किसके साथ खड़ा होना पड़े? वैसे लीकेज सचमुच है ही विश्वव्यापी समस्य । आपको याद है न कि एक विकीलीक्स हुआ करती है ,जो दुनिया भर की सरकारों के बारे में न जाने क्या-क्या लीक करती रहती है। विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे हैं। वे अक्सर जेल आते-जाते रहते हैं। पिछले दिनों अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल से रिहा कर दिया। अमेरिकी न्याय विभाग के साथ हुई डील के बाद उन्हें लंदन की हाई सिक्योरिटी जेल से छोड़ दिया गया है। रिहाई के बाद असांजे अपने मूल देश ऑस्ट्रेलिया चले गए। लेकिन हमारे देश में किसी भी लिक्बाज को न पकड़ा जाता है और न सजा होती है ,क्योंकि हमारे यहां लीक करना एक कुटीर उद्योग है। ये यूपी,बिहार,मध्यप्रदेश,राजस्थान ही नहीं बल्कि दिल्ली तक में बाकायदा सरकारी संरक्षण में पनपता है ,भले ही सरकार कांग्रेस की हो या भाजपा की। लीकेज का धंधा बिना सरकारी सांरक्षण के चल ही नहीं पाता ,लेकिन इस हकीकत को हमारी संसद सुनना नहीं छति और सरकार स्वीकार करना नहीं चाहती।

मेरा तो मशवरा है कि न सिर्फ केंद्र में बल्कि राज्य में लीकेज की समस्या को देखते हुए एक पृथक मंत्रालय की स्थापना कर देना चाहिए। एक अलग मंत्री लीकेज के मामले को देखे । रोज-रोक सीबीआई कहाँ तक लीकेज के मामले दिखेगी ? सीबीआई के पास विपक्षियों की धर-पकड़ का इससे ज्यादा महत्वपूर्ण काम पहले से ही है। मै तो कहता हूँ कि उन्हें भी लीकेज के मामले में संसद पर बहस करने पर जोर नहीं देना चाहिए,उन्हें सड़कों पर उत्तर कर पीड़ितों के बीच खड़े होकर संसद के बाहर लीक काण्ड पर बहस करना चाहिए। संसद भीतर की बहस से नहीं बल्कि बाहर होने वाली बहस से हिलती है। भीतर तो उनका माइक सरकार बंद करा सकती है किन्तु बाहर ऐसा करना सरकार के लिए भी मुमकिन नहीं है।

आपकी हो या न हो किन्तु मेरी स्पष्ट धारणा है कि देश की संसद हो या सरकार ,पुल हो या हवाई अड्डा,परीक्षा हो या चुनाव सबके सब लीक प्रूफ होना चाहिए। लीकेज को राष्ट्रीय उद्योग न बनाकर राष्ट्रीय अपराध बनाया जाना चाहिए। वैसे केंद्र और राज्य सरकारों ने ऐसे कानून एहतियात के तौर पर बनाये हैं ,सरकार चाहे तो इन लीकबाजों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता,भारतीय साक्ष्य संहिता में भी तरमीम कर सकती है और इसके आरोपियों के खिलाफ बुलडोजरों का इस्तेमाल भी कर सकती है ,लेकिन मुझे पता है कि ऐसा करने के लिए चार सौ पार वाली सरकार चाहिए। 240 पार वाली सरकार ये सब नहीं कर सकती। बहरहाल हम देश के नौजवानों के लिए प्रार्थना ही कर सकते हैं कि उनकी परीक्षाओं के पेपर लीक न हों। हम देश के हवाई अड्डों ,पुलों, मंदिरों और नई नवेली संसद के लिए भी प्रार्थना ही कर सकते हैं कि वे न लीक हों और न टपकें और न बहें। हम नहीं जानते कि प्रार्थनाओं में कितना दम होता है ,लेकिन हमें इसके अलावा कुछ और आता ही कहाँ है ?

संपादकीय

राष्ट्रपति के अभिभाषण का सार

भारत के संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण की परंपरा वर्षों पुरानी है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, लोक सभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद, पहले सत्र में सदस्यों के शपथ ग्रहण करने और सदन का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करता है। यह अभिभाषण सरकार का नीति वक्तव्य होता है। इसमें सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख रहता है, इसलिए सरकार के द्वारा ही इसके मसौदे को तैयार किया जाता है। परंपरा तो यह रही है कि इस सबसे गरिमापूर्ण औपचारिक कार्यवाही के दौरान विपक्ष शांतिपूर्ण ढंग से इसे सुनता है। अभिभाषण के बाद जब सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है तो विपक्षी सांसदों को अपनी आपत्तियों और असहमतियों को दर्ज कराने का अवसर मिलता है लेकिन देखा जा रहा है कि कुछ वर्षों से राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों के सांसद सदन में शोरगुल करते हैं और हंगामा बरपाते हैं। अठारहवीं लोक सभा में जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के पिछले दस वर्षो के कामकाज और उपलब्धियों का जिक्र किया तो विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में शोरगुल मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति को निवेदन करना पड़ा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से उनके अभिभाषण को सुनें। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस समय के सबसे ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं को बहुत गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए कड़े उपाय कर रही है। जाहिर है कि पेपर लीक का मामला सीधे-सीधे देश के छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। निश्चित रूप से सरकार को ऐसे सख्त कदम उठाने चाहिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं।

कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है।

होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति।

आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

डेटा-संचालित प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की चुनौती

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सालाना 29 जून को सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रोफेसर पीसी महालनोबिस के अतुलनीय योगदान को ध्यान में रखकर उनके सम्मान में मनाया जाता है। ये विषय राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणालियों में आमजनों द्वारा विश्वास करने, सरकार व निजी क्षेत्र का आधिकारिक डेटा को सुरक्षित करने, नवाचार और सार्वजनिक डेटाबेस प्रबंधन के महत्व को दशार्ता है। प्रो. महालनोबिस को भारतीय सांख्यिकी का जनक माना गया है। पहला राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सन 2007 को मनाया गया था। पिछले वर्ष-2023 की थीम थी ह्यसतत विकास लक्ष्यों की निगरानी के लिए राज्य संकेतक ढांचे को राष्ट्रीय संकेतक ढांचे के साथ संरेखित करनाह्व। सरकारी स्तर पर सांख्यिकी दिवस समसामयिक राष्ट्रीय महत्व के विषय वस्तु पर मनाया जाता है।

राष्ट्रीय विकास में आधिकारिक सांख्यिकी के महत्व को उजागर करने के लिए ये दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। आज कई जगहों पर सेमिनार, चचाएं और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगे, जहां लोगों को सांख्यिकी के संबंध में जागरूक किया जाएगा। किसी भी प्रतिष्ठान या व्यावसायिक गतिविधियों की पारदर्शी कार्यशैली की नींव उसके सांख्यिकी या डाटा से पहचानी जाती है। नागरिक समाज, निजी क्षेत्र, परोपकारी निकायों, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय एजेंसियों, भू-स्थानिक समुदाय, मीडिया जैसे तमाम पेशेवर निकायों की विश्वसनीयता उनकी सांख्यिकीय पर निर्भर करती हैं। डिजिटल डेटा और प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं में खपलेबाजी आधुनिक समय की बड़ी समस्याओं में गिनी जाने लगी है।

इस दिवस के महत्व की जहां तक बात है, तो रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी के उपयोग को लोकप्रिय बनाना और देशवासियों को इस बाबत जागरूक करना की सांख्यिकी नीतियों को आकार देने और तैयार करने में कैसे मदद करती है। 29 जून को प्रोफेसर महालनोबिस की जयंती भी होती है जिनका सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में योगदान अमूल्य रहा है। महालनोबिस का जन्म 29 जून 1893 को कलकत्ता में एक धनी और शैक्षणिक रूप से उन्मुख बंगाली परिवार में हुआ था। उन्होंने भौतिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए लंदन चले गए थे। उन्होंने भौतिकी में अपना ट्रिपोस पूरा किया और मानव विज्ञान और मौसम विज्ञान में समस्याओं को हल करने में सांख्यिकी की प्रभावकारिता की खोज की थी। उनका निधन 28 जून 1972 को कलकत्ता में 78 वर्ष की आयु में हुआ था। सांख्यिकी दिवस पर सामाजिक-आर्थिक नियोजन में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में जन जागरुकता बढ़ाना, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच रिपोर्ट, कार्यक्रम, कार्यान्वयन, निगरानी आदि सभी का प्रबंधन सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन की प्रस्तुति देना भी होता है।

सांख्यिकी दिवस-2024 की थीम है ह्यनिर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोगह्व। केंद्रीय बजट में सांख्यिकी की सबसे बड़ी भूमिका होती है। बजट निमार्ण में केंद्र सरकार तमाम प्रख्यात सांख्यिकीविदों को इसलिए शामिल करती हैं ताकि उनके अनुभव से डेटा एक विश्वसनीय प्रारूप तैयार किया जाए। जिसे वित्त मंत्री द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है। सांख्यिकी शब्द का दो प्रकार से प्रयोग होता है। बहुवचन के स्वरूप में यह परिमाणात्मक जानकारी या आंकड़ों को व्यक्त करता है। वहीं, एकवचन के स्वरूप में ये शब्द सांख्यिकीय विधियों का दूसरा नाम है। यहां इसका अर्थ आंकड़ों के संकलन, संगठन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण और निर्वचन का शास्त्र या विज्ञान भी होता है। भारत में सांख्यिकी के वर्तमान अध्यक्ष प्रो. राजीव लक्ष्मण करंदीकर हैं, जिन्हें 30 नवंबर 2022 को तीन साल की अवधि के लिए केंद्र सरकार ने आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

सांख्यिकी दिवस मनाने से सांख्यिकीविदों, सरकारी संगठनों, नीति निमार्ताओं और अन्य एजेंसियों को वर्तमान डेटा-संचालित दुनिया में उच्च गुणवत्ता वाले डेटा और सांख्यिकी के मूल्यों को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है। सांख्यिकी स्वास्थ्य सेवा, अर्थशास्त्र, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में एक शानदार भूमिका निभाती है। यह न केवल दुनिया की जटिलताओं को समझने में मदद करती है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी नीतियों के विकास में भी मदद करती है। सांख्यिकी साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

- डॉ. रमेश ठाकुर(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्दा : संसद में बेमतलब के नारे

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवतः जान बूझकर गलत दशार्या गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अखेका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए हाल में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए।

सबसे पहले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रास्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थित इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार करके पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है।

इसी प्रकार, भारत में हाल में संपन्न हुए लोक सभा चुनाव पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है आदि, परंतु भारतीय मतदाताओं ने चुनाव में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ संपन्न हो गए। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है, जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है।

दरअसल, पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोर कसर नहीं छोड़ती हैं। कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, इथियोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है अर्थात सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था जबकि पूरा विश्व जानता है कि श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है। फिर किस प्रकार ऐसे सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में ऐसे सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। सवाल पैदा होता है कि अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा।

यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था 'स्टैंडर्ड एंड पूअर' ने हाल में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकलन करते हुए भारत के संबंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक करते हुए कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास संबंधी विभिन्न पैमानों आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं राजकोषीय घाटे को कम करने से संबंधित आंकड़ों एवं प्रयासों का गंभीरता से लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रही है। वैश्विक पटल पर पश्चिमी देशों की विभिन्न संस्थानों द्वारा भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव रखने के चलते समय आ गया है कि भारत विभिन्न पैमानों पर अपनी रेटिंग तय करने के लिए अपने सूचकांक विकसित करने पर विचार करे क्योंकि वैश्विक स्तर पर पश्चिमी देशों द्वारा जितने भी सूचकांक तैयार किए जा रहे हैं, उनमें भारत के संदर्भ में वस्तुस्थिति का सही वर्णन नहीं किया जा रहा है।

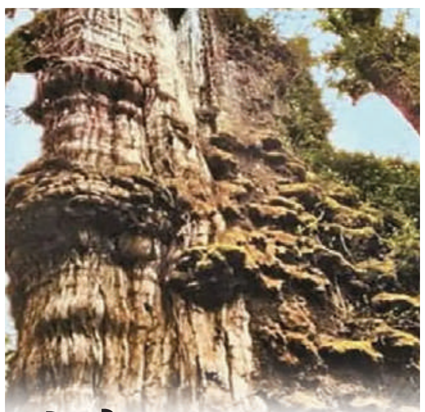

ये है धरती का सबसे पुराना पेड़

महाभारत से पहले का है इसका इतिहास

इस दुनिया में एक नहीं बल्कि कई सारी गजब की जगह और चीज मौजूद है जो लोगों को हैरान कर देती है। पेड़ हम इंसानों के लिए कितने जरूरी हैं यह बात तो सभी जानते हैं। अगर इस धरती पर पेड़ नहीं होंगे तो इंसान का जीना संभव नहीं है। जब भी पुराने पेड़ों की बात निकलती है तो अक्सर लोगों को बरगद का पेड़ याद आता है। लोग यही कहते हैं की बरगद के पेड़ सालों साल जीते हैं और यह सबसे पुराने होते हैं। लेकिन आज हम आपको इस दुनिया के सबसे पुराने पेड़ के बारे में बताते हैं जो हजारों साल पुराना है। दुनिया के इस सबसे पुराने पेड़ की बात करें तो यह चिली में पाया गया है, जो लगभग 5000 साल से ज्यादा पुराना है। साइप्रस ट्री के नाम से पहचाने जाने वाला यह पेड़ ग्रेट ग्रैंडफादर के नाम से प्रसिद्ध है। वैज्ञानिकों ने इसलिए नाम इसलिए दिया है क्योंकि यह धरती पर मौजूद सबसे पुराना पेड़ है।

कितने साल का है पेड़

इस पेड़ की उम्र की बात करें तो यह 5484 साल का है, लेकिन कुछ लोग बताते हैं कि यह 6000 साल से ज्यादा पुराना है। यह 13 फिट चौड़ा और 28 मीटर लंबा है। इस पर लगातार शोध चल रहा है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिरकार इसने जलवायु परिवर्तन के साथ खुद को किस तरह से अनुकूल रखा।

हासिल किए ये खिताब

ग्रेट ग्रैंडफादर पेड़ चिली के एलर्स कोस्टेरो नेशनल पार्क में मौजूद है। जिस कैलिफोर्निया के पाइन पेड़ को हराकर सबसे पुराना पेड़ होने का खिताब अपने नाम किया है। धरती के इस सबसे पुराने पेड़ में लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अक्सर लोग इसे देखने के लिए पहुंचते हैं।

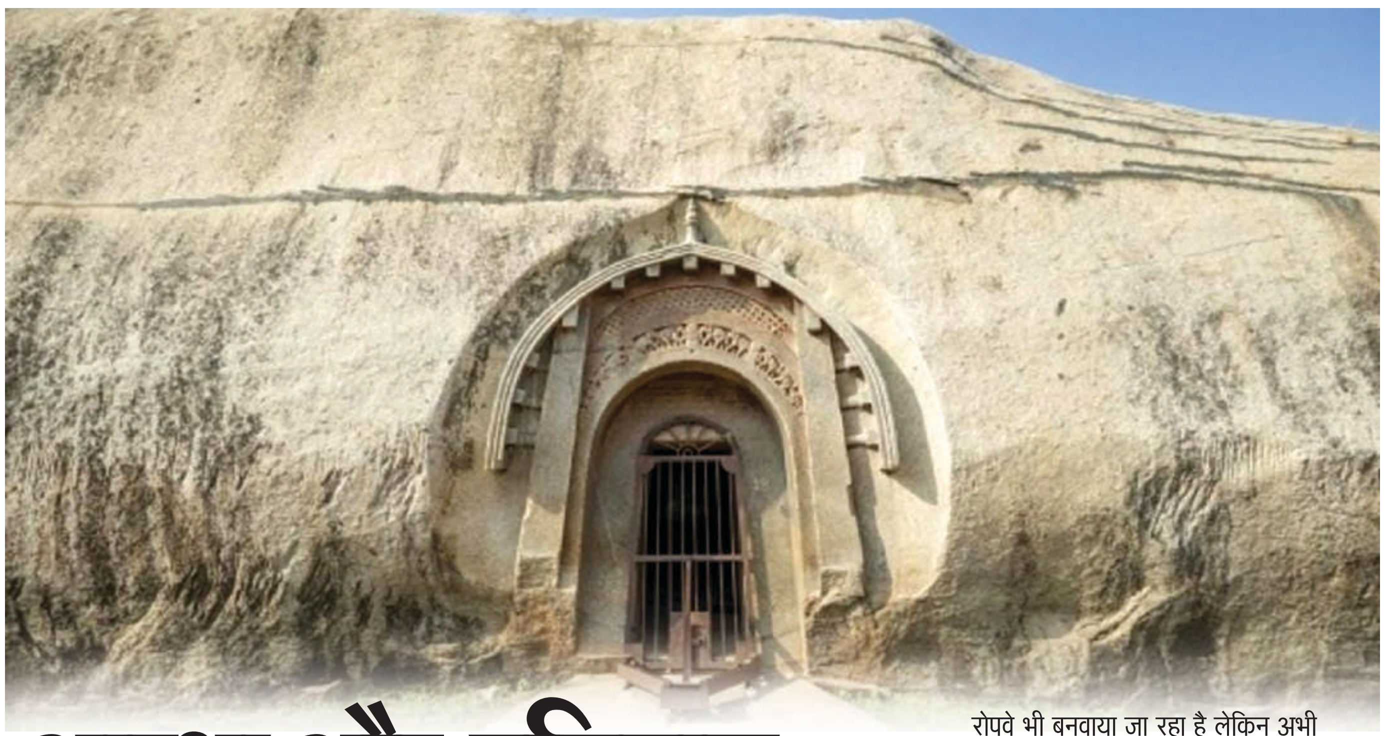

आस्था और इतिहास का खूबसूरत संगम हैं वाणावर की गुफाएं!

आप सभी जानते होंगे कि पहले आदिमानव के जमाने में गुफाएं उनके रहने का स्थान हुआ करती थी। वह समय ऐसा था जब गुफाएं उन लोगों के लिए एक सुरक्षित घर हुआ करती थी। इतना ही नहीं गुफाएं अलग-अलग मौसम से बचाने का काम करती थी। जंगली जानवर से लोगों की रक्षा किया करती थी। उन गुफाओं के बारे में जानना और वहां जाना अपने आप में बहुत खास है। आज हम एक ऐसी गुफाओं के बारे में बात कर रहे हैं, जो आस्था और इतिहास का एक खूबसूरत संगम है। वह गुफा है वाणावर की गुफाएं।

वाणावर की गुफाएं भारत के बिहार राज्य के जहानाबाद जिले में स्थित है। वाणावर की पहाड़ियों पर स्थित यह गुफाएं भारत के प्राचीन इतिहास और संस्कृति का जीवंत प्रमाण है। यह गुफाएं तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थी और अजीब संप्रदाय के बौद्ध भिक्षुओं के लिए आश्रय स्थल थी।

गुफाओं के पास है सिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर

वाणावर की गुफाओं में एक शिव मंदिर भी स्थित है। जिसे सिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर सातवीं शताब्दी में गुप्त काल के दौरान बनाया गया था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यह बिहार के सबसे प्राचीन शिव मंदिरों में से एक माना जाता है। यह वाणावर ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। सावन के महीने में इस मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। वैसे तो प्रत्येक दिन लोग यहां जल चढ़ाने आते हैं। लेकिन सावन के महीने में यहां का वातावरण ही कुछ और होता है।

वाणावर गुफाओं की विशेषताएं

- वाणावर की गुफाएं एक पहाड़ी पर स्थित है। इन गुफाओं में कुल सात गुफाएं हैं। इनमें से चार गुफाएं वाणावर पहाड़ियों पर और तीन गुफाएं नागार्जुन पहाड़ियों पर स्थित है।
- इन गुफाओं की दीवारों पर बौद्ध धर्म से संबंधित कई महत्वपूर्ण शिल्प और मूर्तियां हैं। इनमें से कुछ शिल्प और मूर्तियां इतनी सुंदर है कि वह आज भी लोगों को मंत्रमुग्ध करती है।
- इन गुफाओं में बुद्ध, बुद्धिसत्व और अन्य बौद्ध देवताओं की मूर्तियां है इनके अलावा इन गुफाओं में कई अन्य शिल्प भी है जिनमें पशुओं, पक्षियों और फूलों की मूर्तियां आदि शामिल है।
- दिन पर दिन इन गुफाओं को और भी ज्यादा सुंदर और सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी स्तर पर काम चल रहा है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए एक पुलिस स्टेशन भी बनाया गया है।
- यहां हर साल वाणावर महोत्सव का भी आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में लोग बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लेते हैं। पहाड़ों पर चढ़ने में लोगों को आसानी हो इसके लिए रोपवे भी बनवाया जा रहा है लेकिन अभी इसमें काफी समय लग रहा है।

वाणावर की गुफाओं का महत्व

वाणावर की पहाड़ियों पर कुल सात गुफाएं है जिसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। यह गुफाएं प्राचीन इतिहास और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रमाण है। गुफाओं में मौजूद शिल्प और मूर्तियों से हमें बौद्ध धर्म के इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी प्रदान होती है। यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। यहां हर साल हजारों लोग इन गुफाओं को देखने और उनकी प्राचीन संस्कृति और इतिहास को जानने के लिए दूर-दूर से आते हैं। इन गुफाओं को हजारों साल पहले पहाड़ों को सावधानी से काटकर बनाया गया था। इन गुफाओं की दीवारें बहुत चिकनी है। आपको बता दें, इन गुफाओं का निर्माण सम्राट अशोक के आदेश पर आजीवक संप्रदाय के बौद्ध भिक्षुओं के रहने के लिए करवाया गया था। गुफाओं के प्रवेश द्वार पर ही सम्राट अशोक के अभिलेख है। यह लेख ब्राह्मी लिपि में लिखे हुए हैं, जिसे गाइड पढ़कर विस्तार से बताते और समझाते हैं।

सम्राट अशोक ने बौद्ध भिक्षुओं के लिए बनाई थीं गुफाएं

वाणावर की पहाड़ियों पर कुल सात गुफाएं हैं, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इनमें चार वाणावर पहाड़ियों पर और तीन पास में ही नागार्जुन की पहाड़ियों पर हैं। पहाड़ों को सावधानी से काट कर हजारों साल पहले इंसान इस बेहद सुंदर गुफाओं को बनाया। इनमें से कई गुफाओं की दीवारों को देखकर आप दंग रह जाएंगे। इसकी चिकनाई आज के समय में लगाई जाने वाली टाइल्स से कम नहीं है। मौर्य काल की यह स्थापत्य कला पर्यटकों को आश्चर्य से भर देती है। इनका निर्माण सम्राट अशोक के आदेश पर आजीवक संप्रदाय के बौद्ध भिक्षुओं के रहने के लिए करवाया गया था। इसमें कर्ण चौपर, सुदामा और लोमस ऋषि गुफा अपनी स्थापत्य कला के लिए देश और दुनिया में प्रसिद्ध हैं। गुफाओं के प्रवेश द्वार पर ही सम्राट अशोक के अभिलेख हैं। ब्राह्मी लिपि के जानकार इसे पढ़ और समझ पाते हैं। गाइड इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

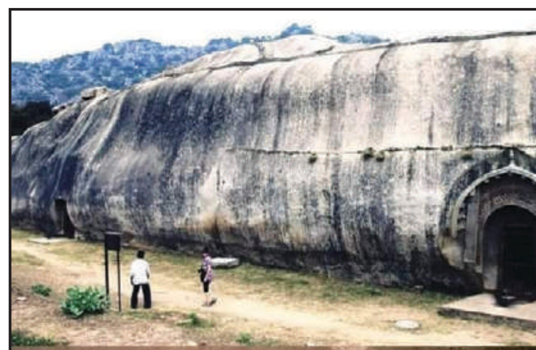

इन गुफाओं में है मौर्यो का खजाना, आज भी दबे हैं यहां कई रहस्य

बिहार की धरती काफी ऐतिहासिक रही है। इस धरती पर जहां कई शूरवीरों ने जन्म लिया और एक नई इबारत लिखी,वहीं प्राचीनता की बात करें तो बिहार में कई ऐसी धरोहर हैं, जो दुनिया भर में लोकप्रिय रही हैं। इन्हीं में से एक धरोहर है बराबर की गुफाएं। ये गुफा भारत की ऐसी सबसे पुरानी गुफा है जो चट्टानों को काटकर बनाई गई है। यही नहीं, इनमें मौर्य काल की वास्तुकला और शिलालेख आज भी मौजूद हैं।

कहां हैं ये गुफाएं...

- ये गुफाएं बिहार के जहानाबाद जिले में गया से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
- इन गुफाओं को 'सतघरवा' भी कहते हैं। इनमें से ज्यादातर का संबंध मौर्य काल (322-185 ईसा पूर्व) से है और कुछ में अशोक के शिलालेखों को देखा जा सकता है।
- ये गुफाएं बराबर (चार गुफाएं) और नागार्जुनी (तीन गुफाएं) की जुड़वां पहाड़ियों में स्थित हैं।
- अधिकतर गुफाएं दो कक्षों की बनी हैं जिन्हें पूरी तरह से ग्रेनाइट को तराशकर बनाया गया है।

कौन-कौन सी हैं गुफाएं...

बराबर पहाड़ी में हैं ये चार गुफाएं...

- लोमस ऋषि गुफा
- सुदामा गुफा
- करण चौपर
- विश्व जोपरी

नागार्जुन गुफा

- गोपी गुफा
- भायक गुफा
- वैदंतिका गुफा

अन्दर से कैसी हैं बराबर गुफाएं...

गुफाओं की एंट्रेंस वॉल और दरवाजों पर कई शिलालेख हैं, जो बताते हैं कि यहां कभी बौद्ध भिक्षु रहा करते थे। ये गुफाएं मगरमच्छ के समान नज़र आने वाली चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं। गुफाओं में बने कमरे के इंटीरियर में पॉलिश है, जो आज भी सुरक्षित है।

चट्टानों को काटकर बनाए गए कमरे

चट्टानों को काटकर बनाए गए ये कमरे अशोक (273 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व) और उनके पुत्र दशरथ के मौर्य काल, तीसरी सदी ईसा पूर्व से संबंधित हैं। यद्यपि वे स्वयं बौद्ध थे लेकिन एक धार्मिक सहिष्णुता की नीति के तहत उन्होंने विभिन्न जैन संप्रदायों की पनपने का अवसर दिया।

इन गुफाओं का उपयोग आजीविका संप्रदाय के संन्यासियों द्वारा किया गया था जिनकी स्थापना मक्खाली गोसाला द्वारा की गयी थी, वे बौद्ध धर्म के संस्थापक सिद्धार्थ गौतम और जैन धर्म के अंतिम एवं 24वें तीर्थंकर महावीर के समकालीन थे।

आर्किटेक्चर का बेहतरीन नमूना पेश करती है टियांजिन बिनहाई लाइब्रेरी

चीन में एक ऐसी लाइब्रेरी है, जिसे देखने के बाद आपकी निगाहें उसी पर टिकी रहेंगी। आर्किटेक्चर का बेहतरीन नमूना पेश करती इस लाइब्रेरी का नाम है 'टियांजिन बिनहाई लाइब्रेरी' जिसकी खूबसूरती देख आप यकीन नहीं कर पा रहे होंगे, कि ये एक लाइब्रेरी है। यहां कुछ लोग तो सिर्फ फोटो के लिए ही इस लाइब्रेरी का रूख करते हैं। बता दें, इस लाइब्रेरी को चीन के 'नेशनल डे' को आम जनता के लिए खोला गया है। 37, 000 स्क्वायर फीट तक फैली टियांजिन बिनहाइ लाइब्रेरी में हमेशा लोगों की भीड़ लगी रहती है। इस लाइब्रेरी की उंचाई करीब पांच मंजिल के बराबर बनी हुई है। यहां पर पढ़ने के लिए हर जॉनर करीब 12 लाख से भी ज्यादा किताबें मिल जाएगी। इस लाइब्रेरी में लगभग हर जॉनर में 12 लाख किताबें हैं। इस लाइब्रेरी को बिनहाई कल्चरल सेंटर में खोला गया है, जिसे डच कंपनी एमवीआरडीवी ने डिजाइन किया है। इस खूबसूरत चीन की लाइब्रेरी में एक बेहद ही यूनिक डिजाइन दिया गया है, जिसमें एक बड़ी आखं बनी हुई है, इस आंख के डिजाइन पर अंदर होने वाली चीजों और बाहर बने पार्क की परछाई पड़ती रहती है, जो इसकी खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देती है।

- इस लाइब्रेरी में तकरीबन हर जॉनर की 12 लाख किताबें हैं.
- शहर के बिनहाइ कल्चरल सेंटर में खुले इस लाइब्रेरी को डच कंपनी एमवीआरडीवी ने डिज़ाइन किया है.
- इस लाइब्रेरी में सर्विस स्पेस, बुक स्टोरेज, आर्काइव, कंप्यूटर रूम, ऑडियो रूम, ऑडिटोरियम, लाउंज, मीटिंग रूम, ऑफिस और रीडिंग स्पेस भी हैं.
- इन किताबों और लाइब्रेरी के बीच एक बहुत बड़ी आंख भी बनी हुई है. - इस आंख पर अंदर होने वाली चीज़ों और बाहर बने पार्क की परछाई पड़ती रहती है, जो इसकी खूबसूरती को चार चांद लगा देती है.
- इसे चीन के नेशनल डे पर आम जनता के लिए खोल दिया गया.

बिहार में 14 साल पुराने पुल का पिलर धंसा, आवागमन बाधित

पटना। बिहार में पिछले कई दिनों से पुल गिरने का सिलसिला जारी है। एक के बाद एक कर कई जिलों में कहीं पुल गिरने या कहीं पुल के पीलर के ध्वस्त होने का मामला आता रहा है। इसी कड़ी में तीन दिनों के मूसलाधार बारिश के बीच रविवार को किशनगंज जिले में भी एक पुल गिर गया। किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत खोसीडांगी में बूंद नदी पर बने 14 साल पुराने पुल का दो पिलर धंस गया। इसे लेकर पुल पर आवागमन को रोक दिया गया है। पुल पर बैरिकेटिंग भी लगा दी गयी है। भारी वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह से रोक लगायी गयी है। ठाकुरगंज की सीओ सुचिता कुमार ने कहा कि ग्रामीणों से पुल का पिलर धंसने की जानकारी मिली है। आरडब्लूडी के सहायक अभियंता आलोक भूषण ने कहा कि पुल पर आवागमन पर रोक लगा दी गयी है। बैरिकेटिंग लगाने की तैयारी की जा रही है। इस पुल का निर्माण 2009-10 में विशेष प्रमंड के तहत किया गया था। भारी वाहनों के आवागमन के कारण पुल क्षतिग्रस्त हो गयी है। 2010 में बने इस पुल पर भी खतरा मंडराने लगा है। लोग इस बात को लेकर डरे हुए हैं कि यदि पूरा पुल गिर गया तो भारी मुसीबत हो जाएगी। यह किशनगंज के ठाकुरगंज मुख्यालय से पश्चिम बंगाल को जोड़ता है। यह पुल लोगों के लिए बहुत मायने रखता है। इसे लेकर इलाके के लोग काफी परेशान हैं। इससे पहले अररिया, सीवान, मोतिहारी, किशनगंज और मधुबनी में पुल ढह गया था। वहीं हाजीपुर-मुजफ्फरपुर बाईपास के निर्माणाधीन पुल की रेलिंग में भी दरारें मिलने की बात सामने आई थी। मधौल में नवनिर्मित पुल की रेलिंग में आई दरारों के कारण पुल के गिरने का खतरा बन गया था।

नेपाल में भारी बारिश से बूढ़ी गंडक का बढ़ने लगा जलस्तर

टूटी बांध की मरम्मत नहीं होने से बढ़ी ग्रामीणों की बेचैनी

पूर्वी चंपारण। मॉनसून के दस्तक और जिले में बहने वाली नदियों के जलग्रहण क्षेत्र नेपाल में हो रही बारिश के कारण बूढ़ी गंडक और उसकी सहायक कई नेपाली नदियों के जलस्तर में खासा इजाफा दर्ज की जा रही है। जिस कारण नदी किनारे बसे गांवों के लोगो की बैचैनी बढ़ने लगी है।

इन गांवों के लोगों को संभावित बाढ़ का खतरा सताने लगा है। बूढ़ी गंडक नदी के किनारे के बसे सुगौली प्रखंड के निमुई,डुमरी टोला,लाल परसा,कैथवलिया और भवानीपुर सहित कई गांव के लोगों की धड़कने बढ़ने लगी हैं। इन गांवो की रक्षा के लिए बांध के टूटे कई वर्ष हो चुके है लेकिन बांध की मरम्मती नहीं होने से एक बार फिर सैकड़ों परिवार एनएच किनारे तम्बूओं में कटने की आसार दिख रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि रिंग बांध कई वर्ष पूर्व से क्षतिग्रस्त है लेकिन उदासीन सरकार व प्रशासनिक महकमा इस रिंग बांध की मरम्मत आज तक नहीं करा सकी है।

लोगों ने नाराजगी व्यक्त करते कहा मरम्मति नही होने के कारण गत पांच सालों में सैकड़ों फीट बांध ध्वस्त हो चुका है। अमीर खान टोला गोदाम वार्ड 12 के निवासी अब्दुल रहीम,मो वकील और निमुई गांव निवासी रविन्द्र राय बाढ़ से बचाव के नाम पर बड़े नाराज दिखे।

संक्षिप्त

राजद प्रत्याशी बीमा भारती पहुंचीं सांसद पप्पू यादव के पास, मांगा समर्थन

पूर्णिया। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव से आज अचानक रुपौली से चुनाव लड़ रही राजद की प्रत्याशी बीमा भारती की मुलाकात रविवार को अर्जुन भवन स्थित कार्यालय में हुई। बीमा भारती ने पप्पू यादव को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। बीमा भारती ने कहा कि हम लोगों का रिश्ता पारिवारिक रिश्ता है इसलिए, इनसे आशीर्वाद लेने आए हैं और हमें उम्मीद है कि हमें इनका आशीर्वाद अवश्य ही मिलेगा। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि हमारा बाप बेटी का रिश्ता है। आज रात्रि 8:00 बजे समर्थन से संबंधित सूचना सोशल मीडिया पर लाइव आकर साझा करूंगा। सूत्रों की मानें तो पप्पू यादव शायद बीमा भारती को अपना समर्थन दे सकते हैं।

नवादा की तिलैया नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत

नवादा। नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र के देवरा गांव के समीप रविवार को तिलैया नदी में डूबने से दो बच्चे की मौत हो गई और दो बच्चे बाल बाल बच गए, जिसमें एक ओम कुमार की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिसका इलाज सदर अस्पताल नवादा में चल रहा है। उज्ज्वल कुमार का इलाज गांव में किया गया और वह स्वस्थ बताया जा रहा है। दोनों मृतक बच्चे देवरा गांव के रहने वाले थे। मृतकों में शिवकुमार चौधरी के दस वर्षीय पुत्र सतीश कुमार और परवीन कुमार के बारह वर्षीय पुत्र प्रिंस राज है। बताया जाता है कि देवरा गांव के पांच बच्चे पास से गुजरी तिलैया नदी में स्नान करने गए थे। पहली वर्षा के बाद नदी में पानी का बहाव शुरू हुआ है। स्नान के दौरान ही चार बच्चे गहरे पानी में चले गए। एक बाहर रहे बच्चे ने अपने चार साथी बच्चों को डूबता देख शोर मचाया तभी आसपास रहे लोगों ने डूब रहे बच्चों को बचाने का प्रयास किया और दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया लेकिन दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई। सूचना के बाद घटना स्थल पर पहुची नरहट पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। घटना की जानकारी के साथ गांव में कोहराम मच गया। स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

विदेशी और देसी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नवादा। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा के निर्देश पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार ने रविवार को रजौली थाना क्षेत्र के फरका बुजुर्ग पंचायत के हाथोचक गांव से होंडा साइन बाइक पर लदे 85 लीटर महुआ शराब के साथ एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि शराब बिक्री की सूचना लगातार मिल रही थी।सूचना के आलोक में एक टीम का गठन कर छापेमारी अभियान चलाया गया।जिसमें मोहकामा गांव निवासी अर्जुन यादव के पुत्र नीतीश कुमार को महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।साथ ही एक बाइक को जब्त किया गया है।वहीं बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित समेकित जांच चौकी पर उत्पाद एसआई पिंटू कुमार ने रविवार को ही वाहन जांच के दौरान 6 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शराब तस्कर के पास से 750 एमएल का रॉयल स्टैग 6 बोतल शराब को बरामद किया गया है।गिरफ्तार शराब तस्कर की पहचाना नवादा जिला के शाहपुर थाना के निवासी जनार्दन प्रसाद के पुत्र श्रवण कुमार को गिरफ्तार किया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि विभिन्न बसों से शराब के नशे में सफर कर रहे 10 लोगों को ब्रेथ एनेलाइजार मशीन से जांच कर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।जांच के दौरान उत्पाद एसआइ सनी कुमार और एएसआई पंचमलाल धीरज,विशु हेंब्रम के साथ कई जवान मौजूद थे।

हत्या मामले में फरार चार अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के पीपराकोठी थाना क्षेत्र में हत्या व मध निषेध के मामले में पुलिस ने छापेमारी कर चार अपराधियों को गिरफ्तार किया, जिसमें हत्या में एक व मध निषेध मामले में तीन अपराधी शामिल हैं। गिरफ्तार अपराधियों में हत्या मामले में पीपराकोठी के बिरेंद्र महतो, शराब कांड में विश्वनाथ सहनी, अवधेश सहनी व धुरेंद्र सहनी का नाम शामिल है। उक्त गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक के निर्देश के आलोक में अनुमंडल पुलिस अधिकारी, सदर 2 के नेतृत्व में गहन छापामारी कर किया गया। बताया गया कि हत्या के मामला में वीरेन्द्र महतो वर्ष 21 से ही फरार था। वही वर्ष 22 के शराब कांड में फरार विश्वनाथ सहनी, अवधेश सहनी व वर्ष 23 से शराब कांड में धुरेंद्र सहनी फरार था, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। छापेमारी दल में डीएसपी सदर 2 जितेश कुमार पाण्डेय, पीपराकोठी थानाध्यक्ष खालिद अख्तर व सशस्त्र बल शामिल थे।

पूर्णिया में हुई दुस्साहसिक लूट का खुलासा, तीन अभियुक्त गिरफ्तार

पूर्णिया। स्थानीय पुलिस ने एक माह पूर्व हुई दिनदहाड़े लूट के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए तीन संदिग्ध अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह घटना 1 जून को हुई थी, जब एल एंड टी कंपनी के एक अधिकारी से 71,080 रुपये और एक मोबाइल फोन लूटा गया था। पीड़ित दीपक कुमार, जो एक एंड टी फाइनेंस के फाइनेंस ऑफिसर हैं। उन्होंने बताया कि वे 1 जून को सुबह लगभग 9 बजे रामपुर वार्ड नंबर 8 में एक ग्रुप मीटिंग के लिए अपनी मोटरसाइकिल से जा रहे थे। तभी तीन अज्ञात व्यक्तियों ने बिना नंबर प्लेट की अपाची मोटरसाइकिल से उन्हें रोका और देसी कट्टा दिखाकर उनके कनपट्टी पर सटाकर उनसे पैसे और मोबाइल छीन लिया। जानकीनगर थाना के पुलिस अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तकनीकी और मानवीय जांच के बाद उसी दिन पहले संदिग्ध, गोविंद कुमार (रामपुर तिलक वार्ड नंबर 10 निवासी) को गिरफ्तार किया। गोविंद के बयान के आधार पर 28 जून को दो अन्य संदिग्धों - लड्डू शर्मा (लादूगढ़ निवासी) और सोनू साह (मधुबन निवासी) - को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया हमारी टीम ने अथक प्रयास किया और डिजिटल साक्ष्यों का उपयोग करते हुए अपराधियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त की। सभी तीनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

व्यापारी संघ के अध्यक्ष ने कहा, यह घटना हमारे शहर में बढ़ती अपराध की घटनाओं पर ध्यान आकर्षित करती है। हम पुलिस से और अधिक गश्त बढ़ाने की मांग करते हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत स्थानीय थाने को दें। साथ ही, व्यापारियों और फाइनेंस कंपनियों के कर्मचारियों को सतर्क रहने और बड़ी रकम ले जाते समय सुरक्षा उपायों का पालन करने की सलाह दी गई है।

विक्षिप्त युवती ने ललमटिया थाना परिसर में किया हंगामा

भागलपुर। जिले के ललमटिया थाना के पुलिस पदाधिकारियों का पाला रविवार को एक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती से पड़ गया। उक्त युवती ने सिर्फ थाने में घुसकर सभी कागजातों को तितर बितर करते हुए थाने के तीन महिला और एक पुरुष पुलिसकर्मी सहित अपने चार स्वजनों को दांत काट कर लहूलुहान कर दिया। लगभग आधे घंटे तक थाना परिसर और सड़क पर हाई वोल्टेज ड्रामा होता रहा। फिर किसी तरह उक्त युवती को काबू कर उसके स्वजन घर ले गए। तब पुलिस कर्मियों ने राहत की सांस ली। ललमटिया थाने के प्रभारी थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के फांड़ी गली के रहने वाले मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती की छोटी बहन मीनू कुमारी ने थाने में मारपीट की शिकायत की थी। उसी आवेदन की जांच के लिए महिला पुलिस पदाधिकारी उसके घर पर गई थी। पुलिस जब घर पर पहुंची तो उसके पिता ने कहा थाने पर इसे ले जाकर थोड़ा समझा दीजिए। पुलिस पदाधिकारी उसे थाने लेते आए। साथ में उसके स्वजन भी आए थे।

सहरसा : भारी मात्रा में कोडिन युक्त कफ सिरफ बरामद, वाहन सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

सहरसा। पुलिस अधीक्षक हिमांशु के निर्देश पर जीरो टॉलरेंस के तहत नशा कारबारियों एवं अपराधियों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर धड़ पकड़ किया जा रहा है।उसी कड़ी में 160 लीटर कोडिन युक्त कफ सिरफ एवं कार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सदर थाना में रविवार को साइबर डीएसपी अजीत कुमार ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में बताया कि जिला आसूचना ईकाई के द्वारा सदर थाना को सूचना दी गई कि तिमुहनी चौक के पास एक चार चक्का ब्लू रंग का बिना नंबर प्लेट का कार में कुछ लोग भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडिन युक्त कफ सिरफ लेकर खड़ा है,जो अवैध कफ सिरफ किसी कारोबारी को पहुंचाने जा रहा है। प्राप्त सूचना के आधार पर सदर थाना की टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए त्रिमुहनी चौक के पास सड़क के किनारे एक चार चक्का ब्लू रंग की बलेनो कार खड़ी थी। जैसे ही खड़ी कार के पास पहुंचे तो पुलिस वाहन को देखकर उक्त वाहन में बैठा दोनों युवक कार को स्टॉट कर भागने लगे। जिसे घेर कर सशस्त्र बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। उक्त कार की तलाशी ली गई तो उसमे से भारी मात्रा में कोडिन युक्त कफ सिरफ बरामद किया गया। उक्त दोनों अभियुक्त को कुल 160 लीटर कोडिन युक्त कफ सिरफ एवं एक ब्लू रंग की बलेनो कार के साथ गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में सदर थाना कांड संख्या-650/24 बिहार मधनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम-2022 संशोधित दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि संजय कुमार पिता सीताराम यादव साकिन नया बाजार वार्ड नं0-12 एवं मो सदरूल पिता मो कबीर साकिन रूपनगरा वार्ड न0-46 को गिरफ्तार किया गया जिसके पास से अवैध कोडिन युक्त कफ सिरफ-160 लीटर एवं एक कार बरामद किया गया है।

बेसरबाटी मुखिया अनुपमा ठाकुर पर जानलेवा हमला

किशनगंज। जिले के ठाकुरगंज प्रखंड स्थित बेसरबाटी पंचायत की मुखिया अनुपम ठाकुर पर बीती देर रात जानलेवा हमला किया गया। वह जिंदगी और मौत से जूझ रही है। वह मुखिया के साथ किशनगंज जिला भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष भी है। घटना के बाद जिला भाजपा और समर्थकों में पूरा रोष है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप और राज्य के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने इस घटना की तीव्र निंदा की है। घटना में लिप्त सभी अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी के साथ उसे सख्त सजा दिलाने की मांग की गई है। बताया जाता है की मुखिया का पति विमलेश ठाकुर कटिहार में प्रधान शिक्षक की परीक्षा देने गए हुए है। परिवार के अभिभावक उमेश ठाकुर ने बताया की घायल मुखिया अभी कुछ भी बोल पाने की स्थिति में नहीं है। जब वह पूरी तरह होश में आएगी तभी पूरी घटना पर उनके द्वारा प्रकाश डाला जा सकेगा। जो जानकारी मिली है उसके अनुसार शनिवार की देर रात मुखिया अपने क्षेत्र से घर लौट रही थी। कुलिकोर्ट थाना के पीछे घात लगाए चार पांच हथियार बंद लोगों ने हमला कर दिया। लोहे के रॉड से माथे पर ताबड़तोड़ हमला किया गया है। मरा हुआ समझकर वहां से हमलावर भाग गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हे पहले ठाकुरगंज अस्पताल और फिर किशनगंज एमजीएम ले जाया गया है। माथे पर 13 स्टिच लगाया गया है। इस घटना को लेकर चर्चा शुरू हो गई है की यह राजनीतिक द्वेष के कारण हमला है। मुखिया अनुपम ठाकुर किसी भी आंदोलन और घटना से अग्रणी भूमिका निभाते देखी गई है। वह ज्वलंत समस्याओं को लेकर सड़क से अधिकारियों तक सक्रिय रहती थी। एक जुझारू छवि बना रही मुखिया से क्षेत्र ही नहीं प्रखंड स्तर के राजनेताओं में स्पर्धा बनने लगी थी। कहा तो यह भी जा रहा है की वह आने वाले दिनों में महिला आरक्षण के कारण विधायक की उम्मीदवार भी बन सकती थी। अपने क्षेत्र में घायल मुखिया दलालों की एक नहीं चलने दे रही थी। अब देखना होगा की इस हमले के पीछे कौन है जो सीमांचल में हिंसक राजनीति को जन्म देकर यहां का माहौल बिगाड़ने में लगा है।

पेज एक का शेष

चुनाव परिणाम, ओलंपिक...

'लोकल पोडक्ट हो रहे ग्लोबल' : इसके बाद प्रधानमंत्री ने भारत में बने प्रोडक्ट्स के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि भारत के कितने ही प्रोडक्ट्स हैं, जिनकी दुनिया-भर में बहुत डिमांड है और जब हम भारत के किसी लोकल प्रोडक्ट को ग्लोबल होते देखते हैं, तो गर्व से भर जाना स्वाभाविक है। ऐसा ही एक प्रोडक्ट है Araku कॉफी, जो आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीता राम राजू जिले में बड़ी मात्रा में पैदा होती है। ये अपने रिच फ्लेवर और अरोमा के लिए जानी जाती है। लोकल प्रोडक्ट्स को ग्लोबल बनाने में हमारे जम्मू-कश्मीर के लोग भी पीछे नहीं हैं। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर ने जो कर दिखाया है, वो देशभर के लोगों के लिए भी एक मिसाल है। यहां के पुलवामा से Snow Peas की पहली खेप लंदन भेजी गई। पीएम मोदी ने आगे कहा कि पिछले एक दशक में भारत में वन क्षेत्र का अभूतपूर्व विस्तार हुआ। अमृत महोत्सव के दौरान देश भर में सात हजार से ज्यादा अमृत सरोवर भी बनाए गए। हमें ऐसे ही माँ के नाम पर पेड़ लगाने के अभियान को गति देनी है। देश के अलग-अलग हिस्सों में मॉनसून तेजी से अपना रंग बिखेर रहा है। सबके घर में जिस चीज की खोज शुरू हो गई है उसका नाम है छाता। छाते हमारे केरल में तैयार होते हैं, यहां की संस्कृति में अहम महत्व है। लेकिन मैं जिस छाते की बात कर रहा हूं, वो है कार्थुम्बी छाता है, जो केरल के अट्टापडी में तैयार किया जाता है। ये रंग-बिरंगे छातों की खासियत है कि इनको आदिवासी बहनें तैयार करती हैं। आज देश भर में इन छातों की मांग बढ़ रही है। वट्टालक्की सहकारी कृषि सोसायटी के नेतृत्व में बनाया जाता है।

'ओलंपिक खेलों में नजर आएगा रोमांच': मुझे विश्वास है कि आप सब ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का इंतजार कर रहे होंगे। टोक्यो में हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने हर भारतीय का दिल जीत लिया था। इसके बाद हमारे खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक खेलों में जी-जान से जुटे हुए हैं। इस बार कुश्ती और घुड़सवारी में हमारे दल की खिलाड़ी उन कैटेगरी में भी कम्पीट करेंगे, जिनमें वो कभी नहीं शामिल रहे। इस बार हमें खेलों में अलग लेवल का रोमांच नजर आएगा।

हूल दिवस पर...

इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय-शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़ें हिला दीं। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित हैं।

बदल रहा झारखंड, प्रगति की राह पर बढ़ रहा आगे : मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में झारखंड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार अभियान के दौरान लाखों आवेदन हमें मिले। इन आवेदनों के माध्यम से हमें जनता की विभिन्न समस्याओं की पूरी गहराई से जानकारी मिली। लोगों की समस्याओं के आधार पर ही हम योजनाओं को बना रहे हैं, ताकि इसका लाभ हर किसी को मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड तभी आगे बढ़ेगा, जब यहां की आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है। आदिवासियों-मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहे हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं।

खनिज संसाधनों पर आदिवासियों-मूलवासियों का पहला अधिकार : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है। इस लिहाज से झारखंड काफी धनी है लेकिन यहां के लोग आज भी गरीब हैं। यहां के खनिज संसाधनों से दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं लेकिन झारखंड पिछड़ा राज्य में ही गिना जाता है। अब इसमें बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि झारखंड को विकसित राज्य बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग, खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं। आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

चंपाई का...

राज्य में बेहतर शिक्षा के लिए जनजातीय भाषा की पढ़ाई शुरू की जायेगी। इसके लिए शिक्षकों की बहाली की जायेगी। आयुष्मान से वंचित मरीजों के लिए अबुआ स्वास्थ्य योजना के तहत 15 लाख रुपये तक इलाज की सुविधा दी जायेगी। बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत पैसों की कमी नहीं होने दी जायेगी।

चंपाई सोरेन ने कहा कि हम राज्य को बेहतर बनायेंगे। सभी लोग नशे से दूर रहें। नशा हमारे समाज को खोखला कर रहा है। इसलिए हमलोग मिलजुल कर नशामुक्त समाज का निर्माण करेंगे। कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, मुख्यमंत्री के पुत्र बबलू सोरेन, टाटा स्टील फाउंडेशन के मैनेजर शिव शंकर कांडेयोंग, आरसी टुडू, बीरेन तियु, लालू मुर्मू, विष्णु मुर्मू, सागेन टुडू, त्रिविक्रम सिंहदेव, कारमु पान आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने राजनगर चौक पर वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर भारी बारिश के बावजूद टीएसीएस गामदेसाई की ओर से मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को जोरदार स्वागत किया गया।

पलामू में 50...

इसी क्रम में एक उचक्का ने थैला लेकर निकल गया। बृज बिहारी सोनी सब्जी रख जब दुकान में लौटे, तो देखा कि थैला गायब है। इसके बाद ढूंढने लगा, लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला। बृज बिहारी सोनी ने बताया कि वह रोजाना दुकान से सामान घर ले जाते थे। लेकिन आज जब उन्होंने दुकान बंद की, तो चोरी की यह घटना हो गई।

पुलिस को कोढ़ा गैंग का हाथ होने का संदेह : पुलिस का कहना कि कोढा गैंग इस इलाके में सक्रिय हैं। इस घटना में उस गिरोह के लोगों का हाथ हो सकता है। घटना के बाद से भुक्तभोगी परिवार काफी परेशान है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। एक सप्ताह पूर्व मदनपुर गांव से लौट रहे जेवर व्यवसायी से पिस्टल को भय दिखाकर पांच लाख के लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। छतरपुर में अपराध की गतिविधियां बढ़ जाने से व्यवसायी दहशत में हैं।

बेतला नेशनल पार्क...

यही कारण है कि जंगल और जानवर पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि बेतला नेशनल पार्क को तीन महीने के लिए बंद किया जा रहा है लेकिन इस दौरान यदि कोई सैलानी बेतला पहुंचता है, तो वह रेस्ट हाउस में ठहर सकता है। बेतला में वन विभाग के सभी रेस्ट हाउस खुले रहेंगे। कैंटीन भी खुले रहेंगे। लोग पलामू किला, केचकी संगम, मिरचईया जल प्रपात सहित आसपास के दर्जनों पर्यटन स्थल का दीदार कर सकेंगे। बेतला नेशनल पार्क में 6000 हिरण सहित इतनी ही संख्या में बंदर, लंगूर बायसन, हाथी, तेंदुआ, लकड़बग्घा, जंगली बोर सहित कई अन्य जंगली जानवर मौजूद हैं। पार्क बंद होने से पर्यटक तो जंगली जानवरों का दीदार नहीं कर सकेंगे लेकिन जानकार बताते हैं कि इससे जंगली जानवरों को काफी राहत मिलेगी।

देश के 30वें सेना...

इसलिए उभरते राष्ट्र के लिए सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए परिचालन तैयारियां सीओएएस के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र के रूप में प्रमुखता से सामने आएंगी। इसके साथ ही असंख्य गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के लिए एक केंद्रित प्रतिक्रिया रणनीति भी राष्ट्र की रक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक प्राथमिकता होगी। जनरल द्विवेदी अपने साथ आप्तसाधित रूप से प्रभावी ढंग से योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने का एक समृद्ध अनुभव और सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं। जनरल अधिकारी को सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ है और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सैन्य प्रणालियों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग और एकीकरण करने का एक विचारशील दृष्टिकोण है। यह दृष्टि भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपने आधुनिकीकरण और क्षमता विकास की जरूरतों को पूरा करने के चल रहे प्रयास के अनुरूप है। वह सेना में विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देने और जूनियर अधिकारियों के सशक्तिकरण पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

वेंकैया नायडू पर...

भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंत्रिमंडल में सहयोगी और देश के उपराष्ट्रपति के तौर पर उनके साथ काम करने और सीखने के कई मौके मिले हैं। आज विमोचित पुस्तकों में पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी 'वेंकैया नायडू- लाइफ इन सर्विस', संकलित एक फोटो क्रॉनिकल 'सेलिब्रेटिंग भारत-एम. वेंकैया नायडू का भारत के 13वें उपराष्ट्रपति के रूप में मिशन और संदेश' और सचित्र जीवनी 'महानता-एम. वेंकैया नायडू का जीवन और यात्रा' शामिल है। इन्हें क्रमशः द हिंदू, हैदराबाद संस्करण के पूर्व रेजिडेंट एडिटर एस नागेश कुमार, उनके पूर्व सचिव आई.वी. सुब्बा राव, संजय किशोर ने लिखा एवं संकलित किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता पाने के लिए नहीं है, बल्कि सेवा के माध्यम से समाधान करने के लिए है। अटल बिहारी वाजपेई की सरकार और उनकी सरकार में भी उन्होंने इसे चरितार्थ करके दिखाया है। वह हमेशा किसानों, गरीबों और ग्रामीणों के लिए काम करना चाहते रहे हैं। उन्हें स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटीज मिशन और अमृत योजना जैसी कई पहल शुरू करने का श्रेय जाता है। आपातकाल को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को इसे लगाए हुए 50 वर्ष होने जा रहे हैं। आपातकाल के दौरान एम वेंकैया नायडू 17 महीने जेल में रहे। वह सच्चे अर्थों में एक कार्यकर्ता की तरह इसके खिलाफ संघर्षरत रहे।

गिरिडीह में...

दरअसल, बिहार के बाद अब झारखंड के गिरिडीह जिले में एक पुल गिर गया। जिले के देवरी थाना क्षेत्र के फतेहपुर-भेलवाघाटी सड़क के डुमरीटोला और करीपहरी गांव के बीच अरगा नदी पर यह पुल बन रहा था। शनिवार की रात को हुई जोरदार बारिश से ओरगा नदी का जलस्तर बढ़ गया और पुल का गर्डर टूटकर गिर गया। इसका एक पाया भी टेढ़ा हो गया। पुल टूटने की आवाज से आसपास के ग्रामीण डर गए। 5 करोड़ की लागत से बन रहे पुल के टूटने पर भाजपा ने सरकार को निशाने पर लिया है। भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि करोड़ों की लागत से बन रहे पुल के पहली बारिश में गिर जाने की घटना इस सरकार की मॉनिटरिंग और कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है।

संक्षिप्त

अयोध्या में हुए सभी निर्माण कार्यों की होगी समीक्षा

लखनऊ। अयोध्या नगरी में पहले ही बारिश में जिस तरह की तबाही देखने को मिल रही है। उसने सरकार की चिंता बढ़ा दिया है । सरकार अब सभी प्रोजेक्ट की समीक्षा करने जा रही है। अयोध्या में 22000 करोड रुपए खर्च करके 103 प्रोजेक्ट शुरू किए गए थे। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार सभी काम 15 महीने में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा जल्द कराने दबाव मे 4 महीने पहले ही सभी कार्यों को जल्दबाजी में पूर्ण कराया गया है। जिसके कारण कोई ना कोई कमी सभी प्रोजेक्ट में रह गई है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार इसकी समीक्षा किया जाना जरूरी है। राम पथ और अयोध्या में जिस तरह की तबाही पहले ही बरसात में देखने को मिली है। उसके बाद अयोध्या के नवनिर्वाचित सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने राम पथ और अयोध्या में जो निर्माण कार्य हुए हैं। उन सब का निरीक्षण किया है। उन्होंने निर्माण कार्यों की जांच कराए जाने की मांग की है। अयोध्या में सीवर लाइन डालने, रोड बनाते समय मिट्टी को कंप्रेस करने और निर्माण कार्य की सामग्री एवं डिजाइन इत्यादि की क्वालिटी में कई तरह की कमियां पाई गई है। जिसके कारण अब हर प्रोजेक्ट की समीक्षा की जा रही है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा मे की गई जल्दबाजी के कारण करोड़ों रुपए का नुकसान अयोध्या में सरकार को हुआ है।

इराक की अल-नूरी मस्जिद में मिले पांच बम

मोसुल। इराक के उत्तरी शहर मोसुल की अल-नूरी मस्जिद में 5 बड़े बम बरामद हुए हैं। आतंकी संगठन आईएसआईएल ने ये बम दीवार में गाड़ रखे थे। अलजजीरा के मुताबिक, इन बमों का वजन 1.5 किलोग्राम है। इनमें से एक को दीवार से निकाल दिया गया है, जबकि बाकी बमों को हटाने की कोशिश की जा रही है। 2017 में तबाह हुई मस्जिद को दोबारा बनाने में जुटे यूनेस्को ने बताया कि बम बाद में बनाई गई एक दीवार में लगाए गए थे। इनकी जानकारी मिलते ही इराक के अधिकारियों को सूचना दी गई। इसके बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। बम हटाए जाने तक सभी लोगों को मस्जिद के परिसर से हटा दिया गया है।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

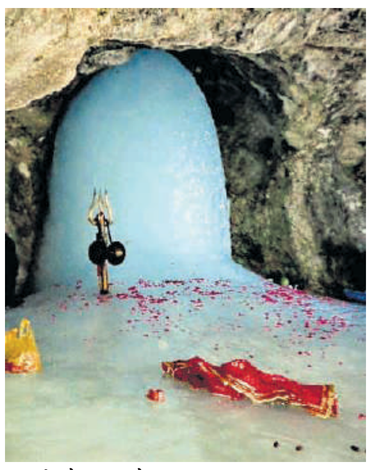

जम्मू। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रविवार को रवाना हुआ। इससे पहले शनिवार को 13 हजार से ज्यादा यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। जम्मू के अधिकारियों ने बताया कि 6,619 यात्रियों का तीसरा जत्था रविवार सुबह 151 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि इनमें से 2,781 यात्री 3:50 बजे 151 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए और 3,838 यात्री 168 वाहनों में सवार होकर सुबह 4:42 बजे नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुए। दोनों काफिलों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। इस साल 52 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को समाप्त होगी। यात्री 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम-गुफा तीर्थ मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-गुफा तीर्थ मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने पर दर्शन करने के बाद उसी दिन वापस आधार शिविर लौट सकते हैं।

हरिद्वार की सूखी नदी में बढ़ा पानी: हर की पौड़ी के पास गंगा में बही पर्यटकों की कारें

हरिद्वार। यहां सूखी नदी में अचानक बाढ़ आ जाने से कई कारें बह गई। ये वो नदी हैं जिसमें कभी पानी नहीं आता। यही वजह है कि हरिद्वार आने वाले पर्यटक इसी नदी के किनारे अपने वाहन पार्क करते हैं। लेकिन बीते रोज अचानक सूखी नदी में बाढ़ आ गई और किनारे पर खड़ीं लगभग एक दर्जन कारें पानी में बह गईं। वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि कई कारें उफनती नदी में बह गईं, जबकि पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया, जिससे उनमें पानी भर गया। उत्तर भारत में मानसून की शुरुआत से उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिसका सबसे अधिक असर हरिद्वार पर पड़ा, क्योंकि शनिवार को सुखी नदी में उफान के कारण इसके कई इलाकों में बाढ़ आ गई। यह नदी हरिद्वार में कुछ दूरी के बाद गंगा की मुख्य धारा में मिल जाती है। हर की पौड़ी के पास गंगा पर बने पुलों पर तैरती कारों की तस्वीरें अपने मोबाइल कैमरों में कैद करने के लिए भीड़ जमा हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तराखंड सहित पूरे उत्तर पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है।

आज संसद में कई मुद्दों को लेकर विपक्ष कर सकता है हंगामा

- नीट पेपर लीक, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर हो सकती है बहस

एजेंसियां,नयी दिल्ली

संसद की कार्यवाही के सोमवार को फिर शुरु होने पर नीट पेपर लीक, अग्निपथ योजना और महंगाई जैसे मुद्दों पर जोरदार हंगामा होने की संभावना है। विपक्ष पेपर लीक मामले के अलावा बेरोजगारी का मुद्दा भी उठा सकता है। लोकसभा में, बीजेपी के सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की शुरुआत करेंगे। बीजेपी की दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की बेटी और पहली बार लोकसभा सदस्य बनी बांसुरी स्वराज इस प्रस्ताव का अनुमोदन करेंगी। लोकसभा ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए 16 घंटे का समय तय किया है, जिसका समापन मंगलवार को पीएम नरेन्द्र मोदी के जवाब से होगा। राज्यसभा में चर्चा के लिए 21 घंटे का समय तय किया है और पीएम मोदी के बुधवार को जवाब देने की संभावना है। नीट मुद्दे पर संसद में इस सप्ताह काफी हंगामा हुआ था। एनटीए ने पांच मई

को नीट-यूजी का आयोजन किया था, जिसमें 24 लाख परीक्षार्थी बैठे थे। नतीजे 4 जून को घोषित किए गए, लेकिन इसके बाद बिहार समेत कई राज्यों में पेपर लीक होने के अलावा परीक्षा से जुड़ी अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे। राज्यसभा में बीजेपी सदस्य सुधांशु त्रिवेदी ने पीएम मोदी को ''अतुलनीय'' बताया था और कहा था कि देश के सामने आने वाले मुद्दों से निपटने के उनके दृष्टिकोण और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण में बहुत अंतर है। बीजेपी सदस्य कविता पाटीदार ने प्रस्ताव का समर्थन किया था और चर्चा में अब तक नौ अन्य सदस्य भाग ले चुके हैं। विपक्षी सदस्यों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया था, जिस पर सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। नीट मुद्दे पर हंगामे के बीच छत्तीसगढ़ से कांग्रेस सांसद फूलो देवी नेताम हाई ब्लडप्रेशर के चलते अचानक बेहोश हो गईं, जिसके बाद उन्हें राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विपक्षी दलों के सदस्यों ने सदन की कार्यवाही स्थगित न करने और राज्यसभा सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता न करने के लिए सरकार की आलोचना की थी।

इजरायल ने गाजा में फिर दागे मिसाइल 40 लोगों की हुई मौत, सैकड़ों घायल

गाजा। इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है। इजराइल हमास को खत्म करने के लिए लगातार हमले कर रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायली हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए और 224 घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के हवाले से बताया कि कुल फिलिस्तीनी मौतों की संख्या अब 37,834 हो गई है। अक्टूबर 2023 से फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से 86,858 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इजरायली सेना और हमास के बीच झड़पों के कारण बचाव दलों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। खास कर दक्षिणी गाजा के रफाह शहर और पूर्वी गाजा के शुजाया में जहां शरणार्थियों के शिविर हैं। इजरायली सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली सेना शुजाया क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों में सेना ने झड़पों में कई को मार गिराया। रफाह में इजरायली सेना ने कई आतंकवादियों को मार गिराया और सुरंग समेत बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया है। इस बीच फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हजारों लोग आश्रय, भोजन, दवा और साफ पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, हालात और भी खराब हो गए हैं। अमेरिका ने शुक्रवार को घोषणा की कि मानवीय सहायता के लिए गाजा के तट पर लंगर डाले हुए अमेरिकी जहाज को प्रतिकूल मौसम के कारण हटा दिया गया है।

इधर, यूक्रेन पर रुस के ताजा हमलों में 12 लोगों की मौत, कई इमारतें तबाह

कीव। रुस और यूक्रेन के बीच जंग को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं लेकिन यह जंग खत्म होने पर नहीं आ रही है। जबकि इस जंग में रुस और यूक्रेन का काफी नुकसान हुआ है। वहीं रूस की ओर से पूर्वी यूक्रेन में किए गए हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई,

- ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा रुस

जबकि निप्रो शहर में रूसी हमले से ध्वस्त इमारत के मलबे से एक और व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब रूस 1,000 किलोमीटर की सीमा पर कई क्षेत्रों में यूक्रेनी सेना को पीछे धकलने की कोशिश में है। रुस और यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और वह ऊर्जा सुविधाओं और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने सोशल मीडिया पर कहा कि रूस-यूक्रेन सीमा पर गोरोडिशे गांव में यूक्रेनी हमले के पीड़ितों में दो बच्चे भी शामिल हैं। ये हमले उस वक्त हुए जब रूस ने 1,000 किलोमीटर के मोर्चे पर कई क्षेत्रों में अपनी सेना तैनात कर रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन के संसाधनों को खत्म करने के लिए हवाई हमले तेज कर दिए हैं और ऊर्जा उत्पादन केंद्रों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमलों से यूक्रेन ने अपनी करीब 80 फीसदी तापीय ऊर्जा क्षमता और एक तिहाई जलविद्युत क्षमता खो दी है। डीनिप्रो में हुए हमले पर जेलेंस्की ने कहा कि यह यूक्रेन के सहयोगियों के लिए एक चेतावनी है कि देश को ज्यादा वायु रक्षा प्रणालियों की जरुरत है। यूक्रेनी वायुसेना ने शनिवार को कहा कि उसने रातभर में 10 रूसी ड्रोन मार गिराए है।

भारत में 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है पांच में से एक लड़की की शादी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट कहती है कि भारत में 20 करोड़ से ज़्यादा लड़कियों की शादी बचपन में ही हो गई थी। वैश्विक अनुमान के अनुसार 6.4 करोड़ लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई थी, इनमें से एक तिहाई मामले अकेले भारत में हुए हैं। सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पांच में से एक लड़की की शादी 18 वर्ष की आयु से पहले हो जाती है, जबकि 25 वर्ष पहले यह संख्या चार में से एक थी। इस सुधार ने पिछली तिमाही सदी में लगभग 68 करोड़ बाल विवाहों को रोका है। इन प्रगतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दुनिया लैंगिक समानता के मामले में पीछे रह गई है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और कई महिलाओं के लिए उनके यौन और प्रजनन स्वास्थ्य के मामले में स्वायत्तता की कमी जैसे मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। मौजूदा गति से पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रबंधन पदों में समानता हासिल करने में 176 साल लगेंगे। यह भी बताया गया है कि वैश्विक जीवन स्थितियों में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 169 लक्ष्यों में से केवल 17 फीसदी ही 2030 की समयसीमा तक पूरे होने की राह पर हैं।

पंजाब हाईकोर्ट ने गायक गुरदास मान को दी राहत

- सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का है आरोप

एजेंसियां, चंडीगढ़

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने गायक गुरदास मान द्वारा सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दायर याचिका को रद्द करने से इनकार कर दिया है। गुरदास मान ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लाडी शाह श्री गुरु अमरदास जी के वंशज हैं।

पुलिस ने उनके खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। इन धारा के तहत किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक मान्यताओं का अपमान कर उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर किए गए और खतरनाक कामों के लिए सजा का प्रावधान है। जस्टिस संदीप मौदगिल ने कहा कि इस बात का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सबूत नहीं है कि गुरदास मान ने लाडी शाह को श्री गुरु अमरदास जी के वंशज के रूप में स्वीकार करने के लिए किसी विशेष समुदाय के किसी व्यक्ति या समूह पर दबाव डाला हो। यह पूरी तरह से व्यक्ति के विश्वास पर निर्भर करता है कि वह उस दावे को स्वीकार करता है या नहीं। कोर्ट भी संवेदनशीलता का ध्यान रखती है पर इसके साथ ही उसे चीजों को तार्किक रूप से भी देखना पड़ता है। कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की जानी चाहिए क्योंकि यह आत्म-अभिव्यक्ति के जरिए से व्यक्ति की स्वायत्तता, गरिमा और कल्याण को सक्षम बनाता है।

भाजपा ने चला दांव: अकेले ही लड़ेगी हरियाणा विस चुनाव

एजेंसियां, चंडीगढ़

हरियाणा में भाजपा अपने दांव पर चल रही है। इसकी शुरुआत उसी वक्त हो गई थी जब राज्य में मनोहर खट्टर को सीएम पद से हटाकर उनकी जगह पर नायब सैनी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी। तभी भाजपा की रणनीति पर जानकारों की नजरें टिक गई थीं। नायब सैनी को 12 मार्च को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसके बाद प्रदेश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए और विधानसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। ऐसे में नायब सैनी सरकार को काम करने के लिए बहुत कम समय मिल पाया है। इस बीच बीजेपी में चुनाव के दौरान पार्टी के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए गृह मंत्री ने कहा कि हरियाणा बीजेपी तीसरी बार सरकार बनाएगी। नायब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे। अगला चुनाव नायब सैनी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।

गृह मंत्री अमित शाह ने ऐलान किया है कि निकट भविष्य में होने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे। चुनाव में बीजेपी का सीएम चेहरा सैनी ही होंगे।

अमित शाह ने पंचकूला में बीजेपी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे सत्र के दौरान प्रदेश भर से आए हुए नेताओं, कार्यकर्ताओं, विधायकों और सांसदों को संबोधित किया। अमित शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अपने मन से संशय निकाल दीजिए कि हम किसी के साथ जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा में किसी की बैसाखियों की जरूरत नहीं है। पूर्ण बहुमत के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाएंगे। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में फिर से हरियाणा की जनता का विश्वास जीतेंगे। गृह मंत्री ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र में तीसरी बार नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में हरियाणा वासियों का अहम योगदान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि शाह ने आगामी विधानसभा चुनावों में विजय की मजबूत आधारशिला रखी है। गृहमंत्री ने कार्यकर्ताओं और नेताओं से रूबरू होते हुए कहा कि हमें जीत के विश्वास के साथ भारतीय जनता पार्टी को आगे बढ़ाना है। पिछले 10 वर्षों में हमने हरियाणा के अंदर परिवर्तन लाने का काम किया है। राजनीति के मायनों को बदला है। पहले एक सरकार आई थी तो भ्रष्टाचार बढ़ता था, दूसरी सरकार आती थी तो दबंगों का राज बढ़ जाता था। हमारी सरकार ने विकास किया है। कांग्रेस पर बोला हमलाकांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस के नेता कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त रहे हैं। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए, दूसरी सरकार दूसरे जिले के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा में एक समान काम किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र में कमल की सरकार बना दी है और अब हरियाणा में भी तीसरी बार कमल की सरकार बनानी है।

नगर निगम में काम करने वाले रोबोट ने की 'आत्महत्या', स्थानीय लोग मना रहे शोक

सियोल। बीते दिनों दक्षिण कोरिया में नगर निगम में काम करने वाले एक रोबोट ने 'आत्महत्या' कर ली है। रोबोट की खुदकुशी से दुखी स्थानीय लोग अब शोक मना रहे हैं। दुनिया में अपनी तरह का यह अनोखा मामला है।

अफसरों की विशेष टीमें जांच करने के लिए लगाई गई हैं कि आखिर रोबोट के साथ आखिरी वक्त में हुआ क्या? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह रोबोट एक सिविल सर्वेंट की तरह दक्षिण कोरिया की गुमी सिटी काउंसिल में काम करता था। यह देश का पहला रोबोट था, जो कर्मचारियों की तरह काम पर लगाया गया था। इसलिए यह लोगों के बेहद करीब था। लोग उसे बहुत प्यार करते थे। क्योंकि वह उनकी काफी मदद किया करता था। उसके कारनामे खूब मशहूर थे। उसे 'रोबोट सुपरवाइज़र' के नाम से जाना जाता था। अफसरों ने बताया कि गुरुवार को शाम तकरीबन 4 बजे 2 मीटर ऊंची सीढ़ी से नीचे गिरने के बाद वह निष्क्रिय हो गया। काउंसिल बिल्डिंग की पहली और दूसरी मंजिल के बीच सीढ़ी में कुचला हुआ पाया गया।

नगर परिषद के एक अधिकारी ने कहा, घटना से पहले उसे रहस्यमय तरीके से एक ही स्थान पर चक्कर लगाते हुए देखा गया। ऐसा लग रथा कि जैसे वहां पर कुछ था, लेकिन यह नीचे कैसे गिरा, इसकी जांच की जा रही है। विशेष जांच टीम ने टुकड़े एकत्र कर लिए गए हैं और कंपनी द्वारा उनका विश्लेषण किया जाएगा। लोग इसे इतना प्यार इसलिए करते हैं, क्योंकि यह स्थानीय निवासियों को कई तरह के सरकारी कागज पहुंचाया करता था। लोगों को जानकारियां देता था। इसलिए यह स्थानीय लोगों के बेहद करीब था।सोशल मीडिया पर जैसे ही रोबोट के आत्महत्या की खबर फैली लोग निराश हो गए। कई लोगों ने सवाल पूछा, काफी मेहनती इस अफसर ने ऐसा क्यों किया? क्या उसे काफी कठिन काम दे दिया गया था? कई लोगों ने टिप्पणी की, अगर काम का बोझ बहुत अधिक होता, तो क्या वह लंबे समय तक इधर-उधर घूमता और फिर सीढ़ियों से नीचे उतर जाता?,

एक ने कहा, मैं तो प्रार्थना करता हूं कि उसकी आत्मा को शांति मिले। 'रोबोट सुपरवाइज़र' को अगस्त 2023 में नियुक्त किया गया था। यह पहला रोबोट था, जिसे अधिकारी के तौर पर नियुक्त किया गया था। कैलिफोर्निया के रोबोट-वेटर स्टार्टअप, बियर रोबोटिक्स ने इसे बनाया था। यह रोबोट रोज सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक काम करता था।

चारों धाम में 50 दिन में पहुंचे 30 लाख यात्री

देहरादून। उत्तराखंड की विश्वप्रसिद्ध चारधाम यात्रा को लेकर इस बार श्रद्धालुओं में अपार उत्साह है। इन दिनों भगवन के द्वार पर आस्था का ज्वार दिख रहा है। चारधाम यात्रा प्रारंभ हुए लगभग 50 दिन ही हुए हैं और अब तक लगभग 30 लाख श्रद्धालु चारों धामों के दर्शन कर चुके हैं जबकि वर्ष 2023 में 30 जून तक यानि 68 दिनों में लगभग 30 लाख श्रद्धालु दर्शन किए थे। सुगम, सुरक्षित एवं निर्बाध चारधाम यात्रा के संचालन को लेकर उत्तराखंड सरकार निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस वर्ष जनवरी माह से ही चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन के लिए बैठकों के साथ स्थलीय निरीक्षण का दौर शुरू कर दिया था। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा को बेहद गंभीरता से लिया जाए। 10 मई को जब धामों के कपाट खुलने का सिलसिला प्रारंभ हुआ तो भारी संख्या में देश-दुनिया से तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे।

अब एआई टूल से चलेगा फेफड़ों से जुड़ी 16 पैटर्न की बीमारियों का पता

नई दिल्ली। फेफड़ों की बीमारी में एक्सरे प्राथमिक जांच मानी जाती है। लेकिन अब एक्सरे जांच से फेफड़ों में होने वाली 16 पैटर्न से जुड़ी बीमारियों का पता चल जाएगा। इसकी सटीक जांच कम से कम 70 फीसदी रहेगी। उससे कम होने पर मशीन खुद ही रिपोर्ट को डॉक्टर से परामर्श लेने की सलाह देगी। ऐसा संभव होगा एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल से, जो डिजिटल एक्स-रे मशीन में लोड किया जाएगा।

इस एआई टूल को बनाया है यूपी गोरखपुर के डॉ. सात्विक वत्स और डॉ. विक्रांत शर्मा ने। इस रिसर्च में जेएनयू, नई दिल्ली और एम्स गोरखपुर के डॉक्टर भी शामिल थे। इस टूल को बनाने करने के लिए पांच देशों के डेढ़ लाख से ज्यादा मरीजों का ब्योरा

एकत्रित किया गया। बीमारी होने पर मरीजों के फेफड़ों में बदलाव के फीचर एआई में डाले गए। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, यूएई, मलेशिया, इटली व स्पेन के मरीजों का आंकड़ें शामिल है। रिसर्च में मरीज के आंकड़ों को संदर्भित करने के लिए तीन रेडियोलॉजिस्टों को भी शामिल किया। इसके अलावा चेस्ट फिजिशियन व मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट भी इसमें शामिल थे। डॉ. सात्विक ने बताया कि एआई टूल को इस तरह विकसित किया गया है कि वह किसी भी बीमारी में फेफड़ों में हो रहे बदलाव के पैटर्न को पहचान लेगा। इसकी मदद से 16 प्रकार के पैटर्न को पहचानने में सफलता मिली है। यह पैटर्न अलग-अलग बीमारियों के होते हैं, जिसमें फेफड़े में होने वाली निमोनिया, एडिमा, फाइब्रोसिस, डायफ्राम की हार्निया, कोविड, कैंसर, फेफड़ों की झिल्ली में सूजन, पानी भरना व गांठ जैसी बीमारियां शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि इस टूल का इस्तेमाल सरल है। यह डिजिटल एक्स-रे मशीन में इंस्टॉल किया जाएगा। उसके बाद एक्स-रे होते ही मशीन पैटर्न के आधार पर फेफड़ों में बदलाव को पहचान लेगी। वह अपनी रिपोर्ट में बदले हुए पैटर्न का जिक्र करेगी। इससे डॉक्टर को भी बीमारी पहचाने व इलाज करने में आसानी होगी। एआई टूल को पेटेंट कराया जा चुका है। इसको लेकर पहला रिसर्च पेपर अब पब्लिश हुआ है।

यह रिसर्च पेपर अमेरिकन जर्नल में प्रकाशित हुआ है। डॉ सात्विक ने बताया कि इस एआई टूल का इस्तेमाल ग्रामीण व दुर्गम क्षेत्र में स्थित अस्पतालों में हो सकता है।

बारबाडोस में रोहित ने गाड़ा जीत का झंडा

पिच की मिट्टी चखी, विराट के गले लगकर रोए; हार्दिक को जादू की झप्पी दी

वेस्टइंडीज से भारत तक का जश्न ही जश्न

बारबाडोस/नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का जश्न बारबाडोस से भारत तक मनाया जा रहा है। मैच जीतने के बाद कप्तान रोहित अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाए। जमीन पर हाथ पटकने लगे। विराट के गले लगकर रोए। हार्दिक पंड्या का गाल चूमा और गले लगा लिया।

रोहित ने झंडा गाड़ा

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टी-20 वर्ल्ड कप में हम रोहित की कप्तानी में बारबडोस में भारत का झंडा गाड़ेंगे। भारतीय कप्तान ने मैच जीतने के बाद ऐसा ही किया और जय शाह की बात को सच साबित कर दिया। इस मोमेंट पर जय शाह भी मौजूद थे।

हार्दिक को रोहित ने दी जादू की झप्पी

अहम मौके पर 3 विकेट लेकर मैच इंडिया के पाले में करने वाले हार्दिक पंड्या भी कप्तान रोहित से गले मिले। रोहित ने उन्हें सीने से लगा लिया और किस भी किया। हार्दिक की आंखों में आंसू आ गए।

अर्शदीप और विराट कोहली का भांगड़ा

मैच के बाद पूरी टीम जमकर नाची। सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा विराट कोहली और अर्शदीप का भांगड़ा।

रोहित-विराट गले मिलकर रोए

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद विराट और रोहित ने इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। फाइनल जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा 1 मिनट तक गले मिले। दोनों की आंखों में आंसू थे। टी-20 इंटरनेशनल में लंबे समय तक खेलने के बाद दोनों ने इसे अलविदा कह दिया है।

रोहित शर्मा के हैप्पी स्टेप्स

वर्ल्ड कप ट्रॉफी के दौरान जय शाह भी मौजूद थे। मंच पर टीम इंडिया खुश थी और कैप्टन रोहित शर्मा का इंतजार कर रही थी। रोहित छोटे-छोटे कदम बढ़ाते हुए खुशी से भरे हुए मंच पर आए और ट्रॉफी लेकर जश्न मनाया।

रोहित शर्मा ने पिच की मिट्टी चखी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मैच जीतने के बाद पिच पर गए और वर्ल्ड कप जीत को यादगार बनाने के लिए बारबाडोस के पिच की मिट्टी चखी। रोहित शर्मा का टी-20 इंटरनेशनल में यह आखिरी मैच था।

विराट ने अनुष्का को वीडियो कॉल किया

मैच जीतने के बाद विराट कोहली ने टी-20 से संन्यास ले लिया। इसके बाद विराट कोहली ने अनुष्का शर्मा को वीडियो कॉल की और काफी देर तक बातचीत करते रहे।

कोच राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया

भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ 19वें ओवर में काफी एक्साइटेड दिखाई दिए। अपने शांत स्वभाव के लिए मशहूर द्रविड़ ने जमकर सेलीब्रेशन किया। टीम इंडिया के प्लेयर्स ने राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया। जैसे ही 20वां ओवर खत्म हुआ, टीम इंडिया जश्न मनाने लगी। चंद पलों में कोच, टीम का स्टाफ मैदान में चले आए। हर किसी ने एक-दूसरे को बधाई दी।

रो पड़े मो. सिराज

मो. सिराज फाइनल मैच नहीं खेले। उन्होंने सिर्फ अमेरिका में हुए मैचों में परफॉर्म किया। जीत के बाद उन्हें इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। इस दौरान सिराज रो पड़े।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ का कार्यकाल खत्म, कहा- इस प्लेयर को मिस करूंगा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। भारत के दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर दूसरी बार प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद राहुल द्रविड़ ने मेन इन ब्लू के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की और कहा कि यह एक शानदार यात्रा थी। भारत ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मैच में दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराया। इस शानदार इवेंट का फाइनल मैच द्रविड़ का मेन इन ब्लू के लिए मुख्य कोच के रूप में आखिरी मैच था।

मैच खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए द्रविड़ ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए मेन इन ब्लू को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, %एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं था, लेकिन जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। मैं भाग्यशाली था कि मुझे टीम का कोच बनने का मौका मिला, मैं भाग्यशाली था कि लड़कों के इस समूह ने मुझे यह ट्रॉफी जीतने में सक्षम बनाया। यह एक शानदार अहसास है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि मैंने कुछ सुधार किया है, यह सिर्फ वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।

टी20 विश्वकप जीतकर मालामाल हुई टीम इंडिया, इनाम में मिली 20 करोड़ से ज्यादा की राशि

दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप चैंपियन बनी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को पुरस्कार स्वरूप 20.36 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट शुरु होने से पहले अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिकार्ड पुरस्कार राशि का बजट 93.51 करोड़ रुपए रखा था। उसी के अनुसार फाइनल में जीतने वाली भारतीय टीम को 20.36 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम दक्षिण अफ्रीका को 10.64 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा।

बुमराह तो ठीक, पर अर्शदीप को न भूलें...

गौतम गंभीर की तरह अनसंग हीरो

हर मुश्किल में संकटमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भी 2011 के वनडे वर्ल्ड कप की बात होती है। तो हम सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, जहीर खान के बारे में बात करते हैं। हालांकि भारत को वर्ल्ड कप जिताने में गौतम गंभीर का भी बहुत हड़ा हाथ रहा था। लेकिन वह इतनी सुर्खिया नहीं बटोर पाए थे। गंभीर ने 9 मैचों में 393 रन बनाए थे। वह वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज थे। ठीक कुछ इसी तरह से अर्शदीप सिंह का भी रोल भारत के टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रहा है। उन्होंने टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जिताने में अहम रोल निभाया है। लेकिन उन्हें इतनी लाइमलाइट नहीं मिली।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 10 गेंदबाज

गेंदबाज	विकेट
फजलहक फारूकी	17 विकेट
अर्शदीप सिंह	17 विकेट
जसप्रीत बुमराह	15 विकेट
एनरिक नॉर्खिया	15 विकेट
राशिद खान1	4 विकेट
रिशाद हुसैन	14 विकेट
नवीन उल हक	13 विकेट
कगिसो रबाडा	13 विकेट
एडम जाम्पा1	3 विकेट
अल्जारी जोसेफ	13 विकेट

फाइनल में साउथ अफीका का निकाला तेल

अर्शदीप सिंह ने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 5 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर 2 विकेट लिए थे। उन्होंने क्विंटन डि कॉर्क और एडन मार्करम जैसे सूरमा बल्लेबाजों का शिकार किया था। इसके अलावा सिंह ने इस पूरे टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए हैं। वह फजलहक फारूकी के साथ इस टूर्नामेंट में जॉइंट हाइएस्ट विकेट टेकर हैं। सिंह ने इस टूर्नामेंट में अपनी गेंदबाजी से सबका दिल जीत लिया।

अर्शदीप सिंह का इंटरनेशनल करियर

25 साल के तेज तर्रार गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए अब तक 52 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 8.39 की इकॉनमी से 79 विकेट लिए हैं। वहीं 6 वनडे मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए 10 विकेट झटके हैं। सिंह को आईपीएल का भी अच्छा अनुभव है। उन्होंने 65 आईपीएल मैचों में 76 विकेट लिए हैं।

टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में सात रनों से मिली शिकस्त के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम

यह हार दिल को झकझोरनेवाली

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ निराशाजनक हार को दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम ने चुभने वाला करार देते हुए उम्मीद जतायी कि यह प्रदर्शन अगली बार टीम को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। जीत के लिए 176 रन का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम हेनरिच क्लासेन की 27 गेंद में 52 रन की पारी के दम पर 15वें ओवर के बाद बेहद मजबूत स्थिति में थी। टीम को आखिरी 30 गेंद में 30 रन की जरूरत थी लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

आखिरी ओवरों में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने कमाल की गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने दबाव की परिस्थिति में कमाल का कैच लपका। इससे पहले विराट कोहली ने 76 रन की पारी खेल भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की।

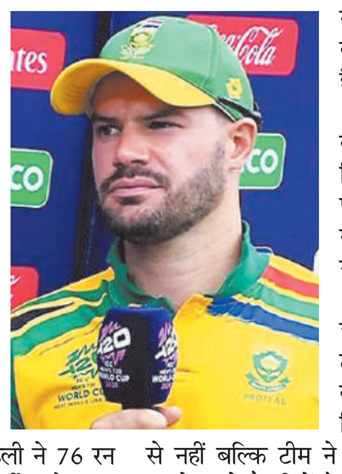

इस 29 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण बताना मुश्किल है। हम अगले कुछ दिनों में, अगले कुछ हफ्तों में इस बारे में विचार करेंगे, उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हम आज के मैच के दौरान सुधार कर सकते थे। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है।

हार के गम के बावजूद मारक्रम को विश्व कप फाइनल में पहुंचने पर टीम के साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है।% मारक्रम ने कहा, 'यह हार चुभने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की भूख बढ़ेगी।

मारक्रम ने स्वीकार किया कि क्लासेन के लिए इस तरह के 'विशेष प्रयास के बाद इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसके लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा।% भारतीय खिलाड़ियों की आंखों में जहां खुशी के आंसू थे, वहीं प्रोटियाज इससे टूट गए कि एक और बड़ा खिताब उनके हाथ से फिसल गया है। टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची लेकिन आखिरी बाधा को पार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, 'यह हार लंबे समय तक चुभेगी। हर खिलाड़ी ने टीम को पहली बार फाइनल में पहुंचाने में अपना योगदान दिया। आप जानते है कि आप एक टीम हैं और इस समूह के साथ आप अच्छी चीजें चाहते हैं क्योंकि सभी शानदार खिलाड़ी हैं।% हार की निराशा और दिल टूटने के बावजूद मारक्रम फाइनल में भारत की प्रतिभा और धैर्य की सराहना करना नहीं भूले।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा, 'यह क्रिकेट टूर्नामेंट है, यह कठिन क्रिकेट है, ट्रॉफियां जीतना आसान नहीं है और आपको ट्रॉफी जीतने के लिए भारत जैसी टीम को सलाम करना होगा। इसमें बहुत मेहनत लगती है।% उन्होंने कहा, 'हां, हम यह सोचना चाहेंगे कि हम एक कदम करीब हैं और उम्मीद है कि आगे बढ़ते हुए हम पहली जीत हासिल कर सकते हैं और यह आने वाले कुछ वर्षों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिख सकता है।

सूर्यकुमार को जय शाह से मिला सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सूर्यकुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्रदान किया जिन्होंने खतरनाक डेविड मिलर का शानदार कैच लपका जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच

टी दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण की प्रशंसा 'भेड़ियों के झुंड' से की जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिलीप ने कहा, 'हम बड़े मुकाबलों में मौके के अनुसार प्रदर्शन करने की बात करते हैं लेकिन आज हमने सिर्फ प्रदर्शन नहीं किया बल्कि जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में और आज जो जज्बा, जो एकजुटता और जो लचीलापन दिखाया, वह असाधारण से कम नहीं है। दिलीप ने कहा, 'हमने 'भेड़ियों के झुंड' की तरह क्षेत्ररक्षण किया। जैसा कि राहुल भाई और रोहित कहते रहते हैं। हर कोई अपनी भूमिका जानता था लेकिन हमने साथ मिलकर हर मौके का फायदा उठाया और कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारत ने शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहला विश्व कप खिताब जीतने से महरूम कर दिया जिसमें अंतिम ओवर में सूर्यकुमार यादव का कैच निर्णायक रहा। सूर्यकुमार ने जिस संयम और सही समय पर लिये कैच से बेहतरीन मिसाल पेश की। जब उन्होंने डेविड मिलर का कैच लपका तब दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में महज 16 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, 'दिलीप सर, मुझे यह मौका देने और जय (शाह) सर से यह पदक लेने के लिए आपका धन्यवाद।

मन की बात में पीएम मोदी ने की सूर्य कुमार यादव के कैच की तारीफ

विराट कोहली-राहुल द्रविड़ का किया आभार

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' - मासिक रेडियो प्रसारण - रविवार, 30 जून को फिर से शुरू हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, आज, आखिरकार वह दिन आ गया है जिसका हम सभी

इंतजार कर रहे थे फरवरी से मैं 'मन की बात' के माध्यम से एक बार फिर आपके बीच में हूं, अपने परिवार के सदस्यों के बीच में हूं, मैंने फरवरी में कहा था कि चुनाव नतीजों के बाद मैं फिर आपसे मिलूंगा और आज फिर मन की बात के साथ आपके बीच उपस्थित हूं। मानसून के आगमन ने आपका भी दिल खुश कर दिया है...।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को टी 20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है और कहा कि क्रिकेटरों ने विश्व कप के साथ-साथ करोड़ों लोगों का दिल भी जीत लिया है। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री ने रविवार को कॉल कर टीम इंडिया के खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से बात की और उन्हें बधाई दी।

भारत के जीतते ही पाक में शैम्पैन व डांस के साथ मना जश्न, पाकिस्तानी बोले –'आई लव यू इंडिया'

इस्लमाबाद (एजेंसी)। टी-0 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में टीम इंडिया के जीतने पर पाकिस्तान में भी जश्न का माहौल है। पाकिस्तान के कुछ लोग जहां भारत के नाम से चिढ़ते हैं, वहीं कुछ पाकिस्तानियों ने 'आई लव यू इंडिया' का नारा लगाया है। पाकिस्तान के युवाओं ने कहा कि भारत ने जहा सेमीफाइनल में गोरों को नानी याद दिला दी और 2014 व 2022 का बदला ले लिया वहीं फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर इतिहास रच दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह वीडियो आते ही वायरल हो गया है, भारत के लोग भी इस वीडियो की जमकर तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैड को हराकर फाइनल में पहुंचा। इस जीत के बाद पाकिस्तान से जश्न मनाने का वीडियो सामने आया जिसमें पाकिस्तान की प्रसिद्ध यूट्यूबर शैला खान भी नजर आ रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि शैम्पेन बोतलों के साथ पाकिस्तानी जश्न मना रहे हैं। पाकिस्तान के युवाओं ने वीडियो में नारा लगाते सुनाई दे रहे हैं कि %हमारा कप्तान कैसा हो रोहित शर्मा जैसा हो।

भारत की जीत पर झूम उठी दुनिया, इजरायल-यूएस ने दी बधाई, आनंद महिंद्रा व गूगल सीईओ बोले...

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर जीत पर पूरी दुनिया झूम रही है। भारत ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम ने डेथ ओवर में साउथ अफ्रीका के मुंह से जीत छीन कर अपनी मेहनत और काबलियत को साबित कर दिया है। इस जीत के बाद देश दुनिया से भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी जा रही है। इजरायल से लेकर अमेरिका तक ने भारत को जीत की बधाई दी है।भारत में इजरायल के वर्तमान राजदूत ने भी इंडियन क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए ङ्क पर लिखा ' चक दे ?इंडिया सटी20वर्ल्डकप2024 में शानदार जीत के लिए सटीमइंडिया को बधाई! वाकई एक ऐतिहासिक उपलब्धि!' बता दें कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारती टीम को बधाई दी है। इसके अलावा श्रीलंका के विदेश मंत्री ने भारत को बधाई देते हुए लिखा- दबाव में शानदार प्रदर्शन। अमेरिका की ओर से भी जीत की बधाई आई है। भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने ङ्क पर अपने पोस्ट में लिखा 'वाह, शानदार जीत! बधाई आनंद महिंद्रा बोले ...

वहीं देश के जानेमाने बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने ङ्क पर पोस्ट करते हुए लिखा 'नमस्ते चैट'कृपया मुझे भारतीय क्रिकेट टीम को सुपरहीरो के रूप में दिखाने वाली एक तस्वीर बनाकर दें क्योंकि वे अंत तक सुपरकूल थे। भारत के लिए इस फाइनल का सबसे बड़ा उपहार यह था कि यह आसान नहीं था। यह लगभग उनकी पकड़ से फिसल गया था लेकिन उन्होंने अपने मन में कभी मैच नहीं हारा। हम सभी को याद दिलाते हुए कि सुपरहीरो बनना कभी भी जीतने के दृढ़ संकल्प और कभी हार न मानने वाले रवैये के बिना नहीं आता है...जय हो!'इसके साथ ही गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने भारतीय टीम को बधाई दी।

मोबाइल रिचार्ज हुआ महंगा, कंपनियों की मौज......ग्राहकों की जेब पर असर

नई दिल्ली । एयरटेल और रिलायंस जियो ने मोबाइल रिचार्ज महंगा किया है। इसके बाद अब वोडाफोन आइडिया ने भी जल्द ही अपने प्लान महंगे कर दिए है। इन कंपनियों ने रिचार्ज प्लान में करीब 15-20 फीसदी का इजाफा किया है। इस इजाफे से मोबाइल यूजर्स की जेब पर बोझ बढ़ गया है। दूसरी ओर टेलीकॉम कंपनियों के मुनाफे में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इंडस्ट्री जानकार के अनुसार, प्रीपेड और पोस्टपेड प्लान में 15-20 फीसदी मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से इंडस्ट्री को करीब 20,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त परिचालन लाभ होगा है। इस टैरिफ हाइक के बाद एयरटेल और जियो के एवरेज रेवेन्यू पर यूजर (आआरपीयू) में अच्छा खासा इजाफा होने का अनुमान है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष और कॉर्पोरेट रेटिंग के सेक्टर प्रमुख ने कहा, मोबाइल टैरिफ बढ़ोत्तरी से लाभ में इजाफा होगा। इससे इंडस्ट्री को तकनीक अपग्रेडेशन और नेटवर्क विस्तार के लिए जरूरी पूंजी मिलेगी। आईसीआरए को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 में टेलीकॉम इंडस्ट्री का राजस्व 12-14 प्रतिशत बढ़ेगा। ऑपरेटिंग लीवरेज को देखकर 14-16 प्रतिशत तक परिचालन लाभ में इजाफा होने का अनुमान है। टेलीकॉम इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 में 1.6-1.7 लाख करोड़ रुपए के परिचालन लाभ के साथ 3.2-3.3 लाख करोड़ रुपए का राजस्व दर्ज करने की संभावना है। वहीं मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, दूसरे टेलीकॉम प्लेयर्स भी मोबाइल टैरिफ में बढ़ोत्तरी कर सकते है। नोट में कहा गया है, हमारा अनुमान है कि एयरटेल और जियो के लिए मिश्रित एआरपीयू को 16-18 प्रतिशत की सीमा में लाभ होगा।

शेयर बाजार की चाल तय करेंगे घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुख

- कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से घरेलू शेयर बाजारों की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि बीते सप्ताह रिकॉर्ड तेजी के बाद ऊंचे मूल्यांकन की वजह से इस हफ्ते बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी नजर रखेंगे। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह शेयर बाजार में संभावित रूप से उतार-चढ़ाव रहेगा। ऊंचा मूल्यांकन चिंता का विषय बना हुआ है। निवेशकों की नजरें अब मानसून की प्रगति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर रहेगी। जुलाई में आने वाले आम बजट पर भी सभी की नजरें है। बाजार में विकासोन्मुख नीतियों की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजार में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली है। अमेरिका के रोजगार के आंकड़े दो जुलाई को आएंगे। इसके बाद तीन जुलाई को आईएसएम सर्विसेज पीएमआई आंकड़े जारी किए जाएंगे। साथ ही दो जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन है। एफओएमसी की बैठक का ब्योरा तीन जुलाई को जारी किया जाएगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक कहते

हैं कि बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा।

इस दौरान एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल विनिर्माण पीएमआई, फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन, अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े बाजार के लिए प्रमुख घटनाक्रम हैं। उनका कहना है कि हमें उम्मीद है कि बाजार की रफ्तार कायम रहेगी और शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी।

हालांकि, सप्ताह के दौरान आने वाले आर्थिक आंकड़ों की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। वाहन कंपनियां अपने मासिक बिक्री आंकड़े जारी करेंगी। ऐसे में उनके शेयरों पर सभी की नजरें रहेंगी।

ब्रिटानिया को पछाड़कर दूसरी बड़ी कंपनी बनी आईटीसी

- बिक्री के मामले में पैकेज्ड फूड सेगमेंट में आईटीसी से आगे सिर्फ नेस्ले है

नई दिल्ली । देश की प्रमुख कंपे नियों में से एक आईटीसी ने एक नया मुकाम प्राप्त किया है। आईटीसी अब ब्रिटानिया को पीछे छोड़कर पैकेज्ड फूड सेगमेंट की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। अब आईटीसी का मुकाबला पहले स्थान पर काबिज मल्टीनेशनल एफएमसीजी कंपनी नेस्ले से होगा। आईटीसी ने यह मुकाम बिक्री के हिसाब से हासिल किया है यानी बिक्री के मामले में पैकेज्ड फूड सेगमेंट में आईटीसी से आगे सिर्फ नेस्ले है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब पैकेज्ड फूड के मामले में आईटीसी की बिक्री ब्रिटानिया से ज्यादा हुई है। आईटीसी पैकेज्ड फूड सेगमेंट में कई उत्पाद बेचती है। आईटीसी के प्रमुख उत्पादों में आशीर्वाद आटा, बिंगो पोटैटो चिप्स, सनफीस्ट बिस्किट आदि शामिल हैं। आईटीसी की हाल ही में जारी सालाना रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2024 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में उसके फूड कारोबार की बिक्री 17,194.5 करोड़ रुपए रही है। इसमें घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों के आंकड़े शामिल हैं। दूसरी ओर पिछले वित्त वर्ष के दौरान ब्रिटानिया के फूड कारोबार की कुल बिक्री 16,769.2 करोड़ रुपए की रही है। वहीं बीते वित्त वर्ष में नेस्ले इंडिया की बिक्री का आंकड़ा 24,275.5 करोड़ रुपए का रहा है। हालांकि कंपनी के द्वारा जनवरी-दिसंबर से अप्रैल-मार्च में वित्त वर्ष शिफ्ट करने से बिक्री का यह आंकड़ा 12 महीने के बजाय 15 महीने का है। 12 महीने के हिसाब से देखें तो भी नेस्ले की भारतीय इकाई अपनी स्थानीय प्रतिस्पर्धियों से आगे है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के 12 महीनों में नेस्ले इंडिया की बिक्री 19,563 करोड़ रुपए रही है, जो दूसरे नंबर की कंपनी आईटीसी के फूड कारोबार की बिक्री की तुलना में ज्यादा है। आईटीसी को फूड कारोबार में पहली बार दूसरा पायदान दिलाने में आटे के भाव में आई तेजी सबसे प्रमुख कारण है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश में आटे की कीमतों में 7 से 8 फीसदी की तेजी आई है। कंपनी के फूड कारोबार की कुल बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान पैकेज्ड आटा ब्रांड आशीर्वाद का रहा है। ओवरऑल आईटीसी के फूड कारोबार की बिक्री में बीते वित्त वर्ष के दौरान 9 फीसदी की तेजी आई है।

कोका-कोला कंपनी ने भारत में किया अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद

-2022-23 में कंपनी ने की थी 12,840 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली।

कोका-कोला कंपनी भारत में अपना बॉटलिंग बिजनेस बंद कर रही है। कंपनी के बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट ग्रुप (बीआईजी) का दफ्तर 30 जून को बंद करने का फैसला किया है। अमेरिका की यह कंपनी भारत समेत दुनियाभर में अपने बॉटलिंग का संचालन करती है। कंपनी ने एक नोट में कहा कि बीआईजी का कॉर्पोरेट ऑफिस 30 जून को बंद हो जाएगा।

कंपनी का यह कदम भारत को प्रभावित करेगा, क्योंकि कोका-कोला इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली बॉटलिंग कंपनी हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज (एचसीसीबी) सीधे तौर पर बीआईजी के कंट्रोल में थी। नोट में कहा गया है कि भारत, नेपाल और श्रीलंका कोका-कोला के आंतरिक बोर्ड की निगरानी में रहेंगे। बता दें कि इस माह में कोका-कोला ने एचसीसीबी में माइनारिटी स्टेक बेचने के लिए कम से कम चार भारतीय औद्योगिक घरानों और उनके कार्यालयों से संपर्क किया था। रविवार से कोका-कोला के बॉटलिंग निवेश और ऑपरेशन का मैनेजमेंट एक आंतरिक बोर्ड के जरिए से किया जाएगा। यह बोर्ड बॉटलिंग बिजनेस के प्रदर्शन और रणनीति पर नजर रखेगा। बोर्ड की अध्यक्षता ब्राउन करेंगे। इसमें वैश्विक कार्यों का प्रबंधन करने वाले वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। नोट में कहा कि इस फैसले का मकसद निर्णय लेने की प्रक्रिया और ज्यादा सरल बनाना और बाजारों में क्षमताओं को मजबूत करना है। जनवरी में एचसीसीबी ने देश के उत्तरी, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में कंपनी के स्वामित्व वाले कुछ बॉटलिंग ऑपरेशन अपने तीन मौजूदा फ्रैंचाइजी बॉटलर मून बेवरेजेज, एमएलएमजी बेवरेजेज और कंधारी ग्लोबल बेवरेजेज को बेच दिए थे। कंपनी ने कहा था कि इन बॉटलिंग ऑपरेशन को रिफ्रैंचाइज करने से उसे 293 मिलियन

डॉलर का फायदा हुआ। एचसीसीबी अब 16 अंक का संचालन कर रही है, जो मुख्य रूप से पश्चिम और दक्षिण भारत में फैले हैं। बता दें 2006 में, कोका-कोला ने बॉटलिंग ऑपरेशन को एकीकृत कर बॉटलिंग इन्वेस्टमेंट्स ग्रुप का गठन किया था। उस समय कंपनी ने कहा था कि इसका मकसद यह तय करना है कि बॉटलिंग ऑपरेशन को उचित निवेश और विशेषज्ञता प्राप्त हो। 2022-23 में एचसीसीबी का रेवेन्यू 40फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 12,840 करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कंपनी का नेट मुनाफा 809.32 करोड़ रुपए रहा जो पिछले साल की तुलना में दोगुना ज्यादा है।

देश में ही 60 एमएम रॉकेट बनाएगा अडानी समूह थेल्स समूह के साथ समझौता

नई दिल्ली । मेक इन इड़िया को बढ़ावा देने की मोदी सरकार की पहल के तहत देश के बड़े कारोबारी समूह अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भारत में ही 60 एमएम रॉकेट बनाने के लिए थेल्स समूह के साथ समझौता किया है। थेल्स ने बताया कि यह भागीदारी न सिर्फ भारत के लिए उसकी प्रतिबद्धता के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर हमारे पार्टनर नेटवर्क को मजबूत बनाने में भी मददगार होगी। थेल्स समूह ने लिखा, हम इस भागीदारी पर अदाणी समूह को बधाई दे रहे हैं। हम भारत में थेल्स के 70 एमएम रॉकेट के विनिर्माण में साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं।थेल्स समूह ने कहा कि भारत के बढ़ते रक्षा उद्योग के लिए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के मोदी सरकार के विजन में मील का पत्थर साबित होगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस स्वदेशी रक्षा उत्पादों के डिजाइन, विकास एवं विनिर्माण की अग्रणी कंपनी है। कंपनी ने इसी माह संयुक्त अरब अमीरात के एज समूह के साथ महत्वपूर्ण करार किया है जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और रक्षा क्षेत्र की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी है। इस करार के तहत विश्व स्तरीय प्लेटफॉर्म का निर्माण होना हैं, जिससे दोनों कंपनियों की रक्षा और एयरोस्पेस क्षमता में वृद्धि होगी।

मिंत्रा होम ने अभिनेत्री मसाबा गुप्ता को बनाया ब्रांड एंबेसडर

- मसाबा क्यूरेटेड बाय मसाबा कैंपेन में भी दिखाई देंगी

नई दिल्ली । फैशन डिजाइनर और अे भिनेत्री मसाबा गुप्ता को इंडियन फैशन ई-कॉमर्स कंपनी मिंत्रा ने मिंत्रा होम का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। बतौर ब्रांड एंबेसडर वह प्लेटफॉर्म को अपने क्रिएटिव विजन से आगे ले जाएंगी। ट्रेंड-फर्स्ट कस्टमर्स की उम्मीदों के मुताबिक घर का चयन करेंगी, जो उनके पर्सनालिटी को दिखाते हों। इस सहयोग के हिस्से के रूप में वह क्यूरेटेड बाय मसाबा कैंपेन में भी दिखाई देंगी, जो मिंत्रा के प्रीमियम होम सेलेक्शन को सामने लाता है। मसाबा ने कहा` कि घर वह जगह है जहां हम खुद को खुलकर एक्सप्रेस करते हैं। मिंत्रा की होम कैटेगरी के लिए ब्रांड एंबेसडर बनना घर की सजावट को सेल्फ-एक्सप्रेशन में बदलने जैसा है। मेरे लिए यह सहयोग घर बनाने के सफर को खूबसूरत एस्थेटिक के साथ जोड़ने का एक मौका है। मसाबा गुप्ता काफी क्रिएटिव हैं। उन्होंने फैशन और ब्यूटी के क्षेत्र में काफी नाम कमाया है। अब वह मिंत्रा होम के जरिए नए-नए आइडिया और क्रिएटिविटी लोगों के साथ शेयर करेंगी। मिंत्रा होम के पोर्टफोलियो में एमएंडएस होम्स, एचएंडएम होम्स, इंडिया सर्कस, माई ट्राइडेंट, अर्बन स्पेस, एलिमेंट्री, डीडेकोर और नेस्टासिया समेत प्रमुख ब्रांड्स के बढ़िया होम फर्निशिंग, ट्रेंडी आर्ट और डेकोर पीस, लैंप एंड लाइटिंग, किचन एंड डाइनिंग, बाथ और बेड लिनेन और अप्लायंसेज शामिल हैं। हाल ही में होम कैटेगरी पर अपना फोकस करने के बाद से मिंत्रा ने अपनी पेशकशों में बढ़ोतरी की है, जिसमें 1,500 से ज्यादा घरेलू और ग्लोबल ब्रांड्स की 4 लाख से ज्यादा स्टाइल की एक सूची है। पिछले कुछ सालों में देखा गया है कि लोग घर पर ज्यादा समय बिता रहे हैं। ऐसे में हाइब्रिड वर्क और वर्क फ्रॉम होम में काफी बढ़ोतरी हुई है, जिसके चलते उपभोक्ता अपने घर के सामान और सजावट में ज्यादा निवेश कर रहे हैं। किचन, वॉल क्लॉक और सर्ववेयर जैसी कुछ सब-कैटेगरी की डिमांड में साल-दर-साल 100 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की जा रही है। मिंत्रा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा,` कि हम मसाबा गुप्ता का मिंत्रा होम के ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वागत करते हैं। घर हर किसी की लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा है और इसलिए कैटेगरी का विस्तार फैशन और लाइफस्टाइल को लोकतांत्रिक बनाने की मिंत्रा की प्रतिबद्धता में अच्छी तरह से फिट बैठता है। मसाबा के टैलेंट का बोलबाला विश्व स्तर पर है, और हम अपने ग्राहकों को प्रेरित करने के लिए उनके क्यूरेटेड कलेक्शन, थीम और लुक के जरिए एस्थेटिक की उनकी गहरी समझ को पेश करने के लिए रोमांचित हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.89 लाख करोड़ बढ़ा

- दस शीर्ष कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,89,699.42 करोड़ रुपये की बढ़त दर्ज की गई। शेयर बाजार में जोरदार तेजी के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का बाजार मूल्यांकन चढ़ गया। वहीं भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 1,52,264.63 करोड़ रुपये बढ़कर 21,18,951.20 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस के बाजार मूल्यांकन में 34,733.64 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 14,12,845.09 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 30,286.99 करोड़ रुपये बढ़कर 8,44,201.88 करोड़ रुपये रही। वहीं भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 18,267.7 करोड़ रुपये बढ़कर 8,22,530.35 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 14,656.3 करोड़ रुपये बढ़कर 6,50,602.10 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी बैंक का 13,808.74 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 12,80,865.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक की बाजार हैसियत 11,111.14 करोड़ रुपये बढ़कर 7,57,565.68 करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में 7,953.37 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ और यह 5,81,570.83 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 6,616.91 करोड़ रुपये बढ़कर 5,30,475.82 करोड़ रुपये हो गई। इस रुख के विपरीत एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 22,042.61 करोड़ रुपये घटकर 6,25,573.90 करोड़ रुपये पर आ गया। प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

मुंबई में संपत्तियों का पंजीकरण जून में बढ़कर 11,575 इकाई हुआ

नई दिल्ली। मुंबई नगरपालिका क्षेत्र में संपत्तियों का पंजीकरण जून में सालाना आधार पर 12 फीसदी बढ़कर 11,575 इकाई हो गया है। महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल से एक रियल एस्टेट सलाहकार द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार मुंबई शहर में जून में 11,575 इकाइयों का पंजीकरण हुआ, जबकि पिछले साल इसी महीने में 10,319 इकाइयों का पंजीकरण हुआ था। हालांकि जून में पंजीकरण की संख्या मई की तुलना में कम रही। मई में 12,000 संपत्तियां का पंजीकरण हुआ था। पंजीकरण का बड़ा हिस्सा आवासीय संपत्तियों का है। खरीदारों के बढ़ते भरोसे के बीच चालू` वित्त वर्ष 2024 के पहले छह माह में मुंबई में संपत्तियों के पंजीकरण का आंकड़ा 10,000 इकाई से ऊपर रहा है। संपत्ति सलाहकार ने कहा कि जून, 2024 में मुंबई में संपत्तियों के पंजीकरण का आंकड़ा पिछले 12 साल का सबसे ऊंचा स्तर है। उन्होंने कहा कि आर्थिक समृद्धि बढ़ने तथा घर खरीदने को लेकर धारणा अनुकूल होने की वजह से संपत्ति के पंजीकरण में उछाल आया है। संपत्ति बिक्री पंजीकरण में सालाना आधार पर लगातार वृद्धि मुंबई के रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाती है।

एफपीआई ने जून में घरेलू शेयर बाजारों में 26,565 करोड़ निवेश किए

- इससे पहले मई में एफपीआई ने शेयर बाजार से 25,586 करोड़ निकाले थे

नई दिल्ली । लगातार दो माह की बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जून में घरेलू शेयर बाजारों में एक बार फिर लिवाल बन गए हैं। शेयर बाजारों में जोरदार तेजी की वजह से जून में एफपीआई ने 26,565 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं। बाजार के जानकारों कहा` कि आगे चलकर उनका ध्यान धीरे-धीरे बजट और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की ओर स्थानांतरित होगा। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जून में भारतीय शेयर बाजार से 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि की चिंता के बीच अप्रैल में भी एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे थे। इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि जनवरी में उन्होंने 25,743 करोड़ रुपये निकाले थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भाजपा को अपने बल पर बहुमत नहीं मिलने के बावजूद राजनीतिक स्थिरता और स्थिर घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की खरीदारी और आक्रामक खुदरा खरीदारी से बाजारों में तेज उछाल ने एफपीआई को लिवाल बनने के लिए मजबूर किया है। हालांकि एफपीआई की खरीदारी बाजार या व्यापक रूप से क्षेत्र आधारित होने के बजाय कुछ शेयरों तक केंद्रित रही है। उनका कहना है कि सरकार की स्थिरता का भरोसा, जीडीपी के मोर्चे पर अच्छे प्रदर्शन, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में स्थिरता और बैंकिंग क्षेत्र की सेहत मजबूत होने की वजह से एफपीआई का प्रवाह तेज बना रहेगा। आंकड़ों के अनुसार इसके अलावा एफपीआई ने जून में ऋण या बॉन्ड बाजार में 14,955 करोड़ रुपये डाले हैं। 2024 में अब तक बॉन्ड बाजार में एफपीआई का निवेश 68,624 करोड़ रुपये रहा है।

गेल की ऊर्जा गंगा पाइपलाइन अगले साल मार्च तक पूरी होगी

नई दिल्ली ।

देश के पूर्वी हिस्सों में पर्यावरणानुकूल ईंधन पहुंचाने के लिए देश की प्रमुख 12,940 करोड़ रुपये की ऊर्जा गंगा गैस पाइपलाइन परियोजना मार्च, 2025 तक पूरी होने की उम्मीद है। सार्वजनिक क्षेत्र की गेल (इंडिया) लिमिटेड ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा कि 3,306 किलोमीटर लंबी जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन को जून, 2024 तक पूरा किया जाना था। लेकिन उपयोग के अधिकार (आरओयू) की उपलब्धता में देरी से इस परियोजना के पूरा होने का समय संशोधित कर जून, 2024 से मार्च, 2025 कर दिया गया है। ज्यादातर पाइपलाइन का निर्माण पहले ही हो चुका है और मार्ग के अधिकांश शहरों में गैस का प्रवाह शुरू हो गया है। परंपरागत रूप से उपलब्ध प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली पैदा करने, उर्वरक बनाने या सीएनजी और रसोई गैस के रूप में किया जाता है। अक्टूबर 2016 में उत्तर प्रदेश के जगदीशपुर से पश्चिम बंगाल के हल्दिया, झारखंड के बोकारो और ओडिशा के धामरा तक पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हुआ था। पूर्वी क्षेत्र के राज्यों तक ईंधन ले जाने के लिए लाइन को बिहार के बरौनी से असम के गुवाहाटी तक 726 किमी बढ़ाया गया था। जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) को प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा पाइपलाइन

कहा जाता है। इसके जरिये पूर्वी राज्यों बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को गैस की आपूर्ति की जानी है।

पाइपलाइन को क्रियान्वित करने वाली कंपनी गेल ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 28 जून को एक बैठक में पाइपलाइन को पूरा करने की समयसीमा को बढ़ाकर जून, 2024 से मार्च, 2025 करने की मंजूरी दे दी। गेल ने 10 मई, 2019 को कहा था कि उसने पाइपलाइन से जुड़े 10,500 करोड़ रुपये के सभी महत्वपूर्ण अनुबंध दे दिए हैं। सरकार ने जेएचबीडीपीएल के क्रियान्वयन के लिए 40 प्रतिशत का व्यवहार्यता अंतर (वीजीएफ) यानी 5,176 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए हैं।

वहीं बरौनी-गुवाहाटी पाइपलाइन के लिए सरकार ने 60 प्रतिशत यानी 5,559 करोड़ रुपये का वीजीएफ उपलब्ध कराया है।

टाइटन ने बांग्लादेश में आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश किया

नई दिल्ली।

टाइटन कंपनी बांग्लादेश में अपना आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश कर रही है। बयान के अनुसार टाटा समूह द्वारा प्रबंधित कंपनी तनिष्क ने रिदम ग्रुप के साथ इस संबंध में एक संयुक्त उद्यम समझौता किया। इसके तहत तनिष्क को बांग्लादेश के बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार संयुक्त उद्यम की शुरुआत बांग्लादेश के नारायणगंज में विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के साथ होगी। घरेलू बाजार के अलावा टाइटन अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तनिष्क की उपस्थिति का विस्तार कर रही है और संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कतर, सिंगापुर और ओमान में 17 स्टोर संचालित करती है। इसका घड़ी कारोबार दक्षेस, एमईएनए (पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका), दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों में मौजूद है।

पिछले कुछ साल में इसने अपने प्रमुख आभूषण ब्रांड तनिष्क को विदेशों में बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित

किया है। रिदम ग्रुप बांग्लादेश की एक प्रमुख कंपनी है जिसकी स्थापना 1972 में देसी वस्त्र निर्माण के लिए की गई थी और तब से इसने कई क्षेत्रों में विस्तार किया है।

बीते वित्त वर्ष में ईपीएफओ के नए सदस्यों की संख्या घटकर 1.09 करोड़ रही

- एक रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे

नई दिल्ली ।

बीते वित्त वर्ष में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के नए सदस्यों की कुल संख्या चार प्रतिशत घटकर 1.09 करोड़ रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ईपीएफओ की भारत में पेरोल रिपोर्टिंग- एक रोजगार परिप्रेक्ष्य-जनवरी से अप्रैल, 2024 रिपोर्ट के अनुसार ईपीएफओ ने 2022-23 में कुल 1,14,98,453 नए सदस्य जोड़े थे। यह संख्या 2023-24 में घटकर 1,09,93,119 रह गई है। महामारी के कारण ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की कुल संख्या में 2020-21 में गिरावट आई थी और यह 85,48,898 रही थी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में ईपीएफओ से 1,10,40,683 नए सदस्य जुड़े थे। 2021-22 में ईपीएफओ से जुड़ने वाले नए सदस्यों की संख्या 1,08,65,063 रही थी। देश में कोरोना महामारी के प्रसार को रोकने के लिए केंद्र और राज्यों ने 2020 और 2021 में लॉकडाउन लगाया था, जिससे आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ रोजगार भी प्रभावित हुआ था। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 तक पिछले पांच वित्तीय वर्षों में ईएफपीओ द्वारा जोड़े गए कुल नए सदस्य 2018-19 के पूर्व-कोविड स्तर तक नहीं पहुंचे थे। अप्रैल, 2018 से मंत्रालय सितंबर, 2017 के बाद की अवधि के संगठित क्षेत्र के रोजगार संबंधी आंकड़े जारी कर रहा है। इसमें तीन प्रमुख योजनाओं कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) से जुड़ने वाले सदस्यों की जानकारी ली जाती है। रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के सदस्यों की सकल वृद्धि भी 2022-23 के 1,67,73,023 से घटकर 2023-24 में 1,67,60,672 रह गई है। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार एनपीएस के तहत नए सदस्यों की संख्या 2022-23 के 8,24,735 से बढ़कर 2023-24 में 9,37,020 हो गई।

सीएमपीडीआई में स्वच्छता जोद्धामन के करल गेलक सम्मानित

सोनू सपवार, रांची

सीएमपीडीआई कर 'कांफ्रेस हाल' में स्वच्छता पखवाड़ा-2024 कर समापन समारोह कर आयोजन 30 जून के करल गेलक। ई मौका में सीएमपीडीआई कर अध्यछ-सह-प्रबंध निदेसक मनोज कुमार, निदेसक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार, निदेसक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा, मुध सतर्कता अधिकारी सुमीत कुमार सिन्हा स्वच्छता योद्धामन के सम्मानित करलयं। पौधा रोइप के एक गो पखवाड़ा तक चलेक वाला स्वच्छता पखवाड़ा कर समापन करलयं। पखवाड़ा 16 से 30 जून, 2024 तक चललक।

ई मौका में श्री कुमार स्वच्छता उपरे जोर देलयं। कहलयं कि स्वच्छ भारत कर महात्मा गांधीजी कर सपना के साकार करेक ले हमिन कर दैनिक जीवन आउर आसपास कर समुदायमन में स्वच्छता के अपनायेक जरुरी हय। नागरिकमन कर बेस स्वास्थ्य आउर जीव कल्यान स्वच्छता कर अंतिम लाभ हेके। श्री झा कहलयं कि स्वच्छता कत संबंध में जानकारी कत प्रचार-प्रसार आउर जागरूकता पैदा करेक हर बेक्ति कर जिम्मेदारी हेके। इके निभायेक ले हमिन सउब के सतत् प्रयास करेक चाही।

श्री सिन्हा स्वच्छता पखवाड़ा कर दौरान करल गेलक बिभिन्न गतिबिधिमन ले सीएमपीडीआई कर सराहना करलयं। सउब कर्मीमन के पूरा बछर स्वच्छता संबंधी गतिबिधिमन में जुड़ल रहेक कर सलाह देलयं।

सीएमपीडीआई स्वच्छता पखवाड़ा (16-30 जून, 2024) कर दौरान एकल उपयोग प्लास्टिक उपरे अंकुस लगायेक ले जागरुकता अभियान, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ पेयजल आदि, आउर स्वच्छता अभियान, अपशिष्ट / कचरे का निपटान, सफाई जइसन गतिबिधि चलालयं। सीएमपीडीआई (मुख्यालय) कर अलावा सउब छेतरीय संस्थानमन आउर इकर अधीनस्थ गवेसन सिबिरमन में अदमीमन कर बीच स्वच्छता कर बारे में जागरुकता बढ़ायेक ले बरसा जल संचयन परणाली, सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी), तालाब आदि कर सफाई आउर प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन आउर ड्राइंग आदि जइसन प्रतिजोगिता आयोजित करल गेलक। ई अवसर में सीएमपीडीआई (मुख्यालय) आउर छेतरीय संस्थान-3-रांची कर महाप्रबंधक आउर बिभागाध्यछ आउर बरीय अधिकारी उपस्थित रहयं।

आइज से लागू होवी तीन गो नवा कानून

रांची। एक जुलाई यानी आइज से देसभइर में तीन गो नवा आपराधिक कानून लागू होवी। भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 आउर भारतीय साक्ष्य अधिनियम कर प्राविधान आइज से परभाव में आए जावी। ई कानून के लागू करेक उदेस से जनतामन के जागरुक करेक कर काम सुरू कइर देल हे।

ई कानून लागू करेक ले देसभइर में एक जुलाई के बिसेस कार्जकरम होवी, जेकर में इ तीन गो कानून कर बिसेस कइर के आमजनमन के बताल जावी। ई नवा कानून अंग्रेजमन कर समय कर पुरना कानून के संसोधन कइर के बनाल जाए हे। नवा कानून कर तहत ऑनलाइन सिकायत दर्ज करल जाई सकी।

घटनास्थल कर बिडियोग्राफी आउर फोटोग्राफी, न्यायिक सुनवाई आउर इलेक्ट्रॉनिक रूप में अदालती समन भेजेक वास्ते ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति आउर ई समन ऐप बिकसिक करल जाए हे। 14 मार्च 2024 के आपराधिक कानून कर एनसीआरबी संकलन नाव से एक गो मोबाइल ऐप वेब एप्लीकेसन जारी करल जाए हे। बर्तमान में 1.2 लाख यूजर्स हयं।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी संभरालयं सेना परमुख कर पद

नई दिल्ली। जनरल उपेंद्र द्विवेदी भारतीय सेना कर नवा परमुख कर पदभार गरहन करलयं। उ भारतीय सेना कर 30वां सेनाध्यछ हयं। इकर पहिले ऊ भारतीय सेना कर उप परमुख रहयं आउर सेना उत्तरी सेना कर कमान संमराय रहयं।

डालटनगंज बिधायक असम कर सीएम से करलयं भेंट

पलामू। डालटनगंज-भंडरिया बिधानसभा छेतर कर भाजपा बिधायक आलोक चौरसिया झारखंड राइज कर बिधानसभा चुनाव परभारी आउर असम राइज कर मुख्यमंत्री हिमंता विस्व सरमा से भेंट करलयं। बिधायक आलोक चौरसिया बिधानसभा परभारी के डालटनगंज आवेक ले नेवता देलयं आउर छेतर कर समस्या से अवगत करालयं। हेमंत विस्व सरमा कहलयं कि बर्तमान राइज सरकार खली आपन थइली भरेक कर काम करत हे। ई सरकार में भरस्टाचार आउर गुंडागर्दी खूब होवत हे। आवेक वाला चुनाव में जनतामन इ सरकार के उखड़ाय फेंकबयं।

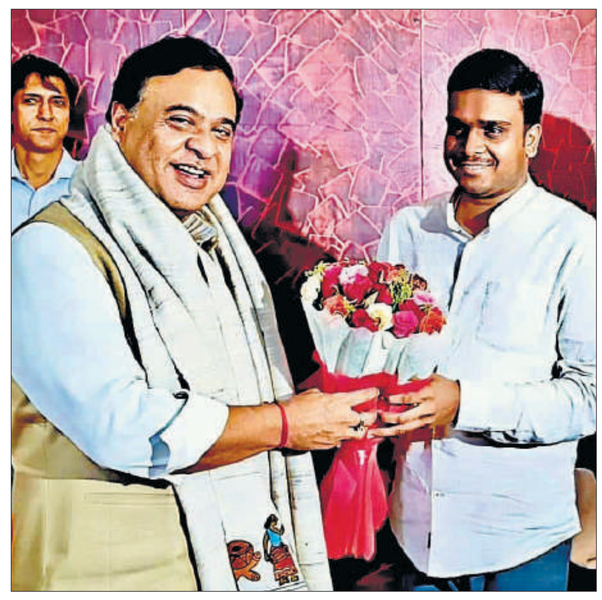

एक ठो नाबालिग छोड़ी के बचालक आरपीएफ

रांची। रांची रेलवे इस्टेसन में आरपीएफ पोस्ट रांची आउर नन्हे फरिश्ते टीम ऑपरेसन नन्हें फरिश्ते कर तहत एक ठो नाबालिग छोड़ी के बचालयं। जांच कर दौरान फूड प्लाजा कर जगन एकला बैठल एक ठो नाबालिग छोड़ी के ईमन देखलयं। उके सहमल देइख उकर से जब कारन पूछल गेलक तब ऊ ठीक से जवाब नई देवे पारलक। आपन नावं समरित (पुत्री - गणेश खेरवार आउर संगीता देवी, निवासी- सनाई, थाना- सेन्हा, डाकघर- दुंदरू, जिला- लोहरदगा, झारखंड) बतालक। बाद में तमाम औपचारिकतामन के पूरा करेक कर बाद उके सीडब्ल्यूसी कर सामने पेस करल गेलक। फिर सीडब्ल्यूसी कर आदेस में प्रेमाश्रय रांची के सौंप देल गेलक।

कोयल की धारा किताब कर होलक लोकार्पन

पलामू। पलामू कर बरिस्ठ साहितकार आउर सिछाविद प्रोफेसर सुभाष चंद्र मिश्रा कर किताब कर लोकार्रपन काइल डालटनगंज में होलक। कार्जक्रम में पहिल बिधानसभा कर अध्यछ इंदर सिंह नामधारी, कांग्रेस नेता केएन त्रिपाठी, पहिल मेयर अरुण शंकर संगे बहुते झन आवल रहयं। इंदर सिंह नामधारी कहलयं कि कोयल नदी पलामू कर सिंगार हेके। ई किताब कर लेखक प्रोफेसर एससी मिश्रा कोयल नदी कर सौदंर्य आउर हियां कर समस्यामन के लिइख हयं। कार्जक्रम कर अध्यक्षता करते प्रोफेसर दया शंकर मिश्र कहलयं कि पर्यावरनविद जे समस्या से संघर्स करत हयं, उके ई किताब में लिखल जाए हे। केएन त्रिपाठी कहलयं कि कोयल नदी में बांध बनायेक से हियां कर पियास बुझाल जाई। अरुणा शंकर कहलयं कि कोयल कर धारा किताब पइढ़ के नदी के निरमल राखेक कर सिछा मिललक। कार्जक्रम में किताब कर लेखक सुभाष चंद्र मिश्रा कर जनी बसंती मिश्रा, पुतऊ रागिनी मिश्रा, अलका मिश्रा, बेटी प्रियंका मिश्रा संगे उनकर परिवारमन कर ढेइरे सदस्य आउर पुस्तक, साहित्य प्रेमीमन उपस्थित रहयं।

प्रधानमंत्री हूल दिवस में जनजातीय नायकमन के सरधांजलि अर्पित करलयं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव आउर फूलो-झानो जइसन जनजातीय नायकमन के ब्रिटिस साम्राज्य कर अत्याचारमन कर खिलाफ उनकर स्वाभिमान आउर पराक्रम ले सरधांजलि अर्पित कइर हयं। श्री मोदी कहलयं कि हूल दिवस हमिन कर आदिवासी समाज कर अप्रतिम साहस, संघर्स आउर बलिदान के समर्पित एक ठो महान अवसर हेके। प्रधानमंत्री एक्स में पोस्ट करलयं, "हूल दिवस हमिन कर आदिवासी समाज कर अप्रतिम साहस, संघर्स आउर बलिदान के समर्पित एक ठो महान अवसर हेके। ई पावन दिवस में सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव आउर फूलो-झानो जइसन जनजातीय बीर-बीरांगनामन के मोर दन से आदरपूर्न सरधांजलि। बिरटिस साम्राज्य कर अत्याचार कर खिलाफ उनकर स्वाभिमान आउर पराकरम कर कहानी देसवासीमन ले हमेसा प्रेरनास्रोत बनल रही।"

नागपुरी - कविता

रामदेव बड़ाईक

झारखंड कर संस्कृति

झारखंड में कला-संस्कृतिक,महिमा महान,
चलेक के हें नृत्य कहंयना,बोलेक के हें गान।
झारखंड में कहंयना, हियां कर्म हय प्रधान,
सहिया - मदइती संस्कृति, हियां कर प्रान।।
जने देखब तने हियां, मिली खेत-. खरिहान,
गाय गरु, काड़ा भंइस, हियां हंय अनठेकान।
ऊधरा-पंइचा कइर,हियां करंयना सउब काम,
उरांव मुंडा हो खड़िया,चाहे गांव कर पहान।।
भेष-भूसा परिधान कर,हियां आहे जोगदान,
संरछन-संवर्धन कर, विश्व पटल में पहचान।
झारखंड कर संस्कृति में,हियां आदान-प्रदान,
अनैत मान-सम्मान हियां,चाहे गरीब-धनवान।।
मेला अखरा जतरा, हियां आस्तित्व क प्रमान,
मांदर आउर बंसरी कर,हियां सुनब मधुर तान।

हूल दिवस कर अवसर में साहिबगंज जिला कर बरहेट इस्थित भोगनाडीह कर सिदो कान्हू पार्क में अमर वीर सहीद सिदो-कान्हू आउर चांद- भैरव कर परतिमा में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आउर बिधायक श्रीमती कल्पना सोरेन माल्यार्पन करलयं। ई अवसर में वीरांगना फूलो- झानो कर प्रतिमा कर अनावरन कइर के सरधानजलि अर्पित करलयं।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना-गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक :** नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक :** कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक :** रतन लाल अग्रवाल। फोन नंबरः 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडीः** jharkhandwanitaudyog@gmail.com